@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 23 मई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 183 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एनआईए ने दो माओवादियों के खिलाफ दायर किया आरोप पत्र

रांची, 22 मई। झारखंड में सुरक्षा बलों पर हमले की साजिश में शामिल होने के आरोप में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दो माओवादियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। जांच एजेंसी ने रांची स्थित विशेष एनआईए अदालत में आरोप पत्र दायर किया। इसमें झारखंड के अघनु गंझू और खुदी मुंडा को आरोपी बनाया है। एनआईए ने भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आरोप पत्र दायर किया। अब इस मामले में कुल आरोपियों की संख्या 31 हो गई है। बता दें कि वर्ष 2022 में झारखंड पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। इसके बाद एनआईए को मामले की जांच सौंपी गई थी। 2023 अगस्त और दिसंबर के बीच जांच एजेंसी ने 20 लोगों के खिलाफ तीन आरोप पत्र दायर किए थे। एनआईए ने बयान में कहा है कि माओवादियों प्रतिबंधित के संगठन सीपीआई के सदस्यों ने अपने कमांडर प्रशांत बोस की गिरफ्तारी का बदला लेने के लिए झारखंड के बॉक्साइट खदान क्षेत्र में सुरक्षा बलों पर हमले की साजिश रची थी। एनआईए ने बताया कि जून 2022 में सीपीआई (माओवादी) के क्षेत्रीय कमांडर रवींद्र गंझू के नेतृत्व में करीब 60 लोग हमले को अंजाम देने के लिए झारखंड के लोहरदगा जिले के जंगली इलाके में एकत्र हुए थे। जब झारखंड पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को इस योजना का पता चला तो संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया।

दिल्ली की जनता के सामने रखा अपना रिपोर्ट कार्ड: प्रधानमंत्री मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 22 मई। पश्चिमी दिल्ली संसदीय सीट के द्वारका में बुधवार को आयोजित चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिसे लूटा गया है, भाजपा सरकार उसका धन लौटाएगी। वहीं, जिसने लूटा है, उसे चुन-चुनकर जेल पहुंचाएगी। शराब घोटाला व नेशनल हेराल्ड की हेराफेरी करने वालों से पाई-पाई वसूली जाएगी। उन्होंने इस घोषणा को मोदी की गांरटी करार दिया। उन्होंने कहा कि इन दिनों लाखों-करोड़ों रुपये मिल रहे हैं। पिछले दिनों ही 22 हजार करोड़ रुपये पकड़े गए। चुनाव की घोषणा के बाद से ही नौ हजार करोड़ रुपये जब्त हुए। जिससे यह पैसा लूटा गया है, वे एक-एक पाई लौटाएंगे। इसके लिए वे कानूनी सलाह ले रहे हैं। जो पैसा मिला है वह देश के किसी न किसी नागरिक का होगा। इसका स्रोत पता किया जा रहा है। जिससे भी यह पैसा लिया गया है, उसे लौटाया जाएगा। जो इसके लुटेरे हैं, वे कोई भी हों, उनका जेल में जाना तय है। मुख्यमंत्री केजरीवाल पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि दिल्लीवाले भ्रष्टाचारियों का खेल देख रहे हैं। इन लोगों ने दिल्ली के लोगों को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ा। अदालत भी इनकी लूट देखकर हैरान है। भ्रष्टाचार मिटाने के दम में सत्ता में आए खुद भ्रष्टाचारी हो गए हैं। बीते दिनों के अदालत के निर्णय से इस बात का पता भी चल रहा है। कांग्रेस के शहजादे ने खुद मान लिया है कि उनके दादा-दादी व पिता के समय में जो सिस्टम बना, वह अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ों का विरोधी रहा है। यह गठबंधन घोर भ्रष्टाचारी हैं। ये वे लोग हैं, जिनके पास से नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं। रंगे हाथों लोग पकड़े जा रहे हैं। गठबंधन वाले गरीब की प्रॉपर्टी का एक्सरे कराना चाहते हैं। पीएम ने गारंटी दी कि बड़ी ताकत के साथ बिना डरे हुए, बिना थके हुए और बिना दबाव में आए 10 साल में जितना शिकंजा कसा है, उससे भी ज्यादा इन भ्रष्टाचारियों के संपत्ति का एक्सरे होगा। रैली में पीएम ने एक बार फिर गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि गठबंधन में तीन चीजें समान हैं। यह घोर सांप्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी है। दिल्ली के खान मार्केट गैंग ने इन घोर सांप्रदायिक लोगों की रक्षा करने में जिंदगी खपा दी, उनके पापों को देश की जनता से छिपाने का पाप किया है। अब समय इन घोर सांप्रदायिक लोगों को सबक सिखाने का समय है। पीएम ने मुस्लिम समुदाय से भी अपील की वे ऐसे लोगों की पहचान करें। उन्होंने कहा कि खान मार्केट गैंग के पास एक ही मुद्दा है कि मोदी जितनी बार भी मुसलमान शब्द बोले, वह सांप्रदायिकता का भाषण कर रहा है। बाटला हाउस एनकाउंटर पर आंसू बहाना, तीन तलाक का विरोध करना, सीएए के विरोध में नारे लगाने का काम भी यही गैंग कर रहा है। साथ में यह भी कह रहा है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। यह लोग देश के बजट का 15 फीसदी अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित करना चाहते हैं। बैंक के लोन, सरकारी ठेके में भी मुसलमानों के लिए आरक्षण चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस चुनाव में वे एक लड़ाई लेकर निकले हैं। जिन लोगों ने भारत के संविधान के साथ धोखा किया है, अब समय आ रहा है कि ऐसे घोर सांप्रदायिक लोगों को देश पहचाने। सिख विरोधी दंगे का जिक्र करते हुए पीएम ने दिल्लीवालों से सवाल किया कि इसी दिल्ली में गले में टायर बांधकर सिख भाई-बहनों को जिंदा जलाया गया था। यह गुनाह किसका था? आज कांग्रेस की छतरी के नीचे खड़ा हर दल सिख दंगे का गुनहगार है। यह मोदी ही है, जो सिख दंगे के पीड़ितों को न्याय दिला रहा है। केंद्र सरकार में आने के बाद ही एसआईटी का गठन किया। आरोपी कांग्रेस नेता खुलेआम घूम रहे थे, उन्हें सजा दिलवाई। उनकी तुष्टीकरण की सनक हर हद पार कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने उच्च शैक्षणिक संस्थानों में एससी-एसटी-ओबीसी भाई-बहनों का हक छीनने का काम किया। पूरा देश इसे जानता है। कांग्रेस सरकार ने चुपचाप एक चाल चली। अचानक जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक संस्थान घोषित कर दिया। इससे 50 प्रतिशत आरक्षण मुसलमानों के लिए लागू हो गया।

2010 के बाद जारी ओबीसी प्रमाण-पत्र रद्द करने के आदेश: कलकत्ता हाईकर्ट

तेजिन्दर कौर बब्बर

कोलकाता, 22 मई। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को कलकत्ता हाईकर्ट से बुधवार को एक और झटका लगा है। हाईकोर्ट ने तृणमूल सरकार द्वारा जारी राज्य के सभी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट ने बुधवार को कहा कि फैसला सुनाए जाने के बाद रद्द किए गए प्रमाणपत्र का इस्तेमाल किसी भी रोजगार प्रक्रिया में नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट के इस आदेश के परिणामस्वरूप करीब पांच लाख ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए गए। हालांकि, साथ ही हाईकोर्ट ने कहा, इस प्रमाणपत्र के जिन उपयोगकर्ताओं को पहले ही मौका मिल चुका है, उन पर इस फैसले का असर नहीं होगा। हालांकि, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को विशेष रूप से तृणमूल सरकार का उल्लेख नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि 2010 के बाद जारी किए गए सभी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए जाएंगे। संयोग से तृणमूल कांग्रेस 2011 से राज्य में सत्ता में आई है। नतीजतन, अदालत का आदेश केवल तृणमूल के समय में जारी ओबीसी प्रमाण पत्र पर प्रभावी होगा। कलकत्ता हाई कोर्ट का कहना है कि 2010 के बाद जितने भी ओबीसी सर्टिफिकेट बनाए गए हैं, वे कानून के मुताबिक ठीक से नहीं बनाए गए हैं। इसलिए उस प्रमाणपत्र को रद्द किया जाना चाहिए, लेकिन साथ ही हाईकोर्ट ने कहा है कि इस निर्देश का उन लोगों पर कोई असर नहीं होगा जो पहले ही इस सर्टिफिकेट के जरिए नौकरी पा चुके हैं या नौकरी पाने की प्रक्रिया में हैं। अन्य लोग अब उस प्रमाणपत्र का उपयोग रोजगार प्रक्रिया में नहीं कर सकेंगे। इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि आज भी मैंने एक न्यायधीश को एक आदेश पारित करते हुए सुना, जो काफी मशहूर रहे हैं। प्रधानमंत्री इस बारे में कह रहे हैं अल्पसंख्यक तपशिली आरक्षण छीन लेंगे, क्या ऐसा कभी हो सकता है? तपशीली या आदिवासी आरक्षण को अल्पसंख्यक कभी छू नहीं सकते, लेकिन ये शरारती लोग (भाजपा) अपना काम एजेंसियों के माध्यम से कराते हैं, किसी के माध्यम से इन्होंने आदेश कराया है लेकिन मैं यह राय नहीं मानूंगी। जिन्होंने आदेश दिया है वह इसे अपने पास रखें, भाजपा की राय हम नहीं मानेंगे।

पीएम मोदी रात में ही क्यों आते हैं पटना ?: तेजस्वी

पटना, 22 मई। नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी, पीएम नरेंद्र मोदी और चिराग पासवान पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जब भी पटना आते हैं तो रात के अंधेरे में आ रहे हैं। रात के अंधेरे में कई कुछ खास लोगों को बुलाया जा रहा है। कुछ-कुछ खास निर्देश पीएम मोदी द्वारा दिया जा रहा है। यह लोग डर चुके हैं। आजकल टेलीपॉम्पटर भी पीएम मोदी बोलते हैं तो साफ नजर आता है कि वह थक चुके हैं और ना उम्मीद हो चुके हैं। वहीं चिराग पासवान के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि चिराग जी को सबसे पहले हार की मुबारकबाद देता हूं। हमलोगों के पास जो सूचना आई है, उसमें वह काफी अच्छे मार्जिन से चुनाव हार रहे हैं। उनके पास कोई मैनेजमेंट नहीं है। एक भी आदमी उनके नहीं दिखे। जमीन पर उनकी पकड़ ही नहीं दिखी। पोलिंग बूथ पर भी उनके लोग नहीं दिखे। भाजपा और कुछ लोगों ने मिलकर उन्हें चुनाव हरा दिया। सबसे पहले उन्होंने भोजपुरी सुपरस्टार और काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह को भाजपा से निष्कासित करने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि यह हमारा मुद्दा नहीं है। इससे हमलोगों को कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, मुझे लगता है कि यह भाजपा की ही साजिश है। कुशवाहा जी को हराने की साजिश है। दिखावटी कार्रवाई की गई है। अंदर ही अंदर भाजपा वाले उपेंद्र कुशवाहा को हराने की कोशिश कर रहे हैं।

बॉन्ड लोकतंत्र के इतिहास में सबसे बड़ा घोटाला: प्रशांत भूषण

कौमी संवाददाता

मंडी, 22 मई। चुनावी बॉन्ड को सुप्रीम कोर्ट ने गैर कानूनी घोषित किया है। सत्ताधारी दलों की ओर से चंदा दो-धंधा लो की प्रथा को चलाया जा रहा है। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में यह सबसे बड़ा घोटाला है। यह बात विश्वकर्मा भवन मंडी में स्वराज अभियान, संयुक्त किसान मोर्चा, भारत जोड़ो अभियान एवं लोकतांत्रिक राष्ट्र निर्माण अभियान के सौजन्य से एक बैठक में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कही। उन्होंने कहा कि कंपनियों ने लाखों करोड़ की परियोजनाओं को हासिल करने के लिए सत्ताधारी राजनीतिक दलों को रिश्वत देने के लिए चुनावी बॉन्ड को इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा

कि कई कंपनियां जो ईडी, सीबीआई और आईटी विभाग की जांच के दायरे में थी, उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी को दान दिया और जांच से मुक्त हो गई। कुछ दवा कंपनियां जो ड्रग कंट्रोलर के अनुसार घटिया और जानलेवा दवाएं बना रही थी, उन्हें उत्पादन की अनुमति दे दी गई। प्रशांत भूषण ने बताया की चुनावी बॉन्ड भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है, रिश्वत को बढ़ावा देता है और समान अवसर को बाधित करता है। एक तरफ चुनाव आयोग ने बयान दिया कि 60 प्रतिशत पोलिंग हुई है फिर दूसरी तरफ बताया कि 66 प्रतिशत हुई है। जिससे संदेह पैदा होता है कि ईवीएम की अदला बदली भी संभव है।

दिल्ली में शरीर झुलसाने वाली गर्मी, 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

नई दिल्ली, 22 मई। राजधानी में हर दिन गर्मी का सितम बढ़ता जा रहा है। झुलसा देने वाली गर्मी से लोग बेहाल हैं। बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक रहा। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, आसमान साफ रहेगा इससे अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार जाने की आशंका है। बुधवार को सुबह से झुलसाती हुई गर्मी देखने को मिली। लोग दोपहर के समय घरों में कैद रहे। कई इलाकों में लू की स्थिति बनी। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, दिल्ली का अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जो यह सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 30.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस सीजन का सर्वाधिक न्यूनतम तापमान रहा। इधर, शुक्रवार को कई इलाकों में लू चलने की आशंका है। इस दौरान अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने का अनुमान है। जबकि न्यूनतम तापमान भी 31 डिग्री सेल्सियस तक जाने की आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक नजफगढ़ इलाका सर्वाधिक गर्म रहा।

ममता बनर्जी के विरोध में साधु निकालेंगे रैली

कोलकाता, 22 मई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के साधुओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उनके इस टिप्पणी के विरोध में बंगाल के साधुओं ने 24 मई को कोलकाता में रैली निकालने का फैसला किया। दरअसल, ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि रामकृष्ण मिशन के कुछ भिक्षुओं ने आसनसोल में भक्तों से भाजपा के पक्ष में वोट करने के लिए कहा था। वहीं, भारत सेवाश्रम संघ के एक भिक्षु ने टीएमसी एजेंट को बहरामपुर में एक मतदान केंद्र पर बैठने से मना किया था। बनर्जी का आरोप था कि दोनों मठ भाजपा के निर्देशों के तहत काम कर रहे हैं। विश्व हंदू परिषद (वीएचपी) और पश्चिम बंगाल में साधुओं की शीर्ष संस्था बंगीय संन्यासी समाज के सदस्यों द्वारा संत स्वाभिमान यात्रा का आयोजन किया जाएगा। वीएचपी नेता सौरिस मुखर्जी ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, वोट वैंक की राजनीति के लिए मुख्यमंत्री ऐसी टिप्पणी कर रही हैं। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। इस टिप्पणी के विरोध में पश्चिम बंगाल के साधु रैली निकालेंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर पीएम मोदी ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि टीएमसी रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के खिलाफ झूठ फैला रही हैं। यह हद से पार है। अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए ममता बनर्जी धार्मिक संगठनों को धमका रही हैं। हालांकि, बाद में ममता ने सफाई पेश करते हुए कहा कि वह किसी संस्था के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन राजनीति में शामिल होने के लिए एक या दो लोगों की आलोचना की है।

लोअर कास्ट के खिलाफ है पूरा सिस्टम, कॉर्पोरेट से लेकर मिलिट्री तक देख लो: राहुल गांधी

सौरभ शर्मा

चंडीगढ़/पंचकूला, 22 मई। कांग्रेस पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि उन्होंने दलित, ओबीसी और आदिवासी को इज्जत दी है, लेकिन हम ये कहते हैं कि इन्हें इज्जत नहीं, बल्कि पावर चाहिए। जिस दिन इनको सत्ता में भागीदारी मिली, उसी दिन से इनको इज्जत मिलनी शुरू हो जाएगी। ये कब तक चलेगा कि गरीब आदमी अमीर को इज्जत देगा। ऐसा भारत तो पहले राजा महाराजाओं के समय होता था। ये सिस्टम बंद होना चाहिए। 90 प्रतिशत आबादी को उनका हक दिलाने उनके लिए राजनीतिक लक्ष्य नहीं, बल्कि जीवन का मिशन बन गया है और अब वे इसे छोड़ने वाले नहीं हैं। इंडिया गठबंधन की सरकार आने पर इस आबादी को सत्ता में भागीदारी दी जाएगी। राहुल गांधी बुधवार को पंचकूला सेक्टर 5 के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में समृद्ध भारत संस्था की ओर से आयोजित संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अपने भाषण में राहुल गांधी ने पीएम मोदी, अदाणी और अंबानी को निशाने पर रखा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा तैयार किए संविधान को बदलने की मंशा रखते हैं, लेकिन हम उन्हें चेताना चाहते हैं कि भारत ही नहीं दुनिया में ऐसी कोई ताकत नहीं है, जो इस संविधान को छू सके। उन्होंने कहा कि आज देश में दो तरह के नजरिये हैं। भ्रष्टाचार के मामलों में दो मुख्यमंत्री गिरफ्तार हुए, लेकिन एक बाहर आ गया, जबकि दूसरा आदिवासी सीएम हेमंत सोरेन आज भी जेल में है। दूसरा, मायावती भ्रष्ट हैं, लेकिन नवीन पटनायक नहीं, लालू भ्रष्ट हैं, दूसरे नहीं। इस प्रकार का दोहरा नजरिया ठीक नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि वह जन्म से सिस्टम में रहे हैं। वह सिस्टम को अंदर से जानते हैं, उन्होंने कहा कि मुझसे सिस्टम नहीं छिपा सकते और यह सिस्टम गरीब और पिछड़े लोगों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि ये किसको बढ़ावा देता है। वह बोले कि मैं अच्छी तरह से समझता हूं कि सिस्टम किस प्रकार किसको बढ़ावा दिया जा रहा है और किसको निशाने पर रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम हाऊस में जब दादी पीएम थी, पापा पीएम थे, मनमोहन जी थे तब से मैं जाता हूं। सिस्टम लोअर कास्ट के विरूद्ध है। संविधान में साफ लिखा है कि चिकित्सा, शिक्षा और आर्थिक क्षेत्र से न्यायपालिका में सभी को भागीदारी मिले। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस को लगता है कि वह लड़ाई जीत रहे हैं, लेकिन सच्चाई ये है कि भाजपा का अंत आ रहा है। लोगों से सीधे रूबरू होते हुए हाथ में संविधान की किताब लेकर राहुल गांधी ने कहा कि संविधान केवल एक किताब नहीं, बल्कि ट्रांसफर ऑफ पावर, ट्रांसफर आफ प्रोसेस और इक्वेलिटी का डॉक्यूमेंट है।

पाकिस्तान से हवाला के पैसे से कारोबार करने वाली पार्टी को समर्थन कर रही भाजपा: महबूबा

जम्मू कश्मीर, 22 मई। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को भाजपा और अपनी पार्टी पर तीखा हमला किया है। उन्होंने अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी पर परोक्ष हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा उस पार्टी का समर्थन कर रही है, जिसने कश्मीर में आतंकवाद को वित्तपोषित करने के लिए पाकिस्तान से लाए गए हवाला के पैसे से कारोबार किया। पीडीपी के पूर्व नेता अल्ताफ बुखारी को जनवरी 2019 में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। इसके बाद अल्ताफ बुखारी ने जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी का गठन किया। भाजपा ने अनंतनाग राजोरी सीट पर अपनी पार्टी को समर्थन दिया है। पार्टी ने इकबाल मन्हास को इस सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं, महबूबा मुफ्ती भी इस सीट से चुनाव लड़ रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने मियां अल्ताफ को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा। इस सीट पर 17 अन्य लोग मैदान में हैं। महबूबा ने कहा, मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहती, लेकिन अगर आप पता लगाने की कोशिश करेंगे तो आपको पता चल जाएगा कि आतंकवादियों और अलगाववादी नेताओं को पैसा पहुंचाने के पीछे कौन है। कनेक्शन अभी भी बरकरार हैं और वे उन कनेक्शनों का इस्तेमाल कुछ भी करने के लिए कर सकते हैं। महबूबा ने आरोप लगाते हुए कहा, मुझे आश्चर्य है कि भाजपा उस पार्टी का समर्थन कर रही है जो हवाला फंडिंग में शामिल है और हिंसा में उसकी प्रत्यक्ष भूमिका है। आतंकवाद के लिए पाकिस्तान से भेजे गए धन का उपयोग व्यवसाय स्थापित करने के लिए भी किया गया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मतदाताओं, विशेषकर धार्मिक नेताओं और सरकारी कर्मचारियों को परेशान किया जा रहा है।

हेमंत सोरेन की जमानत पर जज और सिब्बल के बीच हुई तीखी बहस

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 22 मई। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से एक बार फिर राहत नहीं मिली। अदालत ने सोरेन की अंतरिम जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। साथ ही कड़ी फटकार लगाई। इसके बाद सोरेन के वकील ने अपनी याचिका वापस ले ली। दरअसल, सोरेन ने हाल ही में कोर्ट में याचिका दायर कर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर खुद के लिए जमानत मांगी थी। हालांकि, अब यह साफ हो गया है कि कथित जमीन घोटाले में गिरफ्तार हेमंत सोरेन इस लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी के लिए प्रचार नहीं कर पाएंगे। सोरेन को ईडी ने इसी साल 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। शीर्ष अदालत ने सोरेन की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। साथ ही सच को दबाने के लिए फटकार लगाई। अदालत ने पाया कि उन्होंने निचली अदालत में जमानत याचिका दायर की थी। कोर्ट ने सोरेन की तरफ से पेश हुए वकील कपिल सिब्बल से कहा, आपका आचरण काफी कुछ कहता है, हमें उम्मीद थी कि आपके मुवक्किल स्पष्टता के साथ आएंगे, लेकिन आपने महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया। याचिका के गुण-दोष पर विचार किए बगैर गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका खारिज करेंगे। यदि अदालत मेरिट पर गौर करेगी तो पूर्व मुख्यमंत्री के लिए ही नुकसानदेह होगा। तथ्यों को छिपाने पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से नाराजगी जाहिर करने के बाद कपिल सिब्बल हेमंत सोरेन की ओर से दायर गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका वापस ले ली। सिब्बल ने यह कहकर सोरेन का बचाव किया कि वह हिरासत में हैं और अदालतों में दायर की जा रही याचिकाओं की उन्हें जानकारी नहीं है। इस पर बेंच ने सिब्बल से कहा, आपका आचरण बेदाग नहीं है। बेंच ने यह भी कहा कि वह (सोरेन) कोई साधारण व्यक्ति नहीं। इससे एक दिन पहले 21 मई को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी सोरेन की अंतरिम जमानत की अर्जी पर सुनवाई के दौरान सवाल किया था कि अगर ट्रायल कोर्ट ने मामले में संज्ञान लेकर जमानत को खारिज कर दिया है तो क्या गिरफ्तारी की वैधता का परीक्षण हो सकता है? कोर्ट ने हेमंत सोरेन के वकील से पूछा था कि नियमित जमानत की अर्जी खारिज होने के बाद लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए उन्हें कैसे अंतरिम जमानत दी जा सकती है। इससे पहले ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि सोरेन की गिरफ्तारी को झारखंड हाईकोर्ट ने सही ठहराया है और उनकी नियमित जमानत याचिका 13 मई को ट्रायल कोर्ट ने खारिज कर दी थी। हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत का जिक्र करते हुए अपने लिए भी राहत की मांग की थी। 13 मई को न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने शुरू में मामले की सुनवाई 20 मई को सूचीबद्ध की थी लेकिन वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा था कि तब तक चुनाव खत्म हो जाएगा और अगर मामले में लंबी तारीख दी गई तो वह (सोरेन) पक्षपात का शिकार होंगे, जिसके बाद शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 17 मई के लिए निर्धारित कर दी। सिब्बल ने सोरेन का पक्ष रखते हुए पीठ को बताया था, उनका मामला भी अरविंद केजरीवाल के आदेश के हूबहू है और उन्हें भी प्रचार अभियान के लिए जमानत की जरूरत है। पीठ ने कहा था कि इस सप्ताह बहुत ज्यादा काम है और बहुत से मामले सूचीबद्ध हैं। शीर्ष अदालत ने तारीख 20 मई से बदलने पर अनिच्छा जताई थी, लेकिन सोरेन की ओर से पेश हुए सिब्बल और वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणाभ चौधरी के अनुरोध पर सुनवाई की तारीख को बदलकर 17 मई कर दिया गया था।

ब्राज़ील में डेंगू के रिकॉर्ड 50 लाख से ज्यादा मामले

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। ब्राजील में इस वर्ष अब तक डेंगू के रिकॉर्ड 50 लाख से अधिक मामले सामने आ चुके हैं और इस बीमारी से लगभग 3,000 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जाकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। सबसे हालिया आंकड़ों के अनुसार, देश में डेंगू के 51,45,295 संभावित मामले दर्ज किए गए हैं और 2,899 मौतों की पुष्टि हुई है। इस वर्ष, ब्राजील अपने इतिहास में सबसे बड़े डेंगू के प्रकोप का सामना कर रहा है और इसका प्रकोप कुछ पड़ोसी देशों में भी फैल रहा है। मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष डेंगू के मामलों में वृद्धि के मुख्य कारकों में जलवायु परिवर्तन और डेंगू वायरस के कई सीरोटाइप का प्रसार शामिल है।

डीआर कांगो में अंतर-सांप्रदायिक झड़पों में दर्जनों लोगों की मौतः संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय एजेंसी ने कहा कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में जमीन को लेकर अंतर-सांप्रदायिक झड़पों में इस महीने में अब तक दर्जनों लोग मारे जा चुके हैं।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने मंगलवार को कहा कि सहायताकर्मी पूर्वोत्तर प्रांत शोपो में घातक झड़पों में घायल और विस्थापित लोगों की मदद कर रहे हैं। ओसीएचए के अनुसार, फरवरी 2023 से अबतक त्शोपो की राजधानी किसानगनी में झड़पों में 740 नागरिक मारे गए हैं और 75,000 लोग विस्थापित हुए हैं।कार्यालय ने कहा कि ओसीएचए के नेतृत्व वाली मूल्यांकन टीम ने पाया कि विस्थापित लोगों के लिए भोजन, आश्रय और स्वास्थ्य देखभाल की सबसे अधिक आवश्यकता है। मानवीय एजेंसी ने सभी लोगों से हिंसा समाप्त करने, नागरिकों की रक्षा करने और देश में संघर्ष का स्थायी समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

दक्षिण ब्राजील में कठिन मौसम से मरने वालों की संख्या बढ़कर 161 हुई

साओ पाउलो। दक्षिण ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में पिछले कुछ घंटों में चार और शव प्राप्त होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 161 हो गई है। यह जानकारी नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने मंगलवार को दी। 29 अप्रैल से रिकॉर्ड बारिश ने राज्य को तबाह कर दिया है, जिससे 464 शहरों में घातक बाढ़ और जमीन धंसने की घटनाएं हुई हैं और राजधानी पोर्टो एलेग्रे सहित शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में 22 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। पोर्टो एलेग्रे का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया गया है, इसलिए संघीय सरकार ने वाणिज्यिक उड़ानों के लिए उपयोग किए जाने वाले कैनोस वायु सेना के हवाई अड्डे को अधिकृत किया है। एजेंसी ने कहा कि आने वाले दिनों में मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि 85 लोग लापता हैं और 806 घायल हुए हैं। सुरक्षा बलों और बचावकर्मियों ने अर्जेंटीना और उरुग्वे की सीमा से लगे एक कृषि महाशक्ति और ब्राज़ील के सबसे दक्षिणी राज्य में लगभग 82,666 जीवित बचे लोगों को बचाया है।

चीन में कोयला खदान में कार्बन डाई ऑक्साइड रिसाव से पांच लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के पूर्वोत्तर प्रांत हेइलोंगजियांग में एक कोयला खदान में तरल कार्बन डाई ऑक्साइट के रिसाव के कारण पांच लोगों की मौत हो गई। चाइना सेंट्रल टीवी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से बताया कि यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 08:38 बजे हेगांग शहर के जिंगआन कोयला खदान में हुई, जिसमें नौ लोग फंस गए। बचावकर्मियों ने इनमें से चार लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह दुर्घटना तरल कार्बन डाइऑक्साइड के रिसाव के कारण हुई थी। घटना की विस्तृत जांच जारी है।

निज्जर की हत्या के आरोपी तीन भारतीय कनाडाई अदालत में पेश

एजेंसी

ओटावा। खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोपी तीन भारतीय नागरिकों को पहली बार कनाडा की एक अदालत में पेश किया गया। न्यायाधीश ने उन्हें समुदाय के लोगों से संपर्क नहीं रखने का आदेश दिया। समाचार पत्र 'वैंकूवर सन' की एक खबर के अनुसार करण बराड़ (22), कमलप्रीत सिंह (22) और करणप्रीत सिंह (28) सरे में ब्रिटिश कोलंबिया प्रांतीय न्यायालय में प्रत्यक्ष रूप से पेश हुए। वहीं अमनदीप सिंह (22) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालती कार्यवाही में पेश हुआ। खबर के अनुसार ब्रिटिश कोलंबिया के न्यायाधीश ने इन चारों को अदालत में इस पेशी के दौरान समुदाय के लोगों से संपर्क नहीं रखने का आदेश दिया। अदालत में पेशी के दौरान आरोपियों ने जेल की पोशाक पहनी हुई थी। चौथा आरोपी अमनदीप हथियार से जुड़े एक अन्य मामले में

ओंटारियो में हिरासत में है। करण बराड़ के वकील रिचर्ड फॉलर ने 'वैंकूवर सन' से कहा, ''इस मामले से समुदाय को इतना सरोकार क्यों है यह पृष्ठभूमि को देखते हुए पूरी तरह से समझ में आता है। इसे देखकर मुझे लगता है कि जिन लोगों को अपराध के लिए आरोपित किया गया है उनकी निष्पक्ष सुनवाई हो..।'' सैकड़ों स्थानीय सिख खालिस्तान के झंडे और पोस्टर लेकर अदालत में पहुंचे। खालिस्तानी अलगाववादी निज्जर (45) की 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारे के बाहर हत्या कर दी गई थी।

डीआर कांगो में तख्तापलट की नाकाम कोशिश के बाद होगा संसदीय नेतृत्व का चुनाव

एजेंसी

किंशासा। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में एक असफल लेकिन घातक तख्तापलट की कोशिश के दो दिन बाद, देश की संसद के निचले सदन - नेशनल असेंबली में नेतृत्व के लिए स्थगित चुनाव बुधवार को होगा।

दिसंबर 2023 में हुए आम चुनावों में, डीआरसी के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसेकेदी को दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया, क्योंकि त्सेसेकेदी के यूनियन ऑफ डेमोक्रेसी एंड सोशल प्रोग्रेस और उसके सहयोगी गठबंधन सेक्रेड यूनियन ऑफ द नेशन ने 500 सीटों वाली नेशनल असेंबली में अधिकांश सीटें जीतीं थी। हालांकि, राष्ट्रपति, पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे उपराष्ट्रपति सहित पदों से बने नेतृत्व ब्यूरो की कमी के कारण नेशनल असेंबली पंगु बनी हुई है।

उपप्रधान मंत्री वाइटल कामरे, जिनके आवास पर रविवार तड़के तख्तापलट के प्रयास में पुटचिस्टों के एक समूह ने छापा मारा था, रक्षा बलों

द्वारा असफल कर दिया गया, राष्ट्रपति के लिए अकेले उम्मीदवार थे। श्री त्सेसेकेदी द्वारा संसदीय गठबंधन के 406 उप-निर्वाचितों के साथ चुनावी मुद्दों पर चर्चा के बाद 18 मई को होने वाला चुनाव स्थगित कर दिया गया था और श्री त्सेसेकेदी ने धमकी दी कि अगर कदाचार जारी रहा तो नेशनल असेंबली को भंग कर दिया जाएगा।

जनवरी में दूसरे कार्यकाल के लिए श्री त्सेसेकेदी के शपथ लेने के चार महीने बाद, मध्य अफ्रीकी राष्ट्र अभी भी एक नई सरकार बनाने में विफल रहा है। श्री त्सेसेकेदी ने अप्रैल की शुरुआत में जूडिथ सुमिनवा तुलुका को नए प्रधानमंत्री के रूप में नामित किया, जिन्हें पुटचिस्टों द्वारा भी निशाना बनाया गया था, लेकिन हमले को निरस्त कर दिया गया क्योंकि वे उनके निवास की पहचान नहीं कर सके। डीआरसी संविधान के अनुसार, नेशनल असेंबली द्वारा सुश्री तुलुका के राष्ट्रीय कार्यक्रम को पूर्ण बहुमत से मंजूरी प्रदान किए जाने के बाद नयी सरकार कार्यभार संभाल सकती है।

आईएस से जुड़े अपने चार नागरिकों की श्रीलंका ने शुरू की जांच, भारत में किया गया था गिरफ्तार

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट से संबंध रखने वाले अपने चार नागरिकों के बारे में सूचना हासिल करने के लिए एक जांच शुरू की है। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। इन लोगों को भारत में गिरफ्तार किया गया था, जब वे आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के एक कथित मिशन पर थे।

गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) ने एक गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को चार श्रीलंकाई नागरिकों को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे से हिरासत में लिया था। वे कोलंबो से चेन्नई पहुंचे थे। इन लोगों ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के इशारे पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भारत की यात्रा की थी। वे आईएस के सदस्य हैं और उन्हें पाकिस्तान में रह

रहे श्रीलंका के एक व्यक्ति ने कट्टरपंथी बनाया था।

'डेली मिरर' अखबार की खबर के अनुसार, श्रीलंका की खुफिया एजेंसी ने अपने भारतीय समकक्ष से और सूचना उपलब्ध कराने को कहा है ताकि संदिग्धों की पृष्ठभूमि सत्यापित और आईएस के साथ उनके संबंधों की जांच की जा सके। अखबार ने सूत्रों के हवाले से कहा कि श्रीलंका के अधिकारी सूचना मिलने पर आगे की कार्रवाई के लिए तुरंत जांच करेंगे। जन सुरक्षा मंत्री तिरान एलेस और पुलिस महानिरीक्षक देशबंधु तेनाकून ने कहा कि वे इन खबरों को गंभीरता से ले रहे हैं और घटनाक्रम की करीबी निगरानी कर रहे हैं।

गुजरात के पुलिस महानिदेशक विकास सहाय के अनुसार, आरोपी मोहम्मद नुसरत (35), मोहम्मद फारूक (35), मोहम्मद नाफरान (27) और मोहम्मद रासदीन (43) ने जांचकर्ताओं को बताया कि वे पूर्व में प्रतिबंधित संगठन नेशनल तौवीथ जमात से संबद्ध थे और पाकिस्तानी आका अबू बकर अल बगदादी के संपर्क में आने के बाद आईएस में शामिल हुए।

तेहरान में लोगों ने दिवंगत राष्ट्रपति को अंतिम विदाई दी

एजेंसी

तेहरान। ईरान की राजधानी तेहरान में लोग मंगलवार को बड़ी संख्या में दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, दिवंगत विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन और अन्य लोगों के लिए आयोजित विदाई समारोह में शामिल हुए, जब उनके शवों को उत्तर-पश्चिमी शहर तबरेज़ से राजधानी स्थानांतरित किया गया। यह समारोह इमाम खुमैनी के मोसल्ला में हुआ। इससे पहले दिन में, उत्तर-पश्चिमी शहर तबरेज़ और मध्य प्रांत कोम में इसी तरह के समारोह आयोजित किए गए, जहां लोगों ने दिवंगतों को अपनी विदाई दी। राष्ट्रपति रईसी और उनके दल के लिए अंतिम संस्कार और स्मरणोत्सव समारोह बुधवार को तेहरान में आयोजित किया जाएगा। दिवंगत राष्ट्रपति के पार्थिव शरीर को इमाम रजा के पवित्र स्थल में दफनाया जाएगा। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने रईसी, अमीर-अब्दुल्लाहियान, पूर्वी अजरबैजान के गवर्नर मालेक रहमती, वरिष्ठ शिया धर्मगुरु मोहम्मद-अली अल-हसीम और अन्य की मौत की पुष्टि की।

अमेरिकी बाल रोग विशेषज्ञों का दावा, एचआईवी पीड़ित महिलाएं करा सकती हैं स्तनपान

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के बाल रोग विशेषज्ञों के समूह ने आमूल-चूल नीतिगत बदलाव करते हुए कहा कि एचआईवी से संक्रमित महिलाएं अपने बच्चों को स्तनपान करा सकती हैं। बशर्ते उनके द्वारा ली जा रही दवा से एड्स का कारण बनने वाला विषाणु निष्प्रभावी हो गया है। अमेरिकी बाल रोग विशेषज्ञ अकादमी ने नयी रिपोर्ट में 1980 के दशक में एचआईवी महामारी के दौरान की गई अनुशंसा को बदल दिया है।

कोलोरोडो विश्वविद्यालय में बाल एचआईवी विशेषज्ञ और शोधपत्र की प्रमुख लेखिका डॉ.लीजा अबुओगी ने कहा कि यह स्वीकार किया गया है कि नियमित रूप से ली जाने वाली दवा स्तनपान के जरिये एचआईवी संक्रमण के प्रसार के खतरे को एक प्रतिशत से भी कम कर देती है। अबुओगी ने कहा, ''अब दवाएं इतनी अच्छी हैं, जच्चा एवं बच्चे के लिए इतनी लाभदायक हैं कि हम उस अवस्था में हैं जहां साझा निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि एंटीरिट्रोवायरल थेरेपी के तौर पर जानी जाने वाली दवा स्तनपान के जरिये एचआईवी के प्रसारित होने के खतरे को पूरी तरह से खत्म नहीं करती और स्तनपान कराने से रोकना केवल वायरस का प्रसार होने से रोकने के अन्य तरीकों में से एक है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही अभिभावक को बच्चे को शुरुआती छह महीने तक केवल स्तनपान ही कराना चाहिए क्योंकि अनुसंधान इंगित करते हैं कि स्तनपान और बाहरी दूध अदल-बदल कर पिलाने से बच्चे की पाचन क्रिया प्रभावित होती है और एचआईवी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

अबुओगी ने कहा कि अमेरिका में हर साल करीब पांच हजार एचआईवी संक्रमित महिलाएं बच्चे को जन्म देती हैं। इनमें से करीब सभी वायरस को निष्प्रभावी बनाने के लिए दवाएं लेती हैं। हालांकि, दवा रोकने की स्थिति में वायरस फिर से प्रभावी हो सकता है। एलिजाबेथ ग्लेसर पैड्रियाटिक एड्स फाउंडेशन में सलाहकार लिन मेफेनसन ने कहा कि एचआईवी की दवा से पहले करीब 30 प्रतिशत संक्रमण मां से उसके बच्चे को स्तनपान के जरिये होता था। उन्होंने बताया कि 1990 के दशक के शुरुआत में करीब दो हजार बच्चे मां से स्तनपान के जरिये संक्रमित होते थे और आज यह संख्या घटकर 30 प्रतिशत से कम रह गई है।

सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार की महत्ता पर भारत, अन्य देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं : अमेरिका

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि देश के राष्ट्रपति जो बाइडेन का प्रशासन सभी की धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करने एवं उसके लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है और वह सभी धार्मिक समुदायों के सदस्यों के साथ समान व्यवहार की महत्ता को लेकर भारत समेत कई देशों के साथ बातचीत कर रहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने सोमवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम सभी धार्मिक समुदायों के सदस्यों के साथ समान व्यवहार की महत्ता पर भारत समेत कई देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं।'' 'न्यूयॉर्क टाइम्स' में हाल में प्रकाशित 'स्ट्रेंजर्स इन देयर ओन लैंड- बीइंग मुस्लिम इन मोदीज इंडिया' (अपने ही देश में अजनबी- मोदी के भारत में मुस्लिम होना) शीर्षक वाले एक लेख में आरोप लगाया गया है कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम समुदाय भय और अनिश्चितता के माहौल में अपने परिवारों और बच्चों का पालन-पोषण कर रहा है। मिलर इसी से जुड़े सवाल का जवाब दे रहे थे। मिलर से पूछा

गया, ''क्या आपने इस मामले पर भारतीय अधिकारियों से बातचीत की है।'' इसके जवाब में मिलर ने कहा, ''मैं निजी राजनयिक बातचीत के बारे में बात नहीं करूंगा लेकिन हम पूरी दुनिया में किसी भी धर्म या आस्था को मानने की स्वतंत्रता के अधिकार के सम्मान की रक्षा करने एवं उसे बढ़ावा देने के लिए गहनता से प्रतिबद्ध हैं।'' सप्ताहांत में प्रकाशित लेख में आरोप लगाया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पद संभालने के बाद से ''धर्मनिरपेक्ष ढांचे और मजबूत लोकतंत्र को कमजोर कर दिया है।''भारत पहले भी इस प्रकार के आरोपों को खारिज करता रहा है। उसका कहना है कि ये आरोप देश के बारे में ''गलत सूचना एवं त्रुटिपूर्ण समझ'' पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उन्होंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ कभी एक शब्द भी नहीं कहा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केवल आज ही नहीं, बल्कि कभी भी अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं रही। प्रधानमंत्री ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह किसी को भी ''खास नागरिक'' (स्पेशल सिटीजन) के तौर पर स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। मोदी ने रविवार रात 'पीटीआई वीडियो' के साथ साक्षात्कार में ये बातें कहीं। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री के चुनावी भाषण समाज को बांटने वाले और ध्रुवीकरण करने वाले हैं। इन आरोपों के बीच मोदी की यह टिप्पणी अल्पसंख्यकों को लेकर उनका अब तक का सबसे स्पष्ट बयान है।

अमेरिका ने बांग्लादेश के पूर्व सेना प्रमुख जनरल अजीज अहमद पर लगाए प्रतिबंध

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने बांग्लादेश सेना के पूर्व प्रमुख अजीज अहमद पर भ्रष्टाचार में कथित संलिप्तता के कारण प्रतिबंध लगाते हुए कहा कि उनके कदमों ने बांग्लादेशी लोकतांत्रिक एवं सार्वजनिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं में लोगों के भरोसे को कमजोर किया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, ''अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश सेना के पूर्व प्रमुख अजीज अहमद पर बड़े भ्रष्टाचार में संलिप्तता के कारण प्रतिबंध लगाने की आज सार्वजनिक रूप से घोषणा की।'' मिलर ने कहा, ''उनके (अहमद के) कदमों ने बांग्लादेश के लोकतांत्रिक एवं सार्वजनिक संस्थानों और प्रक्रियाओं में जनता के विश्वास को कम करने में योगदान दिया है।'' उन्होंने कहा कि अजीज अहमद ने बांग्लादेश में आपराधिक गतिविधियों के लिए जवाबदेही से बचने में अपने भाई की मदद करने के लिए सार्वजनिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करके बड़ा भ्रष्टाचार किया। मिलर ने कहा कि अजीज ने अपने भाई के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम किया कि सैन्य अनुबंध अनुचित तरीके से दिए जाएं और वे अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए सरकारी नियुक्तियों के बदले में रिश्वत ले सकें।

उन्होंने कहा, ''यह प्रतिबंध बांग्लादेश में लोकतांत्रिक संस्थानों एवं कानून के शासन को मजबूत करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। अमेरिका सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं किफायती बनाने, व्यापार एवं नियामक संबंधी माहौल में सुधार करने और

धनशोधन एवं अन्य वित्तीय अपराधों की जांच करने एवं उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए क्षमता निर्माण में सहायता करके बांग्लादेश में भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों का समर्थन करता है।''

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने रूस समर्थित प्रस्ताव को खारिज किया

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। अंतरिक्ष में हथियार भेजने की होड़ पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने वाला रूस का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र (संरा) सुरक्षा परिषद ने खारिज कर दिया। सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव पर बहस के दौरान अमेरिका ने कहा कि रूस ने पिछले सप्ताह एक उपग्रह प्रक्षेपित किया था जो अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती का हिस्सा हो सकता है। सुरक्षा परिषद के सदस्य देश भविष्य में संभावित इस वैश्विक चलन की निंदा कर रहे हैं लेकिन इसके खिलाफ कदम उठाने में विफल साबित हुए हैं। पिछले महीने रूस के प्रतिद्वंदी देश अमेरिका और जापान ने सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव रखा था जो खारिज हो गया था। अमेरिका और जापान द्वारा रखे प्रस्ताव में अलग-अलग प्रकार के हथियारों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो भारी तबाही का कारण बन सकते हैं। वहीं

रूस के प्रस्ताव में सभी प्रकार के हथियारों पर चर्चा की गयी। अमेरिका और उसके सहयोगियों का कहना है कि 15 सदस्यीय परिषद में जिस प्रस्ताव पर चर्चा हुई उसका मकसद सिर्फ और सिर्फ रूस की अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती की वास्तविक मंशा से विश्व का ध्यान भटकाना है।

अमेरिकी उपराजदूत रॉबर्ट वुड ने परिषद को बताया, आज हमारे सामने रखा गया प्रस्ताव और कुछ नहीं बल्कि रूस की ध्यान भटकाने की पराकाष्ठा है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने इस तथ्य को खारिज किया कि उनका देश दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव पर मतदान हमारे पश्चिमी सहयोगियों के लिए सच सामने लाने वाला एक महत्वपूर्ण क्षण है। चीन और अन्य देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था।

नेबेंजिया ने कहा, अगर वे इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं करते हैं तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि उनका मुख्य मकसद खुद को बाहरी अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती के संबंध में आजाद रखने का है। हर राष्ट्र कहता है कि वे हथियारों को अंतरिक्ष से दूर रखना चाहते हैं और परिषद के सदस्य देशों ने भी इसे दोहराया है। लेकिन जब बात मतदान की आती है तो परिषद रूस और अमेरिका के प्रस्तावों पर दो भागों में बंट गया और स्विट्जरलैंड मतदान प्रक्रिया से नदारद रहा। यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के नियमों के तहत गिर गया क्योंकि उसे जरूरी नौ मत नहीं प्राप्त हुए।

सिंगापुर विमान में गंभीर झटकों के कारण एक व्यक्ति की मौत

सिंगापुर। सिंगापुर एयरलाइंस के लंदन (हीथ्रो) से सिंगापुर जा रहे एक विमान में गंभीर झटकों के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गयी एवं कई अन्य घायल हो गए। सिंगापुर एयरलाइंस ने एक बयान में कहा कि विमान एसक्यू321 ने गत 20 मई को लंदन से उड़ान भरी थी को रास्ते में गंभीर झटकों का सामना करना पड़ा और उसे बैंकॉक की ओर मोड़ दिया गया

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

डिजिटल विभाजन पाटने के लिए मिलकर काम कर रहे भारत-अमेरिका

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि भारत और अमेरिका पश्चिम एवं ग्लोबल साउथ के बीच डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और दोनों देश कृत्रिम मेधा (एआई) के ''जिम्मेदाराना एवं सुरक्षित'' उपयोग के खाके को आकार देने में मदद कर रहे हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में 'व्हाइट हाउस' की अधिकारी रहीं लीसा कर्टिस ने 'मोटवानी जड़ेजा भारत-अमेरिका वार्ता श्रृंखला' के तहत रणनीतिक तालमेलः भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी सहयोग'' विषय पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि दोनों देश साइबर सुरक्षा और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के मामले में सहयोग कर रहे हैं।

कर्टिस ने कहा, ''हम पश्चिम एंव ग्लोबल साउथ के बीच डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।'' उन्होंने 'हडसन इंस्टीट्यूट' थिंक-टैंक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''मुझे लगता है कि पिछले साल विशेष रूप से डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर जी20 में भारत के नेतृत्व ने दिखाया कि वह इस प्रयास में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा, हम एक साथ मिलकर एआई के जिम्मेदाराना और सुरक्षित उपयोग के खाके को आकार देने में मदद कर रहे हैं। कर्टिस ने कहा, ''ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे दोनों देशों के साझा प्रौद्योगिकी मूल्य हैं जो नवाचार की संस्कृति पर जोर देते हैं। ये ऐसे भी नियम हैं जो मानव जीवन एवं मानव गरिमा और प्रगति को हमारे एआई अनुसंधान और विकास के केंद्र में रखते हैं।

उन्होंने साथ ही कहा कि यह कल्पना करना कठिन है कि रूस एवं भारत के करीबी रक्षा संबंध भविष्य में अमेरिका एवं भारत के रक्षा संबंधों को प्रभावित नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि भारत को भरोसा है कि वह रूस एवं अमेरिका के साथ अपने संबंधों को अलग-अलग रख सकता है और ऐसा 'फायरवॉल' लगा सकता है जो अमेरिकी प्रौद्योगिकी की सुरक्षा कर सकेगा।

कर्टिस ने कहा, ''लेकिन मुझे लगता है कि भारत अब भी रूसी मंचों पर बहुत अधिक निर्भर है तो ऐसे में अमेरिका अपने सुरक्षित नेटवर्क को भारतीय मंचों से जोड़ने और संवेदनशील रक्षा जानकारी साझा करने को लेकर सतर्क और अनिच्छुक रहेगा। 'अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच' के विक्रम सिंह ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच आधिकारिक स्तर पर बहुत गहरे संबंध हैं और 90 के दशक के अंत में भारतीय परमाणु परीक्षण के बाद संबंधों के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के बाद अब रिश्ते में सुधार हो रहा है। अमेरिका में भारत की उप राजदूत श्रीप्रिया रंगनाथन ने कहा कि भारत और अमेरिका के रणनीतिक उद्देश्यों और साझा मूल्यों के मद्देनजर दोनों देश स्वाभाविक भागीदार हैं।

संबित के हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने के लिए माफी मांगे मोदीः कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। भगवान जगन्नाथ को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा की जुबान से निकले शब्द पर सियासत गहरा गई है और कांग्रेस ने इसे भगवान जगन्नाथ के भक्तों की भावनाओं से खिलवाड़ करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसके लिए देश से माफी मांगने को कहा है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में श्री पात्रा के बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पुरी से पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार संबित पात्रा ने महाप्रभु भगवान जगन्नाथ को श्री मोदी का भक्त बताया है। इस बयान की जितना निंदा की जाए कम है। इस बयान का विरोध होने लगा तो श्री पात्रा उपवास कर झूठी माफी मांगने की बात कर रहे हैं।

यवसायियों के लिये सरकार से सामाजिक सुरक्षा कोष बनाने का सुझाव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं ग्लोबल वैश्य फेडरेशन के अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने करदाता व्यवसायियों के लिये सामाजिक सुरक्षा की मांग करते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र भेजा है। श्री गोयल ने यहां व्यापारियों और चार्टर्ड एकाउंटेंट, डॉक्टर, वकील, वास्तुकार आदि के साथ बैठक में व्यापारी समुदाय के लिये सामाजिक सुरक्षा के विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की। उन्होंने छोटे मझोले करदाता व्यवसायियों के लिये सामाजिक सुरक्षा योजना बनाने की का सुझाव दिया ।

सांस्कृतिक विरासत में निहित होती है राष्ट्र की ताकतः भट्ट

नई दिल्ली। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा है कि राष्ट्र की सुरक्षा की शक्ति केवल उसके सैन्य पराक्रम में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत को शक्ति के स्रोत के रूप में उपयोग करने की उसकी क्षमता में भी निहित होती है। रक्षा मंत्रालय ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि 'प्रोजेक्ट उद्भव' के हिस्से के रूप में आज यहां राष्ट्रीय संग्रहालय में 'भारतीय सामरिक संस्कृति के ऐतिहासिक पैटर्न' पर एक सेमीनार एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 'प्राचीन काल से स्वतंत्रता तक भारतीय सैन्य प्रणालियों के विकास, युद्ध और सामरिक विचारों का विकास' विषय पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा 'उद्भव संकलन' और 'आल्हा उदल - बैलाड रेंडिशन ऑफ वेस्टर्न उत्तर प्रदेश' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

नोएडा जिला अस्पताल में लगी भीषण आग, धुआं देख मरीजों में मची अफरा-तफरी

एजेंसी

नोएडा। बुधवार सुबह करीब 4:00 बजे नोएडा के सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल के बेसमेंट में स्थापित सर्वर रूम में आग लग गई। आग की सूचना पाकर मौके पर दमकल विभाग की आठ गाड़ियां पहुंची। दमकल विभाग और जिला अस्पताल के कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया। आग का जहरीला धुआं पहली मंजिल तक फैल गया था। वहां भर्ती मरीजों को सकुशल बाहर निकला गया। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि बुधवार सुबह 4 बजे के करीब दमकल विभाग को सूचना मिली कि जिला अस्पताल के बेसमेंट में रखे यूपीएस में आग लग गई है। आग की सूचना पर मौके पर दमकल विभाग की आठ गाड़ियां पहुंची। जिला अस्पताल के कर्मचारियों और फायर ब्रिगेड ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। यूपीएस में आग लगने के चलते बैट्री से जहरीला धुआं निकला और पहली मंजिल तक पहुंच गया। डॉक्टर और अस्पताल के अन्य कर्मचारियों ने वहां भर्ती मरीजों को सकुशल बाहर निकाल लिया। जांच में पता चला है कि 25 दिन पहले यूपीएस की बैट्री बदली गई थी। इस घटना में कोई जनहानि नहीं है।

गाजियाबाद में युवक की गला काटकर हत्या

गाजियाबाद । गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में घर में घुसकर एक युवक की गला काटकर हत्या कर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि युवक एसी मिस्त्री था। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही इस घटना का खुलासा किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक सुबह डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि नेहरू गार्डन चौकी क्षेत्र के सरस्वती विहार में एक घर के अंदर युवक की लाश पड़ी हुई है। इस सूचना पर तत्काल थाना खोड़ा पुलिस पहुंची। कमरे में खून बिखरा हुआ था और एक युवक मृत अवस्था में पड़ा था। उसकी पहचान मूलरूप से राजस्थान निवासी जसवीर के रूप में हुई। युवक की गला काटकर हत्या की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 370 के फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिकाएं खारिज की

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू एवं कश्मीर को प्राप्त विशेष दर्जे को रद्द करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार की मांग करने वाली याचिकाएं खारिज कर दीं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने यह कहते हुए समीक्षा याचिकाएं खारिज कर दीं कि 11 दिसंबर, 2023 को दिए गए फैसले में कोई स्पष्ट त्रुटि नहीं है।

पीठ ने कहा, '11 दिसंबर, 2023 को पारित हमारे फैसले की समीक्षा करने के बाद, हमें सुप्रीम कोर्ट के नियम 2013 के आदेश एक्सएल सात, नियम 1 के तहत समीक्षा के लिए कोई मामला नहीं मिला।' पीठ ने राष्ट्रपति के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीन लिया था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया था कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाएगा। अदालत ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम की संवैधानिकता पर फैसला देने से परहेज किया और जम्मू-कश्मीर की विधान सभा के चुनाव कराने के लिए 30 सितंबर, 2024 की समय सीमा तय की।

पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की दिलाई शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 400 से अधिक सीटें जीतने के विश्वास के साथ मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दक्षिण दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार रामवीर सिंह बिधूड़ी को भारी मतों से विजयी बनाने की यहां लोगों से अपील की। श्री चौहान ने ईस्ट आफ? कैलाश में आयोजित एक 'जन संवाद' को संबोधित करते हुए श्री मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री और श्री बिधूड़ी के पक्ष में भारी मतदान करने के लिए कार्यक्रम में मौजूद सैंकड़ों लोगों को शपथ दिलाई।

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री चौहान ने कहा कि श्री मोदी ने अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में यह साबित कर दिया है कि उनसे (श्री मोदी) बेहतर देश का कोई नेता नेतृत्व नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला 'इंडिया समूह' किसी भी स्तर पर देश को नेतृत्व देने की क्षमता नहीं रखता। उसके घटक दल अलग-अलग राग अलाप रहे हैं। देश को मजबूत बनाने और आगे बढ़ाने के लिए उनके पास कोई विजन नहीं है।? भाजपा दक्षिण दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के संस्कृत विभाग के सह-संयोजक और 'जन संवाद' कार्यक्रम के संयोजक कपिल गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष गजेन्द्र यादव, जाने-माने लेखक और मोटीवेटर शिव खेड़ा समेत बड़ी संख्या में क्षेत्र के जाने ने वाले लोग मौजूद थे।

पश्चिमी दिल्ली में भजनलाल के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में आयोजित रोड शो में जन सैलाब उमड़ पड़ा।

श्री शर्मा लोकसभा चुनाव प्रचार के तहत पश्चिमी दिल्ली सीट पर लोकसभा प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के समर्थन में नानाखेड़ी चौक गांव में रोड शो किया। इस दौरान श्री शर्मा का बड़ी संख्या में घरों के बाहर मौजूद आमजन ने विभिन्न जगहों पर फूलों की बारिश एवं आतिशबाजी कर स्वागत किया एवं श्री शर्मा ने भी आमजन का अभिवादन स्वीकार किया। रोड शो में मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर भाजपा कार्यकर्ता भी जोश से भर आए। उन्होंने दक्षिणी दिल्ली सीट पर लोकसभा प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी के समर्थन में संजय कॉलोनी, भाटी माइन्स छत्तरपुर में जनसभा को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भगवान श्री राम मंदिर में पूजा अर्चना की एवं भगवान परशुराम की मूर्ति पर भी पुष्प अर्पित किए। रोड शो एवं जनसभा में मुख्यमंत्री ने प्रत्याशियों को अधिक से अधिक मतों से जिताने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस चुनाव में एक तरफ वह लोग हैं जिन्होंने परिवारवाद, तुष्टिकरण एवं भ्रष्टाचार के जरिए देश को डूबाया। उन्होंने दूसरी तरफ वह लोग हैं जो देश को विकास के जरिए आगे बढ़ा रहे हैं। गरीब कल्याण की योजनाएं चला रहे हैं। 2014 के बाद यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में बड़ा परिवर्तन आया है, जिसे आमजन ने देखा एवं महसूस किया है। आज विश्व में भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था पांचवें स्थान पर है और जल्द तीसरे स्थान पर आयेगी।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। दिल्ली में उनके शासन में नकली दवाई घोटाला, क्लास रूम घोटाला, यमुना सफाई के नाम पर घोटाला हुआ है और ऐसे ही अनेक अन्य घोटालों की लंबी सूची है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने अपने लिए शीशमहल बनाया है।

श्री शर्मा ने कहा कि देश में सबसे लंबा शासन करने वाली कांग्रेस ने सिर्फ आतंकवाद और नक्सलवाद दिया। इनके शासन में किसान और गरीब आत्महत्या करने पर मजबूर हुए।

इस दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, पूर्व सांसद रामकुमार वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता मौजूद थे।

महिला सशक्तिकरण के लिए योग अभ्यास का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने राष्ट्रीय राजधानी में 'महिला सशक्तिकरण के योग' का आयोजन किया जिसमें कई जानी-मानी हस्तियां ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 2024 के 10वें संस्करण के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें का विषय 'महिला सशक्तिकरण के लिए योग' था। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता बहन बीके शिवानी ने कहा कि आज के युवाओं को मानवता की भलाई के लिए बदलाव लाने के लिए दृढ़ता और योग के महत्व को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी के समग्र विकास के लिए महिला सशक्तिकरण महत्वपूर्ण है एआईआईए निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) तनुजा नेसारी ने सभी से महिला सशक्तिकरण, मार्गदर्शन और हमारे मन, आत्मा और आत्माओं को मजबूत करने के लिए इस योग दिवस को मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद और योग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव भावना सक्सेना ने कहा कि महिला सशक्तिकरण एक समग्र अवधारणा है। जिसमें आर्थिक के साथ-साथ आध्यात्मिक सशक्तिकरण भी शामिल है।

इंडिया समूह की सरकार बनने के बाद भाजपा के नेता जेल जाएंगे: आतिशी

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने कहा कि चार जून के बाद जब इंडिया समूह की सरकार बनेगी तो इलेक्टोरल बॉन्ड की जांच होगी जिसमें न सिर्फ भाजपा के नेता जेल में जाएंगे बल्कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), आयकर विभाग (इनकम टैक्स विभाग) के अफसर भी जेल जाएंगे।

कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि आज दिल्ली उच्च न्यायालय ने मनीष सिसोदिया की जमानत की गई तो ईडी-सीबीआई के माध्यम से इस षड़यंत्र को रचा गया। यह पूरी तरह एक राजनैतिक षड़यंत्र है।

उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के इतिहास में आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ बयान नहीं दे देते हैं, तब तक उनको मारा-पीटा जाता है। सुश्री आतिशी ने कहा कि पीएमएलए एक ऐसा कानून है, जिसमें जमानत मिलना लगभग असंभव है और इसीलिए भाजपा पीएमएलए और ईडी को एक राजनैतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है,

मनीष सिसोदिया को फिर लगा झटका, दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया को फिर झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी के नेता की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। हाई कोर्ट ने 14 मई को सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पूर्व राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 31 मई तक बढ़ा दी थी। सिसोदिया जमानत के लिए दिल्ली हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक याचिका लगा चुके हैं, लेकिन हर बार उनकी याचिका खारिज हो गई। मार्च 2024 में सिसोदिया ने ट्रायल कोर्ट में दोबारा जमानत अर्जी लगाई है, जिस पर सुनवाई बाकी है।

15 महीने से तिहाड़ में बंद हैं सिसोदिया : सिसोदिया करीब 15 महीने से तिहाड़ में बंद हैं। उन्हें CBI ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। वहीं, ED ने 9 मार्च 2023 को CBI की FIR से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। 28 फरवरी 2023 को सिसोदिया ने दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था।

आप ने बताया राजनीतिक साजिश : आबकारी मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाएं खारिज होने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के इस फैसले से ''ससम्मान असहमति'' व्यक्त करती है तथा वह दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री के लिए ''इंसाफ'' की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय जाएगी। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आबकारी नीति मामला भाजपा की ''राजनीतिक साजिश'' है। उन्होंने कहा कि हम हाईकोर्ट का सम्मान करते हैं लेकिन हम उसके निर्णय से ससम्मान असहमत हैं। यह कथित शराब घोटाला भाजपा द्वारा रची गयी राजनीतिक साजिश है। यह आप पर हमला करने एवं पार्टी को कुचल देने की राजनीतिक साजिश है।'' आतिशी ने आरोप लगाया कि जब भाजपा दिल्ली और पंजाब में चुनावी रण में आप को पराजित नहीं कर सकी तब यह साजिश रची गई।

NAME CHANGE
I, SONIYA KAUR W/O JASBIR SINGH residing at 100-D LIG DDA FLATS MOTIA KHAN PAHAR GANJ DELHI-110055 have changed my name to SONIA for all future purposes

NAME CHANGE
I, ZULFIQAR AHMED S/O MOHAMMAD ASLAM residing at B-40 GALI NO-3 KANTINAGAR EXTN KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to ZULFIKAR AHMAD for all future purposes

NAME CHANGE
I, ARCHANA KUMARI W/O MANI BHUSHAN KUMAR residing at H NO-29, 2ND FLOOR, SURYA NAGAR, SECTOR-91, FARIDABAD, HARYANA-121013 have changed my name to ARCHANA DEVI for all future purposes

NAME CHANGE
I Sultan Ahmed S/o Anwar Ahmed Residing at House No-Ac 328/523, Gali No-3/4, Chouhan Bangar, New Delhi 110053 Have Changed My Name to Sultan Ahmad for All Future Purpose.

NAME CHANGE
I, Sandeep Singh Bhatia S/o-Manjit Singh Bhatia R/o 52/73 1st Floor, Prabhat Road,Ramjas Road, Karol Bagh Delhi -110005 have changed my minor daughter name from Sachleen Kaur to Sachleen Kaur Bhatia for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHAHNWAZ AKHTAR S/O ZULFIKAR AHMAD residing at B-40 GALI NO-3 KANTINAGAR EXTN KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to SHAHNAWAZ AKHTAR for all future purposes

NAME CHANGE
I, Soma Chakaravarty D/o N.P.Chakaravarty R/o E-2175, Ansal Esencia, Sector, Badshahpur, Gurgaon, Haryana-122101, I Have Changed My Name To Soma Ghosh for all purpose

NAME CHANGE
I, Rajender S/o Rati Ram R/o 103, Ladrey Mohalla, Jona Pur, South Delhi, Delhi-110047, Have Changed My Name To Rajender Singh For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, RUDAL NISHAD S/O RADHEY SHYAM NISHAD residing at A-3, GROUND FLOOR, GURMANDI, DELHI-110007 have changed my name to RUDAL for all future purposes

NAME CHANGE
I, Wajid Ali S/o Liyaquat Ali Residing at B-12/190, 3rd Floor, Gali No-5, Kabir Nagar, Delhi-110094 have use my name as Wajid (Given Name) and (Surname) as Ali for all future purpose

NAME CHANGE
I, Pushpa w/o Ashok Kumar Arya R/o 5/61, Nirmal Puri,O.D.S Lajpat Nagar-IV, Delhi-110024, have changed my name to Pushpa Arya permanently.

NAME CHANGE
I, Ashok Kumar s/o Kanwar Bhan R/o 5/61, Nirmal Puri, O.D.S Lajpat Nagar-IV, Delhi-110024, have changed my name to Ashok Kumar Arya permanently.

NAME CHANGE
I, Pooja Kejriwal D/o Mohan Kejriwal & W/o Himanshu Garg r/o House no. 283, Sector-15, Escortsnagar, Faridabad, Haryana-121007 have changed my name to POOJA GARG for future purposes.

NAME CHANGE
I, Yogesh Kumar S/o shri Saroj Kumar R/o 278,2nd floor, Dixit Gali, New Layalpur, Krishna Nagar Delhi - 110051 have changed my name from Yogesh Kumar to Yogesh Aggarwal for all future purpose.

NAME CHANGE
I, VIMALESH DEVI wife of JC-386688X Rank- SUB Name- HARISH KUMAR R/o VILL-KHALSIYA, PO-SARAWA, TEH-SHIKARPUR, DISTT-BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-203395 have changed my name from VIMALESH DEVI to VIMLESH DEVI for all future purposes vide affidavit dated 22/05/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,TRIVARNA KUNNATHU MADOM HARIHARAN d/o K.V. HARIHARAN r/o D-201, PHILIPS TOWER, PLOT NO 3 SECTOR 23, DWARKA SOUTH WEST DELHI-110077 HAVE CHANGE MY NAME FROM TRIVARNA KUNNATHU MADOM HARIHARAN TO TRIVARNA HARIHARAN FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE
I, ANJUM ANSARI W/O ZULFIKAR AHMAD residing at B-40 GALI NO-3 KANTINAGAR EXTN KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to ANJUM FATIMA for all future purpose

NAME CHANGE
I NIDHI, D/O SUBHASH KAUSHAL, R/O BE - 218 4TH FLOOR, GALI NO. 5 HARI NAGAR, NEW DELHI 110064 HAVE CHANGED MY NAME TO NIDHI KAUSHAL FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE
It is for general information that I, INDERPAL SINGH S/o PRITPAL SINGH R/o S-68, School Block, Shakarpur, Delhi-110092 declare that name of mine has been wrongly written as T J SANDHUU in my Aadhaar No. 345637620502. The Actual name of mine is INDERPAL SINGH respectively, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I,KUNNATHUMADOM HARI VENKATA SUBRAMANIAN s/o K S HARIHARA IYER r/o D-201,PHILIPS TOWER ,PLOT NO 3 SECTOR 23, DWARKA,SOUTH WEST DELHI-110077 HAVE CHANGE MY NAME FROM KUNNATHUMADOM HARI VENKATA SUBRAMANIAN TO K H V SUBRAMANIAN FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE
I, BINA DEVI wife of JC-778801A Rank-NB SUB Name- VED PRAKASH R/O VILL-HALUHERA, PO-MUSEPUR, TEH-REWARI, DIST-REWARI, HARYANA-123401 have changed my name from BINA DEVI to BEENA for all future purposes vide Affidavit Dated 22/05/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I , K U N A T H M A D M V E N K A T SUBRAMANIAM HARIHARAN s/o K H V SUBRAMANIAN r/o D-201, PHILIPS TOWER, PLOT NO 3 SECTOR 23, DWARKA SOUTH WEST DELHI-110077 HAVE CHANGE MY NAME FROM KUNATHMADMVENKATSUBRAMANIAMHARIHARAN TO K.V. HARIHARAN FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAJESH KUMAR Alias RAJESH KUMAR DOVHAL S/O RAMESHWAR PRASAD R/O SRA-4D, SHIPRA RIVIERA, INDIRAPURAM, SHIPRA SUN CITY, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201014 have changed my name and shall hereafter be known as RAJESH KUMAR DOVHAL.

PUBLIC NOTICE
My Client Smt. Meghna Bhati W/o Akash Khatana D/o Late Shri Inderjeet Singh Bhati R/o House No. D-3/3475, Vasant Vihar, New Delhi-110070 has changed her name from MEGHNA BHATI to MEGHNA KHATANA for all future purposes. She shall be known as MEGHNA KHATANA for her all future purposes.
VINOD YADAV ADVOCATE
CH. NO. 606
SAKET COURTS COMPLEX
NEW DELHI-110017

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SURENDER DAHIYA S/O ISHWAR SINGH DAHIYA R/O FLAT NO. 76, PLOT NO. 4, KRISHI APPT., SECTOR-13 ROHINI, NORTH WEST DELHI, DELHI-110085 declare that name of mine has been wrongly written as SURINDER SINGH DAHIYA in my service record and SURENDER SINGH in my educational documents. The actual name of mine is SURENDER DAHIYA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I,NANDINI NURANI GANAPATHY w/o K.V. HARIHARAN r/o D-201,PHILIPS TOWER,PLOT NO 3 SECTOR 23,DWARKA, SOUTH WEST DELHI-110077 HAVE CHANGE MY NAME FROM NANDINI NURANI GANAPATHY TO NANDINI HARIHARAN FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE
I, AJAB SINGH father of JC-386688X Rank- SUB Name- HARISH KUMAR R/o VILL-KHALSIYA, PO-SARAWA, TEH-SHIKARPUR, DISTT-BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-203395 have changed my name from AJAB SINGH to AJAV SINGH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1950 instead of my correct date of birth as 01/01/1949 vide affidavit dated 22/05/2024 before Notary Public Delhi.

Lost and found
I, JYOSTNA RATHORE daughter of Shri Arun Rao , wife of Shri Meghraj Rathore resident of D-970, Ground Floor, New Friends Colony, New Delhi -110025 declared that I have lost my property papers i.e. MIG FLAT NO. 74, POCKET-A, SECTOR-G, KONDLI GHAROLI, MAYUR VIHAR, NEW DELHI bearing E-stamp Certificate No. INDL55517565557860R dated 11.03.2019 in the name of mine and my husband's name Shri Meghraj Rathore son of Shri Kailash Chandra been lost anywhere and our best efforts it is not traceable easily anywhere.That I have loadge NCR online SO NO. 430/2014 and LR No. 1745172/2024 dated 19.05.2024
That if any issue arise in future regarding the said documents then I shall be fully responsilbel for the same. That I and my husband find it the said documents in future then we shall return the concerned department/authority

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LTD.,
H. O. PAHARGANJ, NEW DELHI - 110 055. www.ramgarhiabank.com
POSSESSION-CUM-SALE NOTICE UNDER SECURITISATION AND RECONSTRUCTION OF FINANCIAL ASSETS AND ENFORCEMENT OF SECURITY INTEREST ACT, 2002

Whereas the Authorized Officer of the Ramgarhia Co-operative Bank Ltd., New Delhi, has taken over the possession of the properties described herein below in exercise of power conferred under the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 and the Security Interest (Enforcement) Rules 2002. Whereas the borrowers and guarantors mentioned herein below have failed to repay the amount due from them to the Ramgarhia Co-operative Bank Ltd., New Delhi. Therefore the Ramgarhia Co-operative Bank Ltd., New Delhi in exercise of powers conferred under Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 and Security Interest (Enforcement) Rules 2002 has decided to sell the properties detailed below in public auction. "AS IS WHERE IS AND WHAT IS AND WHATEVER THERE IS BASIS" under rule 8 & 9 of security interest (Enforcement) Rules, 2002.

S. No.	Name of Borrower	Name of Guarantor	Description Property	Amount Due	Reserve Price
1)	Sh. Jai Prakash S/o Sh. Bhoop Singh A/c No.OD-2435	Smt. Leelawati Sh. Hardwari	All that part and parcel of immovable equitable mortgage being ground and first floor without its terrace/roof rights of the built up property bearing No.6095/IX, Measuring 38 Sq. Yards situated in Nabi Karim, Paharganj, New Delhi duly Registered vide Registration No.8313 in Block No.1, Vol. No.14850 on Page No. 155 to 163 dated 29-09-2012. Date of Possession - 28-03-2024	Rs. 29.72 Lacs + Intt. + Legal Charges	Rs.11.23 Lakhs
2)	Smt. Leelawati W/o Sh. Jai Prakash A/c No.SL-20379	Sh. Jai Prakash Sh. Hardwari			

That the 30 days Notice is hereby given to the borrowers and Guarantors mentioned herein above in particular and the public in general under the Rule 8 of the Security interest (Enforcement) Rules, 2002 that the sale of properties as mentioned herein above will be affected by auction in public 30 days from the date of Publication. Persons interested in participating in the public auction and purchasing the above mentioned property may apply separately in the prescribed Application Form containing terms and conditions which is available at bank's **website www.ramgarhiabank.com** and can also be obtained from the authorized officer **(Sh. Sh. Jaspal Singh, 011-40192447, 011-45595302 Extn.112)** of the Bank between 10:00 A. M. to 4 : 45 P. M. before the date of auction. Persons interested to purchase the above property may submit the prescribed Application Form duly filled along with Earnest Money 10% of the Reserve Price stated above alongwith their KYC documents with the Authorized Officer of the Bank one day before the date of auction.

The earnest money deposited shall not bear any interest. The particulars of the secured assets specified in the schedule here-in above have been stated to the best of the information of Authorized Officer, but the Authorized Officer shall not responsible for any error, misstatement or omission in the proclamation. The Authorized Officer reserves the right to cancel/suspend/postpone the auction process without any reason.
The Borrowers/Guarantors/Mortgagers are hereby notified to pay the sum as mentioned above with upto date interest and other expenses before the date of auction failing which the properties will be sold.

Place : New Delhi
Date : 22-05-2024. **Authorized Officer**

NAME CHANGE
I, JC-704487H Rank-SUB Name-SURINDER SINGH S/o KULDIP SINGH Presently residing at VPO-GHOREWAH, TEH-KHANUWAN, DISTT-GURDASPUR, PUNJAB-143517 have changed my son's name from VISHAVPARTAP SINGH to VISHAVPRATAP SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 22/05/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
My Client, Mrs. Kamlesh Lodhi, W/o Mr. Manoj Lodhi R/o H. No. RC-33 Master Park, Khora Colony, Khora, Ghaziabad, U.P. is going to purchase Residential House No. 289, admeasuring 50 sq. yards i.e. 41.80 sq. meters, out of Khasra No. 292, situated at Gali No. 5, Pragati Vihar, Khora Colony, Village Khora, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. from Mrs. Sangeeta and in above said property back chain i.e. Sale Deed dated 19.06.2000 executed by Mr. Sheesh Pal in favour of Mr. Rajender Kumar Gupta in respect of Plot, area measuring 50 sq. yards. Has been lost and Above-mentioned property is going to be mortgage with Easy Home Finance Ltd. if Any person/bank/financial institution having any claim/right, lien any objection whatsoever in regard to above property, should notified to the undersigned/Adv. Aditya Verma, C-2/12 Yamuna Vihar, Delhi-110053. along with documentary evidence under address through registered A/D within 7 days from the date of publication of this notice, failing which any claim, lien or objection shall be deemed to have been waived.
ADITYA VERMA, ADVOCATE.
Add: C-2/12, Yamuna Vihar, Delhi-110053
Mobile No. 9999042521.

मतदान के दिन जिला में प्रत्येक बूथ पर तैनात रहेगी स्वास्थ्य विभाग की टीम

एजेंसी

जींद। आगामी 25 मई को लोकतंत्र का महापर्व है। अत्यधिक गर्मी के प्रकोप के चलते जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा के आदेशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी सभी मतदान केंद्रों पर जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं का इंतजाम कर दिया गया है। गर्मी से बचाने के लिए सभी पोलिंग बूथों पर पर्याप्त मात्रा में ओआरएस के घोल की व्यवस्था की गई है, वहीं दूसरी ओर एंबुलेंस की सेवा भी 24 घंटे उपलब्ध रहेगी।

25 मई को लोकसभा के लिए मतदान होना है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा के मार्गदर्शन में सभी पोलिंग बूथों पर भयंकर गर्मी के चलते पर्याप्त मात्रा में ओआरएस की व्यवस्था की गई हैं। नागरिक अस्पताल के डिप्टी सीएमओ डा. रमेश पांचाल ने बताया कि मतदान के दिन 25 मई को जरूरत पडने पर नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के जिला के प्रत्येक पोलिंग बूथ पर विभाग की टीम तैनात की गई है। जिसमें एएनएम के साथ आशा वर्कर भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पोलिंग बूथों पर तैनात की गई टीमों के अलावा स्वास्थ्य विभाग ने मोबाइल हैल्थ टीमों का भी गठन किया है।

हार सुनिश्चित मानकर विपक्ष खो चुका है मानसिक संतुलनः मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

कैथल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गठबंधन मुद्दा विहिन है। उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। अब ये अपनी हार सुनिश्चित मानकर अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। अब ये इतने आगे जा चुके हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचन करते करते देश की बुराई करने लगे हैं। सनातन की बुराई कर रहे हैं। कभी भगवान श्रीराम की बुराई करने लग जाते हैं। वे कैथल के वृंदावन गार्डन में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन मैं बोल रहे थे। उन्होंने कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी नवीन जिन्दल के पक्ष में वोट मांगें। धामी ने कहा कि विपक्ष इस पूरे चुनाव में कहीं नहीं है। पूरे देश में एक ही बात कि नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना है। चार धाम यात्रा में इस बार देश के कोने कोने से श्रद्धालु आ रहे हैं और श्रद्धालुओं ओं में बड़ी खुशी है। पिछले 9 दिनों में सात लाख से ज्यादा लोगों ने दर्शन कर लिए हैं। अभी हमने तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा के लिए 31 मई तक केवल ऑन लाईन ही रजिस्ट्रेशन ही खोला है। उन्होंने सममेलन में भाजपा सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों किए गए काम क्रमबद्ध तरीके से गिनवाए।

अपने-पराये की पहचान करके राष्ट्रहित में मतदान करें नारनौंद की जनताः अभिमन्यु

हिसार। नारनौंद विधानसभा क्षेत्र जनता अपने व पराए की पहचान करके मतदान करेगी। यहां की जनता राष्टहित को ध्यान में रखकर मतदान करेगी और भाजपा उम्मीदवार रणजीत सिंह को भारी मतों से जिताकर नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगी।यह बात वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने अपने पैतृक गांव खांडाखेड़ी में भाजपा उम्मीदवार रणजीत सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

दोनों नेताओं ने लगभग एक दर्जन गांवों का दौरा किया क्षेत्र की जनता से भाजपा के पक्ष में वोटों की अपील की। दोनों नेताओं ने तूफानी दौरा करके क्षेत्र की फिजां ही बदल डाली। खांडाखेड़ी में भाजपा प्रत्याशी रणजीत सिंह का ट्रेक्टर ट्राली व बाइक रैली के साथ जोरदार स्वागत किया गया। अनेक महिलाओं ने भी भाजपा के समर्थन में जुलूस निकाला।

एसडीएम ने मतगणना केंद्र का निरीक्षण कर लिया सुरक्षा का जायजा

फतेहाबाद। जिले की टोहाना विधानसभा क्षेत्र के सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम प्रतीक हुड्डा ने भोडिया खेड़ा के राजकीय महिला महाविद्यालय में बनाये गए मतगणना केंद्र और स्ट्रॉंग रूम का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्ट्रांग रूम के निरीक्षण के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से स्ट्रांग रूम के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच हेतु नियंत्रण कक्ष पहुंचकर फुटेज का भी जायजा लिया और व्यवस्थाओं को दुरूस्त रखने के निर्देश दिये। स्ट्रांग रूम के निरीक्षण के दौरान एसडीएम प्रतीक हुड्डा ने सुरक्षा के इंतजाम, ईवीएम परिवहन मार्ग,

सामग्री वितरण एवं वापसी स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक ईवीएम मशीन ले जाने वाले रास्ते की सीसीटीवी रिकार्डिंग की जाये। मतदान उपरांत राजनीतिक दलों द्वारा लगाये जाने वाले टेंट की भी जानकारी ली। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को मतगणना स्थल पर सभी तैयारियां पूर्ण करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मतगणना स्थल पर भीड़ एकत्रित न हो, इसके लिए भी अधिकारियों को पर्याप्त व्यवस्था करने को कहा तथा मतगणना स्थल पर प्रत्याशियों तथा एजेंट को एंट्री कराने के लिए समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना केंद्र के संबंध में रिपोर्ट को अंतिम रूप देते समय यह ध्यान रखा जाए कि केंद्र निर्धारण इस प्रकार से किए जाए, जिससे कि प्रत्याशियों, चुनावी ड्यूटी में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों आदि को किसी प्रकार की असुविधा ना हो।

हमारे सामने फिर से राम युग आया है: धामी

मुख्यमंत्री धामी ने पानीपत, हरियाणा में संसदीय क्षेत्र करनाल से भाजपा प्रत्याशी मनोहर लाल खट्टर के पक्ष में आयोजित कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

एजेंसी

चंडीगढ़। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पानीपत, हरियाणा में संसदीय क्षेत्र करनाल से भाजपा प्रत्याशी श्री मनोहर लाल खट्टर के पक्ष में आयोजित 'सम्मेलन' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

पुष्कर धामी ने कहा कि हमारे उत्तराखंड के भाई बहन हर जगह हमारी उत्तराखंड की संस्कृति को पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा पूर्वांचल के क्षेत्र से उनका विशेष लगाव है। हम सभी यहां संसदीय क्षेत्र करनाल से भाजपा प्रत्याशी श्री मनोहर लाल खट्टर जी को विजय बनाने हेतु आए हैं। उन्होंने जनता से आगामी 25 मई को अधिक से अधिक भाजपा के पक्ष में मतदान कर मनोहर लाल खट्टर को विजयी बनाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि खट्टर जी के नेतृत्व में हरियाणा बहुत आगे बढ़ा है। मनोहर जी ने हरियाणा से भ्रष्टाचार मिटाने का काम किया। खट्टर जी को वोट देने का अर्थ है सीधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को वोट देना। निश्चित ही खट्टर जी के नेतृत्व में ये क्षेत्र बहुत आगे जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने बीते 10 सालों में देश को निरंतर आगे बढ़ाने का काम किया है। भारत का पूरी दुनिया में मान सम्मान स्वाभिमान बड़ा है। भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में सामने आया है। G-20 का सम्मलेन, चंद्रयान सफलता से भारत का विश्व में मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में गरीब कल्याण हेतु अनेकों योजनाएं लागू हुई हैं, जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, हर घर नल- नल से जल, आयुष्मान योजना, किसान समृद्धि योजना, पीएम आवास योजना, गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी अन्य कई योजनाओं ने करोड़ों भारतीयों की जिंदगी बदलने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस हमेशा की तरह इस चुनाव में भी परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण को बढ़ावा दे रही है । 2014 से पहले घोटाले की लाइन लगी रहती थी, पर बीते 10 सालों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एक भी घोटाला नहीं हुआ। प्रधानमंत्री से डरकर विपक्ष ने एक ठगबंधन बना लिया है। उन्होंने कहा हरियाणा में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। पर पंजाब में ये आपस में लड़ रहे हैं। ये गठबंधन आपस में ही एक दूसरे को ठगने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा जेजेपी को वोट देने का मतलब अपने वोट को खराब करना है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत, विधायक प्रमोद, अर्चना गुप्ता, हरपाल सिंह, ओमप्रकाश भट्ट, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

आसपास के प्रदेशों के लिए भी मेडिकल हबः नरसी राम बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने प्रोग्रेसिव मेडिकल केयर एंड रिसर्च सेंटर प्राइवेट लिमिटेड हिसार की इकाई सेंट्रल मेडिकल सेंटर, मल्टीस्पेशलिटी होस्पिटल (सीएमसी) के साथ मंगलवार को मैमोरंडम ऑफ अंडरस्टेडिंग (एमओयू) किया है।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि हिसार केवल हरियाणा ही नहीं, बल्कि आसपास के प्रदेशों के लिए भी मेडिकल हब है। हिसार में प्रतिदिन हजारों की संख्या में अन्य राज्यों व शहरों से रोगी इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में यहां के हस्पतालों में प्रशिक्षित स्टाफ की जरूरतें लगातार बनी रहती हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में इस वर्ष बीएससी नर्सिंग, बीएससी लैबोरेट्री, बीएससी ऑपरेशन थियेटर टेक्नॉलाजी, जीएनएम तथा एएनएम नए कोर्स आरंभ किए जा रहे हैं।

चिलचिलाती धूप में प्रचार में जुटे मनोहर, खराब स्वास्थ्य में भी जनता के बीच

47 डिग्री तापमान में भी मनोहर के समर्थन में बुजुर्ग और महिलाएं हो रही एकजुट

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश में लोकसभा चुनाव की सियासी गर्मी के बीच अधिकांश जिलों में तापमान भी 46 डिग्री सेल्सियस के पार चल रहा है। ऐसे में करनाल लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल कई दिनों से तबीयत खराब होने के बावजूद लोकसभा के गांवों में लगातार रोड शो और जनसभा के जरिये लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। गांव के लोग भी पूरी गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत कर रहें हैं और भारतीय जनता पार्टी को भारी मतों से जिताने का वादा कर रहे हैं।

मनोहर लाल सुबह आठ बजे से ही अपने 'चुनावी रथ' पर सवार होकर अपने क्षेत्र में निकल लेते हैं और बिना रुके, बिना थके शाम तक

लोगों से संपर्क साधते हैं। वे बीच-बीच में जनता को बता रहे थे कि उनका स्वास्थ्य पूरी तरह से ठीक नहीं है। गला भी बैठ गया है। लेकिन चुनाव में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतेंगे। मतदान समाप्त होने से पहले तक उन्होंने सभी को मुस्तैदी से खड़े रहने को कहा है।

रोड शो में शामिल होने के लिए लोगों में भारी उत्साह

मनोहर लाल के रोड शो में लोगों की भी लंबी लाइनें लग रही हैं। जैसे वे गावों में पहुंचते हैं। लोग भी उन्हें फूलमाला पहनाकर, पगड़ी पहनाकर और फूल बरसाकर उनका स्वागत कर रहे हैं। मनोहर के रोड शो में शामिल होने के लिए लोगों में भी भारी उत्साह दिखाई दे रहा है। मई की चिल चिलाती भीषण गर्मी में लोग सड़कों पर लंबी-लंबी लाइनें लगाकर मनोहर लाल का समर्थन कर रहे हैं। गांवों में बच्चे, बजुर्ग, महिलाएं और युवा भी जनसभा में पहुंचकर मनोहर की हिम्मत बढ़ा रहे है।

मनोहर लाल भाजपा प्रत्याशियों के लिए लगातार प्रचार कर रहे हैं। यही नहीं आखिरी सप्ताह में उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के बावजूद उन्होंने अपने कार्यक्रमों में कोई बदलाव नहीं किया और न ही कोई कार्यक्रम रद्द किया। बल्कि मनोहर लाल ने भाजपा की संगठनात्मक बैठकें कर कार्यकर्ताओं को चार्ज भी किया। करीब डेढ़ महीने में मनोहर लाल ने हरियाणा के 5 लाख से ज्यादा लोगों के साथ भाजपा के स्टार कैंपेनर के रूप में संवाद करने का काम किया है। लोकसभा चुनाव की घोषणा से ठीक पहले गठबंधन को तोड़कर भाजपा अपने बलबूते सरकार चलाने का काम कर रही है। अपने साढ़े 9 साल के शासनकाल में उन्होंने व्यवस्था परिवर्तन की जो अलख हरियाणा में जगाई है,अब किसी भी शासक के लिए उसे बुझा पाना आसान नहीं होगा।

भाजपा सरकार से जनता का मोह भंगः हरीश रावत

एजेंसी

सोनीपत। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि जन विरोधी भाजपा सरकार से देश के लोगों का मोह भंग हो चुका है और इन लोकसभा चुनावों में भाजपा की विदाई तय है। हरीश रावत सोनीपत लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार सतपाल ब्रह्मचारी के लिए वोटों की अपील करने पहुंचे थे। वे सोमवार देर शाम राई विधान सभा के गांव जाखौली में आयोजित जन सभा को संबोधित कर रहे थे।मंगलवार की सुबह भी उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार पंडित सतपाल ब्रह्मचारी के पक्ष में मतदान की अपील की।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरे देश में भाजपा के खिलाफ माहौल है, अपनी संभावित हार को सामने देख भाजपा के सभी नेता बौखला गए है और यह बौखलाहट इनके भाषणों में साफ झलकती है। प्रधानमंत्री सहित सभी भाजपा नेता महंगाई ,बेरोजगारी जैसे असल मुद्दों पर बात न करके मंदिर - मस्जिद, हिन्दू मुसलमान की बाते करके जनता का ध्यान भटकाने में लगे है। चुनावी रैलियों में भारत पाकिस्तान की बात करके देश का माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन देश की जनता भाजपा की इन बातों में नहीं आएगी और असल मुद्दों को ध्यान में रखते हुए भाजपा की

वादा खिलाफी का जवाब वोट की चोट से देगी। इस दौरान बिजेंद्र आंतिल, जसपाल खेवड़ा, संजय आंतिल, प्रताप प्रधान, सतपाल चौहान, संजय चौहान, महेंद्र सेवली, राजेंद्र गौड़, अनिल गौड़, जोगेंद्र चेयरमैन, इंद्र बडोली, अनिल जांगड़ा, दिनेश हुड्डा आदि लोग मौजूद रहे।

इनेलो और जेजेपी की सभी सीटों पर होगी जमानत जब्तः गोपाल कांडा

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा में भाजपा प्रदेश की सभी दस सीटों पर जीत हासिल करेगी। इनेलो और जजपा की सभी सीटों पर जमानत जब्त होगी। देश में इस समय मोदी की लहर है। लोग फिर से मोदी को लाना चाहते है, मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे और आंकडा 400 पार होगा। यह बात सिरसा के विधायकने हिसारिया बाजार स्थित कैंप कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कही।

उन्होंने कहा कि श्री बाबा तारा जी चेरिटेबल ट्रस्ट सिरसा की ओर से बुधवार शाम छह बजे भगत सिंह चौक पर मधुर संगीत महोत्सव में का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अहमदाबाद की प्रख्यात श्रीराम भजन गायिका गीता बेन रबारी श्रीराम नाम की अमृत वर्षा करेंगी। उन्होंने बताया

कि गीता बेन रबारी श्रीराम भजनों को लेकर प्रसिद्ध है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके फेन है जबकि मोदी की पूरी दुनिया फेन है। इसके साथ ही गीता बेन रबारी द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति भी दी जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ने इस मधुर संगीत महोत्सव में जरूर पहुंचे। सिरसा में निकाली गई महिला स्कूटी रैली का चुनाव पर कितना प्रभाव पडेगा के जवाब में उन्होंने कहा कि सबसे पहले तो वे माताओं और बहनों का धन्यवाद करते है जो इतनी भीषण गर्मी में रैली में पहुंची। उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में पहुंची नारीशक्ति ने लोगों को कमल का फूल खिलाने का संदेश दिया, क्योंकि मोदी ने महिलाओं के उत्थान और उनकी सुरक्षा को लेकर सबसे ज्यादा काम किया है।

ग्रीन बेल्ट में लगी आग सीएनजी पंप तक पहुंची, बड़ा हादसा टाला

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में जीटी रोड के साथ लगती ग्रीन बेल्ट में आग लग गई। देखते ही देखते आग ग्रीन बेल्ट के साथ लगते हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सीएनजी, पेट्रोल पंप के पास पहुंच गई। पेट्रोल पंप कर्मियों ने पहले फायर सिलेंडरों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग बेकाबू हुई तो दमकल विभाग व एचएसआइआइडीसी बड़ी के अधिकारियों को इसकी सूचना दी।

सूचना के बाद मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कुछ देर में आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। बड़ी औद्योगिक क्षेत्र फेस 1 में जीटी रोड के साथ लगती ग्रीन बेल्ट में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। लेकिन पत्ती, घास और कूड़ा

होने के कारण आग बढ़ती चली गई। वहीं आग की सूचना मिलते ही एचएसआइआइडीसी बड़ी के अधिकारी व दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने आग पर पानी की बौछार की तो काफी देर बाद आग पर काबू पाया। आग पर काबू पाने के बाद पेट्रोल पंप के कर्मियों ने राहत की सांस ली। आग लगने की वजह से ग्रीन बेल्ट में लगे काफी पौधे व पेड़ नष्ट हो गए।

कांग्रेसियों को एससी-बीसी समाज पर भरोसा नहीं: ज्ञानचंद गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने पंचकूला विधान सभा क्षेत्र के बतौड़, खंगेसरा, कुंडी, बीड़ घग्गर समेत अनेक गांवों में पहुंच भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया के लिए वोट मांगे। इस दौरान उन्होंने डोर-टु-डोर अभियान के साथ-साथ ग्रामीणों के छोटे-छोटे समूहों में व्यक्तिगत बातचीत भी की। बतौड़ के लोगों ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में इस क्षेत्र ने विकास की नई कहानी गढ़ी है। इसलिए यहां के लोग पूरी तरह से भाजपा की नीतियों के साथ हैं। ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस नेता खुलेआम एससी-बीसी आरक्षण को मुसलमानों में बांटने की बात करने लगे हैं। कांग्रेस पिछड़े वर्गों का भरोसा खो चुकी है और हार के डर से अल्पसंख्यकों की राजनीति कर रही है। गुप्ता ने कहा कि भाजपा सदा से समाज के सभी वर्गों का साथ लेकर चली है, लेकिन विकास की धारा में पीछे रह चुके लोगों के लिए भाजपा विशेष रूप से वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा का वैचारिक अधिष्ठान पं. दीन दयाल के अंत्योदय पर आधारित है। यह विचार पंक्ति में सबसे पीछे खड़े व्यक्तियों को विकास में प्राथमिकता देने की बात करता है। ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि इंडी एलायंस ने भारत को दशकों

पीछे धकेला है, देश उन्हें नकार चुका है। देश भूला नहीं है, जब दुनिया तेजी से विकास कर रही थी, तब कांग्रेस भ्रष्टाचार और घोटालों के कीर्तिमान गढ़ रही थी। दुनिया के सभी देश आगे बढ़ रहे थे, लेकिन कांग्रेस पार्टी युवा पीढ़ी को पीछे धकेलने में लगी थी। कांग्रेस ने 60 साल तक गरीबी हटाओ के नारे लगाती रही, किन्तु गरीबी हटने की दिशा में कुछ भी नहीं किया। देश जानता है ये मोदी है जिसने भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया, 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला और दशकों पुरानी धारा 370 जैसी पुरानी समस्याओं का समाधान किया। कश्मीर में आतंकवाद अब आखिरी सांस ले रहा है। मोदी ने ही पाकिस्तान को मुहतोड़ जवाब दिया, नक्सलवाद की कमर तोड़ी और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई। मोदी एक गरीब का बेटे है, जिसने गरीबों की सुख-दुख की चिंता की है।

सीएम सैनी व डा. पूनिया ने खिलाड़ियों को हरियाणा खेल गौरव पुरस्कार से नवाजा

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ा रहे खिलाड़ी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रोहतक में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस मौके पर हरियाणा लोकसभा चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया भी उपस्थित रहे।

यहां मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि भारत माता का मस्तक पूरे विश्व में ऊंचा करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करना और उनसे संवाद करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इस मौके पर श्री सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश को खेलों में मिलने वाले 50 फीसदी मेडल हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं। हरियाणा सरकार ने युवाओं के लिए ऐसी खेल नीति बनाई है, जिससे गांव से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में खिलाड़ी अपना कौशल दिखाकर मेडल जीत रहे हैं। सीएम नायब सैनी ने कहा कि

पीएम नरेंद्र मोदी 2036 में भारत में ओलंपिक खेल करवाने की योजना बना रहे हैं।

इससे प्रदेश के खिलाड़ियों को और मजबूती मिलेगी। सीएम सैनी ने हरियाणा खेल गौरव पुरस्कार कार्यक्रम में कहा कि ओलंपिक और पैरा ओलंपिक में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सरकार नौकरियों के साथ-साथ 4.50 करोड़ से 6 करोड़ रुपये तक नकद पुरस्कार देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भविष्य में खिलाड़ियों के लिए और भी अधिक बेहतर करेगी।

हरियाणा के खिलाड़ी 'नायाब' हैं : डॉ. सतीश पूनिया

रोहतक में आयोजित हरियाणा खेल गौरव पुरस्कार समारोह में हरियाणा भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ी प्रदेश की शान हैं।

यह हरियाणा की ताकत है। देश में जवानों के बाद दूसरी शान खिलाड़ी ही हैं। आज यहां प्रदेश की शान हमारे सामने बैठी है। इन खिलाड़ियों ने दुनिया में हरियाणा का नाम चमकाया और देश के तिरंगे की शान बढ़ाई है। ये सभी खिलाड़ी कमाल के लोग हैं।

इन्हें किया सम्मानित

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान दीपक निवास हुड्डा, महिला बॉक्सर एवं वर्ल्ड चैंपियन स्वीटी बूरा, द्रोणाचार्य अवार्डी रामबीर खोखर, द्रोणाचार्य अवार्डी नरेंद्र सैनी, अर्जुन अवार्डी राममेहर सिंह, अर्जुन अवार्डी दीपक पुनिया, अर्जुन अवार्डी पूजा कादियान, अर्जुन अवार्डी साक्षी पूनिया, ध्यानचंद अवार्डी मनोज कुमार, भीम अवार्डी शिवानी कटारिया, भीम अवार्डी जैयंती पाठक, भीम अवार्डी कविता गोयत, भीम अवार्डी सोनिया चहल, भीम अवार्डी निशा, रीतिका हुड्डा, वंशज, निक्की, रीतिक दहिया, कोच मनदीप, दिनेश कुमार, अमनप्रीत, जगमाल नरवाल समेत कई खिलाड़ी और कोच को सम्मानित किया।

अणुव्रत समिति ने चलाया चुनाव शुद्धि अभियान

एजेंसी

हिसार। अणुव्रत समिति हिसार ने अपने राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत मंगलवार को पुरानी मंडी रोड पर अणुव्रत चुनाव शुद्धि अभियान चलाया। समिति के सदस्यों व शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने मंगलवार को चलाए गए इस अभियान में भाग लिया। समिति अध्यक्ष राजेंद अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि चुनाव हमारे देश का महापर्व है इसमें हर नागरिक अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए और मतदान के दिन अपना वोट डालने जरूर जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत मतदान ही एक मजबूत लोकतंत्र का आधार है। उन्होंने कहा कि मतदाता को मतदान करते समय उम्मीदवार का चयन भी सोच-समझकार व पूर्ण विवेक के साथ करना चाहिए। ऐसे उम्मीदवार को चुनना चाहिए जो देश के संविधान में आस्था रखते हुए राष्ट्र की प्रगति को सर्वोपरि रखता है। उन्होंने अभियान के दौरान दुकानदारों, ऑटो चालकों व आमजन को चुनाव शुद्धि अभियान संबंधी पम्पलेट बांटकर शत-प्रतिशत मतदान के प्रति जागरुक किया। इस अवसर पर राजेंद्र अग्रवाल अध्यक्ष, दर्शनलाल शर्मा, सुरेश शर्मा, इंद्रेश पांडे, सतपाल, जगदीश गर्ग, अनिल गुप्ता, विनोद जैन, सुंदर सिंह उपस्थित थे।

जजपा नेता दिग्विजय चौटाला ने पार्टी उम्मीदवार रमेश के समर्थन किया

एजेंसी

सिरसा। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के प्रदेश प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने सिरसा संसदीय सीट से जजपा उम्मीदवार रमेश खटक के समर्थन में एक रोड शो किया। यह रोड शो रामनगरिया में बांदरांवाली पुलिया से शुरू हुआ।

इस संबंध में जजपा के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा व जिला प्रेस प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी ने बताया कि इस रोड शो के दौरान दिग्विजय सिंह चौटाला व जजपा उम्मीदवार रमेश खटक का पार्टी पदाधिकारियों ने फूल बरसाकर अभिनंदन किया। वर्मा ने बताया कि जजपा नेता दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि वे पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व आमजन के प्यार व सम्मान से काफी अभिभूत हैं। उन्होंने इस दौरान कहा कि जजपा की कल्याणकारी नीतियों से आज पूरा हरियाणा प्रभावित है और प्रदेशवासियों का पार्टी उम्मीदवार को जबरदस्त समर्थन और सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर की सभी सीटों पर चुनाव लड़ रहे जजपा उम्मीदवार इस चुनाव में रिकॉर्ड मतों से विजयी होंगे। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे सिरसा संसदीय सीट के चहुंमुखी विकास के लिए जजपा उम्मीदवार रमेश खटक को रिकॉर्ड मतों से जिताए हैं।

उन्होंने जजपा उम्मीदवार रमेश खटक को पार्टी का वफादार सिपाही बताते हुए कहा कि वे पहले भी लगातार तीन बार विधायक बनकर जनता की सेवा कर चुके हैं।

सिरसा की जनता का आशीर्वाद मिलने के साथ ही वे सिरसा संसदीय क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की आवाज उठाएंगे और यहां की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करेंगे।

ईडी का डीपीआईआईटी के पूर्व सचिव रमेश अभिषेक के ठिकानों पर छापा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के पूर्व सचिव रमेश अभिषेक के ठिकानों पर छापेमारी की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी धनशोधन जांच के तहत मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत डीपीआईआईटी के पूर्व सचिव रमेश अभिषेक के परिसरों की तलाशी ले रही है। ईडी की यह कार्रवाई केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से हाल ही में दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है। इससे पहले सीबीआई ने फरवरी में 1982 बैच के आईएएस रमेश अभिषेक के यहां छापेमारी की थी। सीबीआई और ईडी ने उनकी बेटी वानेसा के खिलाफ भी मामले दर्ज किए हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 84 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.45 डॉलर यानी 0.54 फीसदी की गिरावट के साथ 83.26 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.48 डॉलर यानी 0.60 फीसदी लुढ़ककर 79.32 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

आरबीआई विश्व भारत आर्थिक उन्नति के शिखर पर

नई दिल्ली। विश्व भारत को आर्थिक उन्नति के शिखर पर देखता है- आरबीआईआरबीआई जारी आरबीआई के मासिक बुलेटिन के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह आशावाद बढ़ रहा है कि भारत लंबे समय से प्रतीक्षित आर्थिक प्रगति के शिखर पर है। जारी आरबीआई के मासिक बुलेटिन के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह आशावाद बढ़ रहा है कि भारत लंबे समय से प्रतीक्षित आर्थिक प्रगति के शिखर पर है। इसमें कहा गया है कि हालिया संकेतक कुल मांग की गति में तेजी की ओर इशारा कर रहे हैं और ग्रामीण खर्च में सुधार के संकेत से गैर-खाद्य खर्च में बढ़ोतरी हो रही है। आरबीआई बुलेटिन बताता है कि 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि को लगभग 2 प्रतिशत अंक तक संशोधित करते हुए, आईएमएफ का अप्रैल 2024 विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) 2024 और 2025 में अपेक्षित विकास की मजबूती का संकेत देता है, जो ÷निरंतर ताकत को दर्शाता है÷ घरेलू मांग और कामकाजी उम्र की बढ़ती आबादी।÷ यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि ओईसीडी के अनुसार भारत में मोटे तौर पर स्थिर और तीव्र विकास जारी रहने की उम्मीद है, जबकि मुद्रास्फीति में और कमी आनी चाहिए, बशर्ते खाद्य कीमतें चरम मौसम की घटनाओं से बची रहें।

ओईसीडी का मई 2024 का आर्थिक आउटलुक हाल के मासिक संकेतकों में भारत में मजबूत गति की ओर इशारा करता है और उम्मीद करता है कि 'वास्तविक जीडीपी वृद्धि को बनाए रखने के लिए भारत में मजबूत निवेश और व्यापार विश्वास में सुधार होगा÷। आरबीआई बुलेटिन में यह भी कहा गया है कि भारत में गरीबी में नाटकीय कमी की काफी सराहना की जा रही है। विश्व बैंक का अनुमान है कि 2021 में महामारी के चरम पर, केवल 12.9 प्रतिशत आबादी प्रतिदिन 2.15 अमेरिकी डॉलर पर जीवन यापन करती थी - जो अत्यधिक गरीबी के लिए वैश्विक बेंचमार्क है। हाल के अनुमानों से पता चलता है कि अत्यधिक अभाव, जिसे कभी भारत का पर्याय माना जाता था, विलुप्त होने के लिए तैयार है।

ईवी के माध्यम से किराना व्यवसाय में 1.6 गुना वृद्धि

नई दिल्ली। किराना व्यवसाय में 1.6 गुना वृद्धि, आधी से अधिक डिलीवरी ईवी के माध्यम से देश में ऑनलाइन किराना डिलीवरी बाजार में उछाल के बीच, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने मंगलवार को कहा कि उसने 1.6 गुना वृद्धि हासिल की है। देश में ऑनलाइन किराना डिलीवरी बाजार में उछाल के बीच, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने किराना कारोबार में 1.6 गुना वृद्धि (साल-दर-साल) देखी है, जिसमें आधे से अधिक डिलीवरी इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करके की जा रही है। (ईवीएस)। फ्लिपकार्ट किराना 200 से अधिक शहरों में अगले दिन डिलीवरी प्रदान करता है, जिसमें टियर 2 और उससे आगे के कस्बे और शहर शामिल हैं। फ्लिपकार्ट के किराना प्रमुख, उपाध्यक्ष, हरि कुमार जी ने कहा, जैसा कि हम अपने पदचिह्न का विस्तार करते हैं और अपनी सेवा पेशकश को बढ़ाते हैं, हम पूरे भारत में लाखों ग्राहकों को अद्वितीय सुविधा प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। जबकि तेल, घी, आटा, चाय, कॉफी, डिटर्जेंट और व्यक्तिगत देखभाल जैसी आवश्यक वस्तुओं में 1.6 गुना वृद्धि देखी गई, कंपनी ने कहा कि आवश्यक और गैर-आवश्यक वस्तुओं में भी मजबूत वृद्धि देखी गई, तरल डिटर्जेंट में 1.8 गुना की वृद्धि हुई।

एयर इंडिया का विमान ए350 मुंबई से दुबई के लिए एक जून से भरेगा उड़ान

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया 01 जून से मुंबई से दुबई के लिए अपने अत्याधुनिक एयरबस ए350 से उड़ान भरेगी। एयरलाइन के एयरबस ए350 का ये दूसरा अंतरराष्ट्रीय मार्ग है।

एयर इंडिया ने एक्स पोस्ट में बताया कि अब इंतजार खत्म हुआ। मुंबई से दुबई के लिए उड़ानें एक जून, 2024 से शुरू होंगी। बुकिंग अब खुली हैं। मुंबई और दुबई के बीच अपनी अगली यात्रा पर अत्याधुनिक एयरबस ए350 का अनुभव लें। कंपनी ने बताया कि एयर इंडिया मुंबई-दुबई मार्ग पर अपना बिल्कुल नया एयरबस ए350-900एक्सडब्ल्यूबी विमान

लॉन्च कर रही है, जो नए एयरबस विमानों के लिए दूसरा अंतरराष्ट्रीय मार्ग है। उल्लेखनीय है कि कंपनी को नया विमान दिसंबर 2023 में एयर इंडिया को मिले 20 विमानों में से पहला है। ये मार्ग यात्रियों को तीन श्रेणी के केबिनों- बिजनेस, प्रीमियम इकोनॉमी या इकोनॉमी क्लास से से चुनने का विकल्प प्रदान करेगा। इसकी क्षमता 316 यात्रियों की है।

एफएसआईबी ने स्टेट बैंक चेयरमैन पद के लिए साक्षात्कार किया स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) ने देश के सबसे बड़े स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के चेयरमैन पद के लिए साक्षात्कार को स्थगित कर दिया है।

वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) ने स्टेट बैंक के मौजूदा चेयरमैन दिनेश खारा के उत्तराधिकारी का चयन करने के लिए आज साक्षात्कार का आयोजन किया था। निर्धारित साक्षात्कार तय समय से कुछ घंटे पहले स्थगित कर दिया गया है। हालांकि, एफएसआईबी ने यह कदम उठाने की उचित वजह की जानकारी नहीं बताई है। साक्षात्कार की नई तारीख नई सरकार के गठन

के बाद तय की जाएगी। दिनेश खारा 28 अगस्त, 2024 को सेवानिवृत्त होंगे। एफएसआईबी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के निदेशकों की खोज करने वाली निकाय है।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में रौनक, बिटकॉइन 71 हजार डॉलर के पार पहुंचा

एथेरियम में लगाई 20 प्रतिशत से अधिक की छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में रौनक छाई हुई है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से सिर्फ दो आज मामूली गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार कर रही हैं, जबकि दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन और दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी एथेरियम समेत 8 क्रिप्टो करेंसी मजबूती के साथ ग्रीन जोन में कारोबार करती नजर आ रही हैं। आज के कारोबार में बिटकॉइन एक बार फिर 71 हजार डॉलर के स्तर को पार कर गया है। वहीं, एथेरियम ने आज 20 प्रतिशत से अधिक की मजबूती दर्ज की है।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 5 बजे तक बिटकॉइन 5.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ 71,088.85 डॉलर यानी 59.23 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एथेरियम की कीमत भी आज 20.19 प्रतिशत की तेजी के साथ उछल कर 3,736.42 डॉलर के स्तर पर आ गई थी। बिटकॉइन और

एथेरियम के अलावा बीएनबी 7.76 प्रतिशत, सोलाना 2.27 प्रतिशत, एक्सआरपी 5.57 प्रतिशत, डॉगकॉइन 7.69 प्रतिशत, टॉनकॉइन 3.22 प्रतिशत और कार्डानो 7.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टेथर 0.03 प्रतिशत और यूएसडी कॉइन 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 7.71 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप बढ़ कर 2.62 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 218.29 लाख करोड़ रुपये हो गया है। ग्लोबल मार्केट कैप में बढ़ोतरी के साथ पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में भी तेजी आई है। इस अवधि में कुल 14,239 करोड़ डॉलर यानी 11.86 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 132.93 प्रतिशत अधिक है। अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें तो कीमत में तेजी के बावजूद पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति 1.02 प्रतिशत कमजोर हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी घट कर 53.50 प्रतिशत रह गई है।

सोना 75 हजार, चांदी 96 हजार पार

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में जबरदस्त तेजी है। सोना ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच कर कारोबार कर रहा है। चांदी भी जोरदार छलांग लगाकर अपने सर्वोच्च शिखर पर है। सोने की कीमत में आज 750 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है, जिसके कारण 24 कैरेट सोना का भाव 75 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 69 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के आस पास कारोबार कर रहा है। सोने की तरह ही चांदी ने भी आज तेज छलांग लगाई है। इस तेजी के कारण आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 96,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 75,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 75,220 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना

68,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 75,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 75,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 75,220 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 68,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 75,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज जोरदार तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 75,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 68,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जेके टायर ने चौथी तिमाही के शुद्ध लाभ में 56 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, प्रति शेयर 3.50 रुपये के लाभांश की घोषणा की

मुंबई। जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही के लिए अपने समेकित शुद्ध लाभ में 56 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 169.33 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की, जबकि इसी अवधि में यह आंकड़ा 108.38 करोड़ रुपये था। पिछले वर्ष।

एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, परिचालन से कंपनी का राजस्व 1.8 प्रतिशत बढ़कर 3,698.45 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 3,632.47 करोड़ रुपये था। कंपनी ने स्न्ड्ड24 के लिए 3.50 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की भी घोषणा की।जेके टायर के सीएमडी रघुपति सिंघानिया ने कहा, ÷इस प्रदर्शन का श्रेय उत्पाद प्रीमियमीकरण, बाजार तक पहुंच

बढ़ाने और तकनीक-सक्षम विनिर्माण और बेहतर दक्षता हासिल करने वाले संचालन में डिजिटलीकरण पर हमारे निरंतर फोकस को दिया जाता है। इसके अलावा, इक्विटी निवेश के माध्यम से हमारी बैलेंस शीट को मजबूत करने की हमारी रणनीतिक पहल के फलदायी परिणाम मिले, जिससे हमारी वित्तीय लचीलापन मजबूत हुई।

कंपनी ने कहा कि भू-राजनीतिक व्यवधानों के कारण वर्ष के दौरान उसका निर्यात स्थिर रहा, जिसके कारण माल ढुलाई में भी बढ़ोतरी हुई। अगली कुछ तिमाहियों में कंपनी को अपने निर्यात मात्रा में सुधार की उम्मीद है। कंपनी ने कहा, ÷हम मजबूत बुनियादी खर्च और तेज आर्थिक गतिविधियों के कारण टायर की मांग के दृष्टिकोण को लेकर आशावादी बने हुए हैं।

जेके टायर ने चौथी तिमाही के शुद्ध लाभ में 56 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, प्रति शेयर 3.50 रुपये के लाभांश की घोषणा की

मुंबई। शुद्ध लाभ 25 प्रतिशत घटकर 484 करोड़ रुपये रहासरकारी स्वामित्व वाली भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने 2023-2024 की जनवरी-मार्च तिमाही के लिए शुद्ध लाभ में 25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 484 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 645 करोड़ रुपये था। . सरकारी स्वामित्व वाली भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने मंगलवार को 2023-2024 की जनवरी-मार्च तिमाही के लिए शुद्ध लाभ में 25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 484 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की, जबकि उसी तिमाही में यह आंकड़ा 645 करोड़ रुपये था। पिछले वर्ष की अवधि. फर्म ने 2 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर के लिए 25 पैसे का अंतिम लाभांश घोषित किया। अनुमोदन पर अंतिम लाभांश का भुगतान वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की तारीख से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। चौथी तिमाही के दौरान परिचालन से बीएचईएल का राजस्व मामूली बढ़कर 8,260 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 8,227 करोड़ रुपये था। मंगलवार को बीएचईएल का शेयर मूल्य 2.7 प्रतिशत बढ़कर 318.8 रुपये पर बंद हुआ।

बीएमडब्ल्यू ने भारत में 22.5 लाख रुपये में नई मोटरसाइकिल लॉन्च की

एजेंसी

नई दिल्ली। जर्मन लक्जरी वाहन निर्माता बीएमडब्ल्यू ने भारत में 22,50,000 रुपये (एक्स-शोरूम कीमत) पर एक नई मोटरसाइकिल - एस 1000 एक्सआर लॉन्च की।तीन रंग विकल्पों - ब्लैकस्टॉर्म मेटैलिक, ग्रेविटीब्लू मेटैलिक (स्टाइल स्पोर्ट्स के साथ) और लाइटव्हाइट सॉलिड पेंट/मोटरस्पोर्ट (एम पैकेज के साथ) में पेश की गई, यह नई मोटरसाइकिल पूरी तरह से निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में उपलब्ध है और अब बुकिंग के लिए उपलब्ध है। सभी बीएमडब्ल्यू मोटरराड इंडिया अधिकृत डीलरशिप पर।बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पावाह ने एक बयान में कहा, नई बीएमडब्ल्यू एस 1000 एक्सआर

एक स्पोर्ट बाइक में लंबी दूरी की क्षमता और उच्च प्रदर्शन का अंतिम सहजीवन है। उन्होंने आगे कहा, सभी प्रमुख क्षेत्रों में बेहतर, यह मोटरसाइकिल यात्रा लंबी होने पर भी बेहतर, स्पोर्टी सवारी का आनंद प्रदान करती है। आप जितना चाहें उतने मोड़ का पीछा करें - आप अकेले ही तय करते हैं कि सवारी कब समाप्त होगी।÷कंपनी ने कहा कि नई बीएमडब्ल्यू एस 1000 एक्सआर में दोबारा काम किया गया इन-लाइन 4-सिलेंडर इंजन लगाया गया है, जो इनटेक चैनलों के लिए फ्लो-अनुकूलित ज्यामिति के साथ और भी अधिक प्रभावशाली प्रदर्शन प्रदान करता है।

बाइक 11,000 आरपीएम पर 170 एचपी (125 किलोवाट) का अधिकतम आउटपुट और 9,250 आरपीएम पर 114 एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा करती है। यह 3.25 सेकंड में 0-100 किमी की रफ्तार पकड़ लेती है और 253 किमी/घंटा की अधिकतम गति हासिल कर सकती है।

उतार-चढ़ाव के बीच मिले-जुले परिणामों के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों ने कमाए 2.18 लाख करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन के उतार-चढ़ाव के बाद घरेलू शेयर बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में बाजार पर मंदड़ियों का दबाव बना रहा, लेकिन दूसरे सत्र में तेजड़ियों ने जोर लगाया। इस वजह से शेयर बाजार रिकवरी करके हरे निशान में पहुंच गया। आखिरी वक्त में हुई मुनाफावसूली के कारण शेयर बाजार ने अपनी बढ़त गंवा दी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। निफ्टी ने 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के दौरान कमोडिटी, मेटल, पावर और यूटिलिटी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। एफएमसीजी, आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में गिरावट का रख

रहा। आज के कारोबार में बीएसई के मिडकैप और स्मॉल कैप इंडेक्स ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया। आखिरी वक्त में हुई मुनाफावसूली की वजह से स्मॉल कैप इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। मिडकैप इंडेक्स ने 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार की कमजोरी के बावजूद मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 414.53 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी शनिवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 412.35 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.18 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,087 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,621 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,314 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 152 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,322 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

इनमें से 900 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,422 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 162.98 अंक की कमजोरी के साथ 73,842.96 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक 243.57 अंक टूट कर 73,762.37 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद बाजार में खरीदारी शुरू हो गई। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक दोपहर 1 बजे तक निचले स्तर से 400 अंक से भी अधिक की रिकवरी करके 183.25 अंक की मजबूती के साथ 74,189.19 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद मुनाफावसूली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स 52.63 अंक की कमजोरी के साथ 73,953.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 97.45 अंक टूट कर 22,404.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। दोपहर 11 बजे तक के कारोबार में बाजार पर लगातार दबाव बना रहा, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने अपना जोर बना दिया। लिवाली के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे तक ये सूचकांक निचले स्तर से 180 अंक से अधिक की छलांग लगा कर 89.10 अंक की मजबूती के साथ 22,591.10 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफावसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 27.05 अंक की बढ़त के साथ 22,529.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

जीप मेरिडियन फेसलिफ्ट को भारत में परीक्षण के दौरान देखा गया

नई दिल्ली। जीप मेरिडियन इस साल के अंत में मध्य-चक्र अपडेट के लिए तैयार है, और हाल ही में सड़कों पर एक छद्म परीक्षण खच्चर देखा गया है, जो हमें आगामी परिवर्तनों की एक झलक देता है। हालांकि एसयूवी अपने मौजूदा मैकेनिकल सेटअप को बरकरार रखेगी, लेकिन इसमें सूक्ष्म कॉस्मेटिक बदलाव और नई सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।हाल के जासूसी शॉट्स ने जीप मेरिडियन के लिए उल्लेखनीय डिज़ाइन और आंतरिक अपडेट का खुलासा किया है। फेसलिफ़्टेड मॉडल की कीमत मौजूदा संस्करण से अधिक होने की उम्मीद है, जो 33.60 लाख रुपये से 39.66 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक है। भारतीय बाजार में अपडेटेड मेरिडियन एमजी ग्लोस्टर, स्कोडा कोडियाक और टोयोटा फॉर्च्यूनर को टक्कर देती रहेगी।पहली छाप से पता चलता है कि जीप मेरिडियन में बड़े कॉस्मेटिक बदलाव नहीं होंगे। शायद केवल ग्रिल में मामूली समायोजन की उम्मीद है, जबकि बम्पर में फॉग लैंप हाउसिंग के चारों ओर सिल्वर एक्सेंट के साथ एक नया डिज़ाइन हो सकता है। हालाँकि, एक उल्लेखनीय अतिरिक्त केंद्रीय वायु सेवन के भीतर नया,छ्रस रडार मॉड्यूल है। जीप आम तौर पर मध्य-जीवन चक्र अपडेट के दौरान अपनी एसयूवी के डिजाइन को पूरी तरह से ओवरहाल नहीं करती है, जैसा कि रैंगलर और कम्पास के साथ देखा गया है। तो, यह मेरिडियन के लिए हम जो आशा कर सकते हैं उसके अनुरूप है।सीट अपहोल्स्ट्री में संभावित अपडेट के अलावा, मेरिडियन एसयूवी के अंदर ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है। हालाँकि, कम्पास के नाइट ईगल संस्करण से संकेत लेते हुए, जीप मानक उपकरणों को बढ़ा सकती है। इसमें डैशकैम और रियर विंडो ब्लाइंड्स जैसी सुविधाएं शामिल हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, मॉडल में वायरलेस फोन चार्जिंग, एक डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, एक 10.2-इंच इंफोटेनमेंट स्क्रीन, एक ऊंचा केंद्र कंसोल, एक 9-स्पीकर अल्पाइन-ट्यून ऑडियो सिस्टम, एक नया एयरकॉन पैनल, कनेक्टेड सहित सुविधाओं का एक सूट पेश करने की संभावना है। कार प्रौद्योगिकी, एक बहुक्रियाशील स्टीयरिंग व्हील, और दोहरे क्षेत्र जलवायु नियंत्रण।अपडेटेड जीप मेरिडियन अपने वर्तमान मैकेनिकल सेटअप को बनाए रखेगा, जिसमें छह-स्पीड मैनुअल या नौ-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के विकल्प के साथ समान 2-लीटर डीजल इंजन होगा। यह इंजन 168bhp और 350Nm का पीक टॉर्क देता है। फोर-व्हील ड्राइव सिस्टम वर्तमान मॉडल की तरह ही उच्च-स्तरीय स्वचालित वेरिएंट के लिए विशेष रहेगा।

जानलेवा तक साबित हो सकती हैं Anaemia की समस्या, इन लक्षणों से करें इसकी पहचान और ऐसे करें बचाव

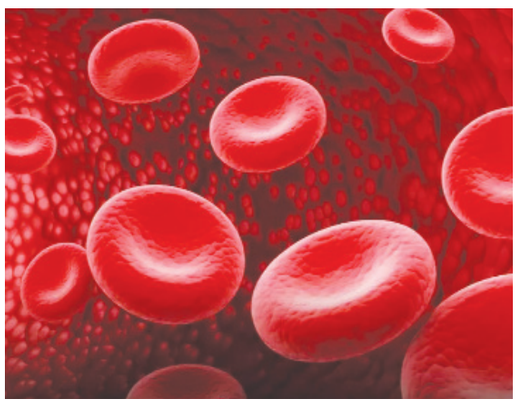

एनीमिया (Anaemia) एक गंभीर बीमारी है जो कई वजहों से व्यक्ति को अपना शिकार बना सकती है। आमतौर पर शरीर में आयरन की कमी इस गंभीर स्थिति की वजह बन सकती है। यह एक खतरनाक बीमारी है जो गंभीर मामलों में जानलेवा तक साबित हो सकती है। ऐसे में कुछ लक्षणों की मदद से आप समय रहते इसकी पहचान कर इससे बच सकते हैं।

हमारे शरीर में सभी पोषक तत्वों का होना बेहद जरूरी है। ये पोषक तत्व न सिर्फ सेहत दुरुस्त रखते हैं, बल्कि हमारे सही विकास और वृद्धि के लिए भी बेहद जरूरी है। आयरन (Iron) इन्हीं जरूरी पोषक तत्वों में से एक है, जो हमारे शरीर में कई जरूरी कार्य करता है। यह रेड ब्लड सेल्स में पाए जाने वाले हीमोग्लोबिन नामक प्रोटीन का हिस्सा होता है, इसलिए यह बेहद जरूरी माना जाता है। शरीर में आयरन की कमी एनीमिया (anaemia) जैसी खतरनाक स्थिति की वजह बन सकता है।

क्या है एनीमिया?

मायो क्लिनिक के मुताबिक एनीमिया एक ऐसी समस्या है, जिसमें शरीर के टिश्यू तक ऑक्सीजन ले जाने के लिए पर्याप्त हेल्दी रेड ब्लड सेल्स या हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है। हीमोग्लोबिन रेड ब्लड सेल्स में पाया जाने वाला एक प्रोटीन है, जो फेफड़ों से शरीर के अन्य सभी अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है। एनीमिया होने पर निम्न लक्षण नजर आते हैं-

थकान
कमजोरी
सांस लेने में कठिनाई
पीली त्वचा
दिल की अनियमित धड़कन
चक्कर आना
छाती में दर्द
ठंडे हाथ और पैर
सिरदर्द

एनीमिया के कारण

एनीमिया के कई कारण हो सकते हैं। कई लोगों में यह बीमारी जन्म से होती है। हालांकि, कुछ अन्य कारणों से भी लोग एनीमिया का शिकार हो सकते हैं, जिसमें रेड ब्लड सेल्स का कम प्रोडक्शन, ज्यादा ब्लीडिंग और शरीर में आयरन, विटामिन-बी12, फोलिक एसिड की कमी आदि शामिल हैं।

एनीमिया के प्रकार

अप्लास्टिक एनीमिया
आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया
सिकल सेल एनीमिया
थैलेसीमिया
विटामिन डेफिशिएंसी एनीमिया

एनीमिया से कैसे बचें?

एनीमिया के सभी प्रकारों को रोकना मुश्किल है, लेकिन आयरन और विटामिन की कमी से होने वाले एनीमिया से बचा जा सकता है। इसके लिए आपको एक हेल्दी डाइट फॉलो करनी होगी-

आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया से बचने के लिए आयरन से भरपूर फूड्स जैसे बीफ और अन्य मांस, बीन्स, दाल, आयरन-फोर्टिफाइड अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियां और सूखे फल खा सकते हैं।

फोलेट एक पोषक तत्व और शरीर में इसकी कमी को दूर करने के लिए फोलिक एसिड से भरपूर फलों और फलों के रस, हरी पत्तेदार सब्जियां, हरी मटर, राजमा, मूंगफली, ब्रेड, अनाज, पास्ता और चावल आदि को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

विटामिन बी-12 की कमी दूर करने के लिए इससे भरपूर फूड्स में मांस, डेयरी प्रोडक्ट्स और फोर्टिफाइड अनाज और सोया आदि जरूर खाएं।

शरीर में विटामिन सी की पूर्ति करने के लिए इससे भरपूर फूड्स जैसे खट्टे फल और जूस, मिर्च, ब्रोकोली, टमाटर, खरबूजे और स्ट्रॉबेरी डाइट का हिस्सा बनाएं। ये शरीर को आयरन देने में भी मदद करते हैं।

एक चाल का तानाशाह

स्वतंत्र प्रेस के जरिए और जाहिर है कि संसद के जरिए भी, जनता के सामने जवाबदेही से ही प्रधानमंत्री मोदी के इस तरह भागने की असली वजह, उनका तानाशाहाना मिजाज है। नरेंद्र मोदी खुद को भारत का बादशाह या शहंशाह या चक्रवर्ती सम्राट जैसा कुछ समझते हैं, जिसकी इच्छा ही सर्वोपरि है और जिसका निर्णय ही कानून है। वास्तव में निर्वाचित सत्ताधीश के सर्वोपरि होने की दलील, मोदी राज में सत्ता के प्रधान नैरेटिव के रूप में बार-बार हमें सुनने को मिलती है।पांचवे चरण में 49 सीटों के लिए मतदान के साथ, 2024 के चुनाव का नतीजा एक तरह से तय होकर, ईवीएम मशीनों में बंद हो चुका है। बचे हुए दो चरणों में जिन 125 सीटों पर वोट पड़ने हैं, उनकी संख्या और मिजाज, दोनों ऐसे नहीं हैं कि, चुनाव अचानक पलटा खा जाए। अब 428 सीटों के लिए मतदान के साथ ईवीएम मशीनों में बंद यह नतीजा क्या है, इसका ठीक-ठीक पता तो 4 जून को मतगणना से ही चलेगा। फिर भी इतना तय है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संघ-भाजपा की बदहवासी साफ-साफ दिखाई दे रही है। इस बदहवासी के दूसरे अनेक लक्षणों के अलावा, एक और नया लक्षण जो व्यापक रूप से राजनीतिक तथा विशेष रूप से मीडिया प्रेक्षकों ने दर्ज किया है, चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से प्रधानमंत्री मोदी का, भांति-भांति के मीडिया संस्थानों को पांचवे चरण के मतदान के दिन तक 42 साक्षात्कार दे चुका होना है।यह दूसरी बात है कि मीडिया से आमने-सामने होने में सौ फीसद अनुकूलता और नियंत्रण हासिल करने की हवस में, मोदी के प्रचार प्रबंधकों ने इन्हें साक्षात्कार के नाम पर मजाक ही बनाकर रख दिया है। अब तक आई जानकारियों के अनुसार, इन सभी आयोजनों में अगर साक्षात्कार के नाम पर कुछ है तो यही कि संबंधित मीडिया संस्थानों के सावधानी से चुने गए साक्षात्कारकर्ताओं को, इस बहाने से प्रधानमंत्री मोदी से दस-पंद्रह मिनट की आमने-सामने की मुलाकात और मामूली गप-शप करने का भी मौका दिया जाता है, जिसकी तस्वीरों का बाद में उपयोग भी किया जा सकता है। वर्ना साक्षात्कारकर्ताओं के चयन से लेकर, प्रश्नों के सूत्रीकरण और जवाबों की रिकार्डिंग/ लेखन और अंतत- संपादन तक, सब कुछ प्रधानमंत्री कार्यालय खुद करता है और तैयार कॉपी प्रसारण/ प्रकाशन के लिए, मीडिया संस्थान को उपलब्ध करा दी जाती है। हैरानी की बात नहीं है कि सोशल मीडिया में इस पर व्यंग्यात्मक चर्चा ही चल पड़ी है कि साक्षात्कार की इस प्रजाति को किस नाम से पुकारा जाना चाहिए।

और भी गहरी विडंबना यह कि इन्हीं छद्म साक्षात्कारों में से एक में, प्रधानमंत्री मोदी ने एक सवाल के अपने जवाब में अपने कार्यकाल के दस साल में, एक भी खुली प्रेस कान्फ्रेंस नहीं करने की सफाई देने की सरासर बेईमान कोशिश भी की है। मोदी ने अपने खुली प्रेस कान्फ्रेंस न करने के लिए, प्रेस को ही दोषी ठहराने का रास्ता चुना है। उन्होंने इसकी शिकायत की है कि अब प्रेस, पहले की तरह तटस्थ या वस्तुनिष्ठ नहीं रह गई है; पत्रकार अपनी राय से, अपने विचारों से संचालित होते हैं। जाहिर है कि इसीलिए, उन्होंने कोई प्रेस कान्फ्रेंस नहीं की। मोदी के स्वतंत्र प्रेस से भागने की इस झूठी बहानेबाजी की विडंबना सिर्फ इतनी ही नहीं है कि इसमें उन्होंने सारे के सारे प्रेस पर ही पक्षपाती और पूर्वाग्रही होने की तोहमत लगा दी है। इस तर्क का विस्तार करें तो नरेंद्र मोदी ने पक्षपाती तथा पूर्वाग्रही का यह ठप्पा सिर्फ भारतीय प्रेस पर ही नहीं लगाया है बल्कि दुनिया भर के प्रेस पर लगाया है। आखिरकार, यह तो किसी से छुपा हुआ नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी देश में ही नहीं, विदेशी धरती पर और विदेशी पत्रकारों से रूबरू होने से भी,सायास बचते आए हैं। मोदी की स्वतंत्र प्रेस नीति तो इस हद तक जाती है कि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ आए पत्रकारों को मोदी राज के आदेश पर घंटों तक उनके वाहन में ही बंधक बनाकर बैठाए रखा गया था, ताकि इस सम्मेलन के हाशिए पर हुई मोदी-बाइडेन मुलाकात के बाद, मोदी को पत्रकारों के सवालों का सामना नहीं करना पड़े। भारत को दुनिया भर में हँसी का पात्र बनाने वाले इस प्रसंग के आखिर में, बाइडेन को वियतनाम पहुंचकर ही अमरीकी व अन्य पत्रकारों को संबोधित करना पड़ा था।इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि मीडिया/ प्रेस में वस्तुगतता और निष्पक्षता के न रह जाने की शिकायत वही प्रधानमंत्री कर रहे थे, जिसके दस साल के राज में मीडिया की मुख्यधारा को पालतू बनाने और स्वतंत्र मीडिया को कुचलने में जितनी ऊर्जा लगाई गई है, उतनी ऊर्जा तो शायद अपने राजनीतिक विरोधियों को बर्बाद करने पर भी नहीं लगाई गई होगी। विडंबना के साथ, मजाक का छौंक यह कि प्रेस की स्वतंत्रता के ह्रास की शिकायत भी छद्म साक्षात्कारों की ऐसी शृंखला के दौरान की जा रही थी, जिसे चुनाव के संदर्भ में पहले कभी पेड न्यूज के रूप में आदर्श चुनाव संहिता का उल्लंघन ही माना गया होता।इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने, एक और बेढब दलील यह दी कि अब मैं संसद में हूं, वहीं जवाब दिया जाता है। लेकिन, यह दलील भी मीडिया के तटस्थ न रह जाने जितनी ही झूठी है। पहली बात तो यह कि मोदी कोई पहले प्रधानमंत्री तो हैं नहीं, जो संसद में हों और जिनकी संसद के प्रति जवाबदेही बनती हो। हरेक प्रधानमंत्री को, संसद के किसी न किसी सदन का सदस्य होना ही होता है। फिर भी, मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने दस

साल में एक भी खुली प्रेस कान्फ्रेंस का सामना नहीं किया है। दूसरी बात यह है कि संसद में सवालों के जवाब देने का प्रधानमंत्री मोदी का रिकार्ड, पत्रकारों के सवालों का सामना करने के उनके रिकार्ड जितना ही खराब है। सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दस साल में नरेंद्र मोदी ने संसद में भी एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया है। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी ने संसद में, खास-खास सत्रों में, खास-खास बहसों के जवाब के नाम पर, अपने मन की बात भर की है, वर्ना उनका रिकार्ड संसद से ज्यादातर समय गायब रहने का और उसकी चर्चाओं में हिस्सा लेने से बचने का ही रहा है।

स्वतंत्र प्रेस के जरिए और जाहिर है कि संसद के जरिए भी, जनता के सामने जवाबदेही से ही प्रधानमंत्री मोदी के इस तरह भागने की असली वजह, उनका तानाशाहाना मिजाज है। नरेंद्र मोदी खुद को भारत का बादशाह या शहंशाह या चक्रवर्ती सम्राट जैसा कुछ समझते हैं, जिसकी इच्छा ही सर्वोपरि है और जिसका निर्णय ही कानून है। वास्तव में निर्वाचित सत्ताधीश के सर्वोपरि होने की दलील, मोदी राज में सत्ता के प्रधान नैरेटिव के रूप में बार-बार हमें सुनने को मिलती है। यही दलील जरा तिर्यक रूप से खुद प्रधानमंत्री मोदी के दावों में भी हमें सुनने को मिलती है, जब वह 140 करोड़ भारतीयों की ओर से बोलने का दावा ही नहीं करते हैं, यह दावा भी करते हैं कि 140 करोड़ भारतीयों के प्रतिनिधि की उनकी हैसियत, उनकी तमाम आलोचनाओं को, उन के खिलाफ तमाम आरोपों को, खारिज कर देती है। नरेंद्र मोदी के शब्दों में, 140 करोड़ भारतीय उनकी ढाल बन जाते हैं।इसी तानाशाहाना मिजाज का नतीजा है कि मोदी राज के दस साल में खुद संसद समेत, जनतंत्र की सभी संस्थाओं को कमजोर किया गया है, उनकी स्वतंत्रता को खत्म किया गया है। खुद कार्यपालिका तक में सारी की सारी शक्ति को प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में केंद्रित किया गया है। संसद की कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने की भूमिका को लगभग खत्म ही कर दिया गया है। न्यायपालिका को पालतू बनाने की कोशिशों के अलावा, उस पर प्रत्यक्ष नियंत्रण कायम करने के लिए, मोदी राज ने बराबर एक जंग सी ही छेड़े रखी है। मुख्यधारा के मीडिया पर सत्ताधारियों द्वारा करीब-करीब पूरा कब्जा ही किया जा चुका है। ऐसा ही हाल उच्च शिक्षा संस्थानों का है और जेएनयू आदि की तरह जिन इक्का-दुक्का संस्थाओं ने अपवादस्वरूप अपनी स्वायत्तता की रक्षा करने के लिए संघर्ष जारी रखा है, उन्हें शासन द्वारा एक प्रकार से शत्रु-संस्थाएं ही घोषित कर दिया गया है, जिन्हें जीतने की उसकी जंग लगातार जारी रही है। सीबीआई, ईडी, एनआईए आदि व पुलिस बलों, सभी संस्थाओं को सत्ताधारियों के ही नहीं, उनमें भी सबसे बढ़कर बादशाह सलामत और उनके दरबार के औजारों में बदल दिया गया है। कहने की जरूरत नहीं है कि ये बदलाव, वर्तमान सत्ता के तकाजों के अनुरूप हैं जरूर, लेकिन तात्कालिक तकाजों तक ही सीमित नहीं हैं। वे पूरी राज्य व्यवस्था को ही तानाशाही में तब्दील कर रहे हैं।और तो और बहुसंख्यक धार्मिक प्रतिष्ठान को भी महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया गया है। एक ओर राम मंदिर और दूसरी ओर सेंगोल जैसे टोटकों के सहारे, न सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी को धार्मिक अनुमोदन-प्राप्त महाराजा के रूप में स्थापित किया गया है, जिसके आगे धार्मिक सत्ता भी व्यवहारत- नतमस्तक है।

और दूसरी ओर, इससे भी महत्वपूर्ण रूप से बहुसंक्ख्यक धार्मिकता को, अल्पसंक्ख्यक विरोधी सांप्रदायिकता से खुद को परिभाषित करने के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ा दिया गया है। इसी का नतीजा हम चुनाव की हाथ से निकलती नजर आती बाजी को बचाने के लिए, अंतिम और इकलौते उपाय के रूप में, मोदी की भाजपा द्वारा चुनाव प्रचार में लौट-लौटकर, मुस्लिमविरोधी सांप्रदायिकता का सहारा लिए जाने के रूप में देख रहे हैं।यह बेढब होते हुए भी कम से कम हैरान नहीं करता है कि चौथे चरण के मतदान के दिन, गंगा के तट पर एक और छद्म साक्षात्कार में मोदी जी ने अचानक यह ऐलान कर दिया कि वह हिंदू-मुस्लिम नहीं करते हैं, वह हिंदू-मुस्लिम करें तब तो वह सार्वजनिक राजनीति के लायक ही नहीं रहेंगे और यह भी कि उनका संकल्प है कि वह हिंदू-मुस्लिम नहीं करेंगे। और चौबीस घंटे भी पूरे होने से पहले-पहले, अगले दिन महाराष्ट्र में वह हिंदू-मुस्लिम करने से भी आगे, इसका ऐलान करने तक चले गए कि उनके विरोधी जीत गए, तो राम मंदिर पर बाबरी ताला लगवा देंगे। बाद में उत्तर प्रदेश में उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों से राम मंदिर पर बुलडोजर ही चलवा दिया! बेशक, यह हार की बदहवासी का संकेत है, लेकिन यह इसका भी संकेत है कि तानाशाह के पास यही एक चाल बची है, जिसे वह रह-रहकर आजमा रहा है।

संपादकीय

चुनाव आयोग की साख का सवाल

18वीं लोकसभा के लिए हो रहे आम चुनावों के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग पर एक सख्त टिप्पणी की है। भाजपा के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की शिकायत पर समय रहते हुए कार्रवाई न करने को लेकर हाईकोर्ट के जस्टिस सब्यसाची भट्टाचार्य ने कहा है कि यह अदालत आश्चर्यचकित है कि चुनाव खत्म होने के बाद शिकायतों का समाधान तय समय में करने में भारत का चुनाव आयोग विफल हुआ है। यह अदालत निषेधाज्ञा आदेश (स्टे) पारित करने के लिए बाध्य है। गौरतलब है कि भाजपा ने बंगाल के कुछ क्षेत्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया था, जिनमें एक में तृणमूल कांग्रेस को भ्रष्टाचार की जननी और दूसरे में सनातन विरोधी कहा गया था। टीएमसी ने इस पर चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज करते हुए कहा था कि ये विज्ञापन अपमानजनक, झूठे थे और मतदाताओं से धार्मिक आधार पर वोट करने की अपील करते थे।भाजपा के आपत्तिजनक विज्ञापनों को लेकर टीएमसी ने 4 मई को केंद्रीय चुनाव आयोग से शिकायत की थी। लेकिन जब चुनाव आयोग से समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई तो फिर टीएमसी इस मामले को लेकर अदालत में गई, जहां आदेश में कोर्ट ने कहा कि %साइलेंस पीरियड% (चुनाव से एक दिन पहले और मतदान के दिन) के दौरान भाजपा के विज्ञापन आदर्श आचार संहिता और टीएमसी के अधिकारों और नागरिकों के निष्पक्ष चुनाव के अधिकार का भी उल्लंघन थे। अदालत ने आदेश जारी करते हुए कहा- टीएमसी के खिलाफ लगाए गए आरोप और प्रकाशन पूरी तरह से अपमानजनक हैं और निश्चित रूप से इसका उद्देश्य प्रतिद्वंद्वियों का अपमान करना और व्यक्तिगत हमले करना है। स्वतंत्र, निष्पक्ष और बेदाग चुनाव प्रक्रिया के लिए, भाजपा को अगले आदेश तक ऐसे विज्ञापन प्रकाशित करने से रोका जाना चाहिए।

आश्चर्य की बात है कि स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव कराने का दायित्व चुनाव आयोग का है, लेकिन उसकी निष्क्रियता के कारण अदालत को यह बीड़ा भी उठाना पड़ रहा है। टीएमसी का मामला जब अदालत में चला गया, तब जाकर आयोग शनिवार 18 मई को सक्रिय हुआ। इसके बाद पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को उनकी पार्टी द्वारा कथित तौर पर टीएमसी को निशाना बनाने वाले विज्ञापनों पर दो अलग-अलग कारण बताओ नोटिस जारी किए। आयोग ने भाजपा नेता को मंगलवार शाम 5 बजे तक अपना जवाब देने को कहा है। हालांकि अब इस कार्रवाई का कोई अर्थ नहीं रह जाता है।

इस पूरे प्रकरण से चुनाव आयोग की किरकिरी तो हुई ही है, लेकिन लोकतांत्रिक चुनावों को लेकर चिंताएं भी बढ़ गई हैं। इस पूरे चुनाव में शुरु से अब तक कई बार चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर सवाल उठे हैं। हाल ही में उत्तरप्रदेश से एक प्रकरण सामने आया है, जिसमें एक लड़का ईवीएम पर आठ बार वोट देता नजर आ रहा है और सारे वोट भाजपा के लिए। यह वीडियो जब वायरल हुआ और विपक्ष के नेताओं ने इस पर कड़ी प्रतिक्रियाएं देते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए, तब जाकर आयोग की ओर से कार्रवाई की पहल की गई। इसी तरह गुजरात से दाहोद का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें भाजपा नेता के बेटे ने बूथ में जाकर ईवीएम को अपने कब्जे में ले लिया था और इस दुस्साहस को सोशल मीडिया पर प्रचारित भी किया था। इसके विरोध में जब आवाजें तेज हुईं तब जाकर चुनाव आयोग ने इस बूथ पर फिर से मतदान करवाया।इसी तरह 13 मई को हुई चौथे चरण की वोटिंग के दौरान हैदराबाद में भाजपा प्रत्याशी माधवी लता ने एक बूथ पर मुस्लिम महिलाओं के बुर्के उठवाकर उनके पहचान पत्र की जांच की। उनका वीडियो भी वायरल हुआ और विपक्ष ने कार्रवाई की मांग की, तब जाकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। इन बड़ी घटनाओं के अलावा दसियों छिटपुट घटनाएं हुई हैं, जिनमें सारे कागजात सही होने के बावजूद किसी मतदाता को मतदान से वंचित कर दिया गया या उसका वोट किसी और पार्टी को दिलवाया गया। कहीं पुलिस अधिकारी तो कहीं पार्टियों के बूथ एजेंट मतदाताओं को धमकाते हुए भी नजर आए। ये सारी घटनाएं इसलिए हो रही हैं क्योंकि कहीं न कहीं चुनाव आयोग की कमजोरी सामने आ चुकी है। उसकी कार्यप्रणाली या पक्षपाती रवैये पर सवाल उठने लगे हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी विपक्ष के इस आरोप को ही पुख्ता करती है कि चुनाव आयोग भाजपा के खिलाफ कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं दिखाता है।जब आम चुनावों की घोषणा केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ने की थी तो बड़े दम के साथ कहा था कि हम बेदाग चुनाव चाहते हैं। यह बात बोलने में आसान लगती है लेकिन क्रियान्वयन में काफी कठिन है। इसके लिए जिस दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है, उसके प्रदर्शन में चुनाव आयोग बार-बार चूका है। नरेन्द्र मोदी समेत सत्तारुढ़ दल के कई नेता लगातार धार्मिक, सांप्रदायिक आधार पर वोट मांग रहे हैं, लोगों को उकसाने वाले बयान दे रहे हैं। इनकी शिकायतें लेकर कई बार विपक्षी दल चुनाव आयोग तक गए, लेकिन आयोग की ओर से भाजपा अध्यक्ष को एक नोटिस जारी कर दिया गया.स

बिहार लोकसभा चुनाव में वाम दलों की सक्रियता से एनडीए चिंतित

बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव में युगांतकारी जीत के बाद, जिसमें सीपीआई (एमएल) लिबरेशन ने उन 16 में से 12 सीटें जीतीं जहां उसके उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे

इस साल की चुनावी लड़ाई का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पहली बार सीपीआई (एमएल) लिबरेशन ने चुनावी लड़ाई में प्रवेश किया है। हालांकि इसके वरिष्ठ नेता रामेश्वर प्रसाद ने 1989 में आरा लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी, लेकिन उन्होंने उस समय सीपीआई (एमएल) के जन संगठन इंडियन पीपुल्सफ्रंट के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था।

बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव में युगांतकारी जीत के बाद, जिसमें सीपीआई (एमएल) लिबरेशन ने उन 16 में से 12 सीटें जीतीं जहां उसके उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। पार्टी इस बार अपने प्रतिनिधियों को लोकसभा में भेजने के लिए काफी आशान्वित है। उस चुनाव में तीन मुख्य वामपंथी दलों ने 29 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ा और 16 पर जीत हासिल की थी। सीपीआई और सीपीआई (एम) ने क्रमश- जिन छह और चार सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से दो-दो पर कब्ज़ा कर लिया।हालांकि वाम दल राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन में भागीदार थे। सीपीआई (एमएल) -एल के कम से कम दो सीटें जीतने की आशावादिता का कारण यह है कि 2020 में उसने महागठबंधना का घटक दल होने के बावजूद कुछ निर्वाचन ेत्रों में राजद उम्मीदवारों के खिलाफ लड़कर जीत हासिल की थी।

हालांकि राजद मुसलमानों और यादवों (एमवाई) का पारंपरिक समर्थन आधार रहा है, सीपीआईएमएल को गरीब यादवों, मुसलमानों और अन्य बेहद गरीब जातियों का भारी समर्थन मिला। इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि इसे गरीबों के इस वर्ग का अडिग विश्वास प्राप्त है।

इस बार सीपीआई (एमएल)-एल ने कम से कम छह सीटों की मांग की थी, लेकिन इंडिया गठबंधन के बड़े भाई लालू यादव अनिच्छुक थे क्योंकि उनकी कुछ अन्य प्रतिबद्धताएं थीं। सीपीआई (एमएल) ने जो सीटें मांगी थीं, वे अंतत- कांग्रेस को सौंप दी गयीं। इनमें से एक सीट थी पूर्णिया। अब चुनाव की घोषणा से बमुश्किल एक हफ्ते पहले जेडीयू से अपनी निष्ठा बदलने वाली राजद की बीमा भारती को कांग्रेस के बागी पप्पू यादव से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

फिर भी सीपीआई (एमएल) को तीन सीटें दी गयीं। वह आरा, नालंदा और काराकाट की तीन लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। सीपीआई (एमएल) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य इन सीटों पर जीत को लेकर आश्वस्त हैं। नालंदा को छोड़कर, दो अन्य सीटों पर सत्तर के दशक की शुरुआत में सीपीआई (एमएल) द्वारा बड़े पैमाने पर किसान लामबंदी देखी गयी थी। भोजपुर का मुख्यालय आरा किसान सशस्त्र संघर्ष के सर्वोच्च क्रम का गवाह रहा है जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ता और नेता शामिल थे।इस साल की चुनावी लड़ाई का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पहली बार सीपीआई (एमएल) लिबरेशन ने चुनावी लड़ाई में प्रवेश किया है। हालांकि इसके वरिष्ठ नेता रामेश्वर प्रसाद ने 1989 में आरा लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी, लेकिन उन्होंने उस समय सीपीआई (एमएल) के जन संगठन इंडियन पीपुल्सफ्रंट के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था।

काराकाट में, सीपीआई (एमएल) के उम्मीदवार पूर्व विधायक राजाराम सिंह का मुकाबला एनडीए के सहयोगी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा से है। इसके अलावा, एआईएमआईएम उम्मीदवार की मौजूदगी से निर्वाचन क्षेत्र में मुस्लिम वोटों का विभाजन हो सकता है।पुराने समय के सुदामा सिंह, जिन्होंने साठ के दशक के अंत में एक छात्र नेता के रूप में अपना कॅरियर शुरू किया और अब आरा से विधायक हैं, आरा संसदीय क्षेत्र से बिहार के पूर्व गृह सचिव और केंद्रीय मंत्री आरके सिंह का विरोध कर रहे हैं। नालंदा सीट से विधायक संदीप सौरभ भी मैदान में हैं। नालदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गृह क्षेत्र है। पार्टी के वरिष्ठ नेता राजाराम सिंह काराकाट लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। तीनों विधानसभा क्षेत्रों आरा, काराकाट और नालंदा में एक जून को मतदान होगा।फिर भी सौरभ को जदयू के कौशलेंद्र कुमार से गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इस क्षेत्र में कोइरी और कुर्मियों की सघनता अधिक है। चूंकि कुमार जद(यू) के नीतीश कुमार के उम्मीदवार हैं इसलिए उम्मीद है कि नीतीश की निजी अपील का असर होगा। हालांकि सत्तर और अस्सी के दशक में निर्वाचन क्षेत्र के एक हिस्से में बेलछी और प्रमुख किसान संघर्ष जैसी घटनाएं देखी गयी थीं, इसलिए पार्टी की अपील का असर होगा।

सीट बंटवारे की व्यवस्था के तहत राजद ने बिहार में वामदलों को जो पांच सीटें दी हैं, उनमें से सीपीआई (एम) ने खगड़िया से संजय कुमार सिंह को मैदान में उतारने का फैसला किया है, जबकि सीपीआई ने बेगुसराय से पूर्व विधायक अवधेश राय को टिकट दिया है। भट्टाचार्य को पूरी उम्मीद है कि दोनों पार्टियां अच्छा प्रदर्शन करेंगी और सिंह खगड़िया में एनडीए उम्मीदवार के लिए बड़ी चुनौती बनेंगे।

सीपीआई (एम) के संजय कुमार, जो ओबीसी कुशवाहा समुदाय से हैं, राजद के पारंपरिक एम-वाई वोट बैंक मुसलमानों और यादवों के समर्थन पर भरोसा कर रहे हैं। सीपीआई ने भाजपा उम्मीदवार गिरिराज सिंह को हराने के लिए कड़ी मेहनत की, जिन्होंने भयानक सांप्रदायिक अभियान चलाया और बेगुसराय की सीट वापस जीत ली, जिसे 1950 के दशक के अंत से 1990 के दशक के अंत तक सक्रिय कम्युनिस्ट आंदोलन के कारण %बिहार का लेनिनग्राद% कहा जाता था।

खगड़िया में तीसरे चरण में 7 मई को मतदान हुआ। यहां लड़ाई कुमार और चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास) उम्मीदवार राजेश वर्मा के बीच थी। एक अन्य कारक जिसने कुमार के पक्ष में काम किया, वह है विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के नेता मुकेश साहनी का उन्हें समर्थन। वह अब महागठबंधन के साथ हैं। साहनी एक मल्लाह नेता हैं।लालू द्वारा वामपंथी गुट को वांछित संख्या में सीटें देने से इंकार करना एक रणनीतिक कदम है। सीपीआई (एमएल) राज्य के पूरे उत्तर और पूर्वी हिस्सों में एक प्रमुख राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी है। 2020 के विधानसभा चुनाव में इसकी सफलता इस तथ्य को रेखांकित करती है बड़े पैमाने पर राज्य दमन के बाद भी इसे गरीबों का समर्थन और निष्ठा प्राप्त है। सीपीआई (एमएल) और सीपीआई और सीपीआई (एम) के पुनरुत्थान ने बड़े पैमाने पर राजद की छवि को उसके पारंपरिक आधारों में प्रभावित किया होगा।

एक और कारक जिसने लालू को नौ सीटें देने की वामपंथियों की मांग को मानने से रोका, वह है मुस्लिम वोटों के खिसकने का डर। वामपंथियों को दलितों, गरीबों और मुसलमानों, विशेषकर पसमांदा, गरीबों और दलित मुसलमानों की आवाज होने की बेदाग प्रतिष्ठा प्राप्त है। एक बात बिल्कुल स्पष्ट है कि वामपंथी ताकतें लोकसभा चुनाव के बाद एक प्रमुख राजनीतिक ताकत के रूप में पुनर्जीवित होने जा रही हैं। वर्तमान लोकसभा में बिहार से वामपंथियों की कोई मौजूदगी नहीं है। यदि तीन पार्टियां सीपीआई, सीपीआई (एम) और सीपीआई (एमएल)-एल पांच में से तीन सीटें जीत सकती हैं, जिन पर वे चुनाव लड़ रही हैं, तो यह बिहार के वामपंथी परिवर्तन को एक नई गतिशीलता प्रदान करेगी।

बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कान्सिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीड़न से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, कॅरियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

19 दिन में खड़ी कर दी 57 मंजिला इमारत

57 मंजिला इमारत जिसमें 4000 ऑफिस और 800 अवासीय परिसर हैं, मात्र 19 दिनों में खड़ी कर दी गई। यानी हर रोज बिल्डिंग के 3 मंजिलों का निर्माण। है न हैरतअंगेज!

चीन के चांगशा शहर में बनी इस बिल्डिंग को प्रीफैब कंस्ट्रक्शन फर्म ने बनाया है। फर्म द्वारा जारी एक वीडियो में यह बताया गया है कि कैसे उसने इतनी कम अवधि में इस बिल्डिंग का निर्माण किया। वीडियो में बताया गया है चीन के हुनान प्रांत में स्टील और कांच से बनी इस इमारत को मात्र 19 कार्यकारी दिनों में खड़ा किया गया।

फर्म के एक अधिकारी जियोझांग जेंग ने बताया कि बिल्डिंग का निर्माण दो हिस्सों में किया गया। आधी इमारत का निर्माण सन 2014 में किया गया जबकि बाकी आधी इमारत का निर्माण इस साल के पहले दो महीनों में किया गया। जेंग ने बताया कि उनके फर्म की योजना 97 मंजिला इमारत बनाने की थी लेकिन हवाई अड्डे से निकटता के कारण इसे घटाकर 57 मंजिला कर दिया गया। बिल्डर द्वारा इस बिल्डिंग के निर्माण में केवल 19 दिन खर्च किए गए। फर्म अब 220 मंजिला इमारत बनाने की योजना बना रही है। इस योजना को शुरू करने के लिए उसे सरकार की अनुमति का इंतजार है।

हवा में तैरता रेस्त्रां

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एक रेस्त्रां डिनर इन द स्काई थीम पर बनाया गया है। हवा में 150 फीट ऊपर तैरते हुए यहां मेहमानों को लजीज पकवान परोसा जाता है। इस रेस्त्रां को क्रेन से उठाया जाता है। इंटरनेशनल फोर्ब्स मैगजीन ने इसे दुनिया के 10 सबसे अनयूजुअल रेस्त्रां की सूची में शामिल किया है।

यहां शरीर पर परोसते हैं खाना

यहां खाना और स्वागत में होता है अपमान

ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने बनाया सटीक विश्व का नक्शा

अमेरिका का यह 11 साल का बच्चा इंटरनेट जगत में सनसनी बना हुआ है। लोगों से ज्यादा न घुलने-मिलने वाला, अपने में खोया रहने वाला ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने अपने अध्यापकों और सहपाठियों को तब चकित कर दिया जब इसने अपने क्लास के व्हाइट बोर्ड पर कुछ ही मिनटों में विश्व का नक्शा बना डाला वह भी एकदम सटीक।

उसके सहपाठियों ने उसकी तस्वीर और नक्शा बनाते हुए उसकी वीडियो इंटरनेट पर शेयर की और यह पूरे विश्व में वायरल हो गई। 11 साल के इस बच्चे का पिता एक स्कूल में अध्यापक है और यह बच्चा ऑटिज्म की बीमारी से पीड़ित है। खास बात यह है कि इस बच्चे ने विश्व का न सिर्फ सटीक नक्शा बनाया बल्कि उसने

नक्शे में छोटे-छोटे देश और यहां तक कि उन छोटे आइलैंड को भी बनाया जिनपर नक्शा देखते वक्त अमूमन नजर भी नहीं जाती।

इस बच्चे की यह विलक्षण स्मरण शक्ति सचमुच हैरान करने वाली है। इससे पहले भी ऑटिज्म से पीड़ित एक ब्रिटिश कलाकार तब मशहूर हुआ था जब न्यूयॉर्क शहर के ऊपर से एक छोटे से हैलीकॉप्टर यात्रा के बाद उसने शहर की गगनचुंबी इमारतों की पैनारॉमिक व्यू वाली पेंटिंग बना डाली थी। स्टीफन विल्टशायर नामक इस कलाकार की पेंटिंग में गजब की सूक्ष्मता थी।

मेहनत से मिली जीत

बात अगस्त 2013 की है। करीब एक महीने से मुझे बुखार आ रहा था। मेरी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और करीब चार महीने अगस्त से नंवबर तक बिस्तर से उठ नहीं पाई। मैं पूरे पांच महीने तक पढ़ नहीं सकी। छठे महीने में जब स्कूल पहुंची तो मैं बहुत घबराई हुई थी, क्योंकि कोर्स में बहुत ज्यादा पिछड़ चुकी थी। मैं अपने सर के पास जाकर रोने लगी और कहने लगी कि मैं इस साल बोर्ड की परीक्षा नहीं दे पाऊंगी। मेरा एक साल बेकार हो जाएगा। लेकिन मेरे सर ने मुझे ढाढस बंधाया और खूब मेहनत करने की सलाह दी। मेरे मम्मी-पापा ने भी मेरा हौसला बढ़ाया।

आखिरकार मैंने पढ़ाई शुरू कर दी। इसमें मेरे प्रिंसिपल सर, मैथ्स टीचर, मेरे पैरेंट्स और मेरी दादी ने मेरा हौसला तो बढ़ाया ही, उन्होंने मदद भी की। सबकी सलाह पर मैंने हू-ब-हू अमल किया। पूरा कोर्स पढ़ने की बजाय मेन-मेन पॉइंट्स पर फोकस किया। मेरे पैरेंट्स ने कोचिंग लगा दी। पापा गेस पेपर्स लेकर आए, जिनकी मदद से मैंने खूब प्रैक्टिस की। इस बीच मम्मी मेरा पूरा ख्याल रखती थीं। जनवरी-फरवरी, दो महीनों में मैंने कठिन परिश्रम किया और मार्च में दसवीं बोर्ड की परीक्षा दी। मेरे पेपर अच्छे हुए और परिणाम 80.16 परसेंट रहा। सचमुच, मेहनत करना खाली कभी नहीं जाता।

मनोबल रहे ऊंचा

मैं हर साल प्रथम श्रेणी में पास हुआ। कक्षा दस की बोर्ड परीक्षा के लिए तो मैंने ठान लिया था कि मैं अपनी मेहनत और लगन से कॉलेज में टॉप करूंगा। जब मेरा रिजल्ट इंटरनेट पर घोषित हुआ, तो मैं यह देखकर बेहद खुश हुआ कि मैंने 90 परसेंट अंक पाकर कॉलेज टॉप किया है। अब मुझे 11वीं कक्षा में एडमिशन लेना था।

मैंने शुरू के पांच-छह दिन तो क्लास अटेंड की, इसके बाद क्लास ड्रॉप करने लगा। मुझे लगा जिस तरह हाईस्कूल में टॉप किया, उसी तरह 11वीं में भी कर लूंगा। 11वीं की परीक्षा का रिजल्ट आया, तो सभी बच्चे कॉलेज गए। प्रार्थना स्थल पर उन बच्चों के नाम घोषित किए जाते थे, जो कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आते थे। जब नाम घोषित हुए, तो कक्षा 11 में टॉप थ्री में मेरा नाम कहीं नहीं था। वहां सब हैरान थे। मैं चुपके से पंक्ति से बाहर निकला और घर आ गया। मैं समझ नहीं पा रहा था कि घर वालों से क्या कहूंगा। जो हमेशा प्रथम आता था, वह तीसरे स्थान पर भी नहीं था।

पर मैंने खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया। मेरे घर वालों ने मेरी हिम्मत बढ़ाई।

12वीं के लिए फिर से मैंने कठिन परिश्रम किया और खूब पढ़ाई की। मेरी मेहनत और लगन रंग लाई। इसलिए दोस्तो, कभी किसी काम को छोटा या आसान नहीं समझना चाहिए कि तुम उसे छोड़ दो। वहीं, किसी काम को इतना मुश्किल भी नहीं समझना चाहिए कि तुम कर ही न सको। मनोबल एक बहुत बड़ा गुण है। पूरी लगन और मेहनत से किसी चीज को पाने की सोचो, तो वह जरूर मिलती है।

मदद करने से मिलती है खुशी

यह तब की बात है जब मैं 13 साल का था और कक्षा 9 में पढ़ता था। अब मैं 14 साल का हो गया हूं। मेरे पिता जी कहते हैं कि लोगों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए।

%अगर तुम किसी की मदद करना चाहते हो तो तुम्हारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाएगी और एक अलग तरह की खुशी का भी अनुभव होगा।% एक बार हम सपरिवार घर के बाहर गये थे। हम लोग जी.टी. रोड के किनारे पैदल ही चल रहे थे। मैं पापा से पीछे था। तभी मैंने देखा कि सड़क के किनारे एक वृद्ध महिला खड़ी हैं। असल में वह रोड पार करना चाहती थीं, मगर सड़क पर बहुत तेज गाडिया चल रही थीं, इसलिए यह संभव नहीं हो रहा था। कोई भी उनकी मदद करता नहीं दिख रहा था। तभी मुझे पापा कि बात याद आई और मैं दौड़ कर उन महिला के पास गया और कहा, आइए अम्मा मैं आप को रोड पार करा देता हूं।

उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और चलने लगीं। सड़क पर काफी तेजी से वाहन आ-जा रहे थे। लेकिन मेरे अंदर पता नहीं कैसे हिम्मत आ गयी थी। मुझे थोड़ा सा भी डर नही लग रहा था। मैंने उनको आराम से रोड पार करा दिया।

उसके बाद उन्होंने मुझे खूब आशीर्वाद दिया और चली गयी। वास्तव में उस समय मदद करने के बाद मुझे बहुत खुशी महसूस हुई। उस दिन मुझे यह पता चला कि जब हम किसी कि मदद करते हैं तो भगवान भी हमारा साथ देता है और हमें हिम्मत देता है।

बच्चों के लिए ज्यादा डांट-फटकार ठीक नहीं

बचपन में जिन बच्चों को ज्यादा डराया तथा धमकाया जाता है, उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल असर पड़ता है और प्रौढ़ावस्था में इन बच्चों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

ब्रिटेन के मनोचिकित्सकों के अनुसार जिन बच्चों को बचपन में ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ता है अथवा जिनके सहपाठी उन्हें पीटते हैं, तो ऐसे बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य न केवल प्रभावित होता है, बल्कि 50 वर्ष की आयु में इन्हें अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ब्रिटेन के किंग्स कॉलेज लंदन के सायकिएट्री संस्थान के मनोचिकित्सक यू ताकीजावा की अगुवाई में किए गए इस अध्ययन की रिपोर्ट अमेरिकन जर्नल ऑफ सायकिएट्री में शुक्रवार को प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस संबंध में 40 वर्ष पूर्व कराए गए अध्ययन आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।

इस अध्ययन में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में 1958 में एक हफ्ते में जन्में 7,771 बच्चों को शामिल किया गया था। इन बच्चों के माता-पिता से पूछा गया था कि बचपन में उनके साथ घर में क्या बर्ताव होता था और कक्षा में सहपाठी उनके साथ क्या व्यवहार करते थे।

माता-पिता से यह जानकारी भी ली गई कि सात से 11 वर्ष की उम्र में क्या बच्चों को ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ा था। अब 50 वर्ष की उम्र में पहुंच चुके इन व्यक्तियों के अध्ययन से यह पता चला है कि उनमें अवसाद, तनाव और आत्महत्या करने जैसी प्रवृति अधिक देखने को मिली। ये सामाजिक रूप से भी अलग-थलग पाए गए हैं।

सायकिएट्री संस्थान की मनोचिकित्सक लुईस आर्सेनल्ट का कहना है कि अब आप अपने दिमाग से यह धारणा निकाल दीजिए कि बच्चों को बचपन में ज्यादा डांटना या फटकारना जरूरी होता है। शिक्षकों, माता-पिता और नीति निर्माताओं को इस बात से वाकिफ होना चाहिए कि बचपन में स्कूल अथवा घर में बच्चों के साथ जो व्यवहार होता है उसके परिणाम बहुत बाद में दिखाई देते हैं।

विश्व स्वास्य संगठन ने हेपेटाइटिस-बी और सी को खत्म करने के लिए वैश्विक योजना बनाई है।

यह सच है कि हेपेटाइटिस-सी से लोगों के लिवर खराब होने का खतरा होता है। एक अध्ययन के मुताबिक, हेपेटाइटिस-सी का संक्रमण फैल कर दिल के लिए भी समस्या पैदा कर सकता है। अध्ययन इस बात के मजबूत प्रमाण देते हैं कि हेपेटाइटिस-सी से दिल की प्रणाली को नुकसान पहुंच सकता है।

एक विशेषज्ञ के मुताबिक लंबे समय से हेपेटाइटिस-सी से पीड़ित लोगों की रक्त धमनियों में चर्बी और कैल्शियम जम सकता है। उन्होंने बताया कि इसे एरोसिलेसोरिसस कहा जाता है, जो दिल के दौरे और स्ट्रोक की शुरु आत है। इस बात के कारण का तो पता नहीं है कि संक्रमण से धमनियों में जमाव क्यों होने लगता है, लेकिन इस बात के प्रमाण काफी मजबूत हैं कि हेपेटाइटिस-सी के मरीजों में दिल के रोगों संबंधी लक्षणों की जांच होनी चाहिए।

वह कहते हैं कि यह अहम है कि ऐसे मरीजों के लिवर की जांच जरूर हो, लेकिन इसके साथ ही डॉक्टर को दिल के रोगों की जांच भी लगातार करते रहनी चाहिए. कोलेस्ट्रॉल और ग्लूकोज जैसी सालाना जांच, ब्लडप्रेशर की जांच और जीवनशैली से जुड़ी आदतें काफी मददगार साबित होती हैं।

हेपेटाइटिस-सी रक्त के जरिए फैलने वाले वारयस से होने वाला संक्रमण है, जिसकी गंभीरता कई सप्ताह से लेकर जीवनभर तक रह सकती है। असुरक्षित सूई, मेडिकल उपकरणों के उचित स्टेरलाइजेशन न होने

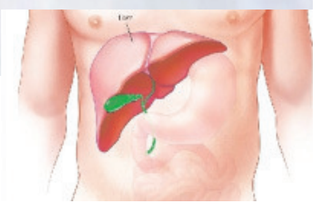

और बिना जांच के रक्त या रक्त तत्व चढ़ाने से हेपेटाइटिस सी हो सकता है।

इससे पीड़ित लोगों को लिवर सिरोसेस या लीवर कैंसर हो सकता है। वैसे तो 90 प्रतिशत मामलों में इस संक्रमण का इलाज एंटीवायरल दवाओं से हो सकता है, लेकिन हेपेटाइटिस-सी का कोई वैक्सीन नहीं है.

विशेषज्ञ ने बताया कि जिन लोगों में हेपेटाइटिस-सी मौजूद हो, उनमें रक्त धमनियों के जाम होने की संभावना 50 प्रतिशत तक बढ़ जाती है. अगर संक्रमण का अच्छे से ध्यान ना रखा जाए तो पूरे शरीर में सूजन फैल सकती है, जिससे रक्त धमनियों के क्षतिग्रस्त होने और दिल की समस्याएं होने का खतरा बढ़ सकता है।

वह कहते हैं कि अगर जांच और इलाज वक्त पर शुरू हो जाए तो हेपेटाइटिस-सी को सेहत पर बिना किसी गंभीर प्रभाव के आसानी से संभाला जा सकता है. यह जरूरी है कि पीड़ित व्यक्ति को डॉक्टर से इस बारे में खुलकर बात करनी चाहिए कि संक्रमण के प्रभावों से लिवर और दिल की पण्राली को बचाने के लिए क्या किया जाए।

उनका सुझाव है कि दिल के रोग से बचने के लिए संतुलित ब्लडप्रेशर और रक्त में चर्बी का अनुपात बनाए रखना जरूरी है, लेकिन जिसे हेपेटाइटिस-सी हो, उसके लिए और बहुत कुछ करना जरूरी हो जाता है। हेपेटाइटिस-सी के वायरस के प्रभाव को कम करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

इस समय पूरी दुनिया में लगभग 40 करोड़ लोग वायरल हैपेटाइटिस से पीड़ित हैं। लिवर की यह बीमारी एचआईवी, मलेरिया और टीबी से भी ज्यादा मौतों के लिए जिम्मेदार है। हर साल हेपेटाइटिस से 10.4 लाख लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। लेकिन सावधानी बरत कर हेपेटाइटिस को रोका जा सकता है। वर्ष 2014 की वर्ल्ड हेल्थ एसेम्बली में 194 सरकारों ने वायरल हेपेटाइटिस की रोकथाम, जांच और इलाज के मसले को हल करने के लिए नियंतण्र स्तर पर जागरु कता फैलाने पर अपनी सहमति दी थी।

कुछ सुझाव हैं-

- शराब से परहेज करें, क्योंकि इसके कारण वायरस तीव्र हो जाता है।
- एंटीवायरल कॉम्बीनेशन थैरेपी से लगभग 50 फीसदी लोग वायरस पर जीत हासिल कर लेते हैं।
- एंटीऑक्सीडेंट्स के साथ सेल्स को सेहतमंद रखें।

डा. अग्रवाल कहते हैं कि संक्रमण को खुला छोड़कर दिल को प्रभावित करने देने की बजाय इसे रोकने के तरीकों पर काम करना आवश्यक है। साथ ही हेपेटाइटिस-सी के वायरस को रोकना लिवर और दिल दोनों के लिए फायदेमंद होगा।

खनिज पदार्थों से भरपूर सूरजमुखी बीज

हम अपने को स्वस्थ रखने के लिए हर चीज अपनाते हैं। शरीर स्वस्थ है तो हर चीज अच्छी लगती है और शरीर बीमारी से ग्रस्त है तो जीवन निरस सा प्रतीत होता है। शरीर को स्वस्ता प्रदान करने के लिए न जाने हमने कितने ही चीजों का जीवन में प्रयोग किया होगा, पर अब आप इनमें सूरजमुखी के बीजों को भी प्रयोग भी करें। सूरजमुखी के बीज खाने के कई स्वास्य लाभ होते हैं। इनके बीजों में काफी सारा विटामिन ''ई' तथा अन्य खनिज पदार्थ होता है, जो सिर से ले कर पांव तक फायदा पहुंचाते हैं। इन दिनों लोग खुद को स्वस्थ रखने के लिए अलसी, कद्दू, तिल और सूजरमुखी के बीजों का सेवन करने लगे हैं। ये बीज न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि इन्हें खाने से पोषण भी मिलता है और यह पेट भी भरते हैं। सूरजमुखी के बीजों को खाने से हार्ट अटैक का खतरा कम होता है, कोलेस्ट्रॉल घटता है, त्वचा में निखार आता है तथा बालों का ग्रोथ होता है।

सूरजमुखी के बीज खाने के स्वास्य लाभ

1. दिल को रखे स्वस्थ : इनके बीजों में विटामिन ''सी' होता है जो कि दिल की बीमारी को दूर रखने में मदद करता है। साथ ही इसमें मौजूद विटामिन ''ई' कोलेस्ट्रॉल को खून की धमनियों में जमने से रोक कर हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा टालता है। एक चौथाई कप सूरजमुखी के बीज 90 फीसदी तक का रोज विटामिन ''ई' प्रदान करता है।

2. कोलेस्ट्रॉल घटाए : इनमें मोनो और पोलीसैच्युरेटेड फैट्स होते हैं, जो कि एक अच्छे फैट माने जाते हैं। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाने का काम करते हैं। इसके अलावा इनमें ढेर सारा फाइबर भी होता है जो कोलेस्ट्रॉल को घटाता है।

3. पेट ठीक रखे : बीज में काफी सारा फाइबर होता है जिससे कब्ज की समस्या ठीक हो जाती है।

4. कैंसर से बचाव : इसमें विटामिन ''ई', सेलियम और कॉपर होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। रिसर्च द्वारा कहा गया है कि यह पेट, प्रोस्ट्रेट और ब्रेस्ट कैंसर से रक्षा करता है।

5. त्वचा निखारे : सूरजमुखी के बीज का तेल त्वचा की नमी बनाए रखने के रूप में अच्छी तरह से बैक्टीरिया के खिलाफ रक्षा करता है।

6. हड्डी मजबूत बनाए : इसमें मैग्नीशियम की भी अधिक मात्रा होती है, जिससे हड्डियों में मजबूती आती है। इसके साथ ही यह हड्डियों के जोड़ों में लचीलापन तथा मजबूती लाता है। गठिया और सूजन के लिए इसमें मौजूद विटामिन ''ई' काफी लाभदायक है।

7. त्वचा रोग दूर करे : सूरजमुखी बीज के तेल में फैटी एसिड होते हैं जो कि त्वचा को बैक्टीरिया से बचा कर एक्ने होने से रोकता हैं। सूरजमुखी तेल एक्जिमा और डर्मेटाइटिस की बीमारी से बचाता है।

8. दिमाग के लिए अच्छा : यह आपके दिमाग को शांत रखता है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम दिमाग की नसों को शांत करता है तथा स्ट्रेस और माइग्रेन से छुटकारा दिलाता है।

9. हेयर ग्रोथ : जिंक से भरे बीज आपके बालों को बढ़ाते हैं। हांलाकि अत्यधिक जिंक के सेवन से बाल झड़ने की समस्या काफी ज्यादा बढ़ सकती है। इसमें मौजूद विटामिन ''ई', सिर में ब्लड सकरुलेशन कर के बालों की ग्रोथ करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

लॉफिंग ज़ोन

नाना ने कुछ बड़े हो गए नाती को गुर की बात समझाते हुए कहा- 'बेटा अब कोई काम धन्धा जमा लो, बेकार फिरना अच्छी बात नहीं। जब मैं तुम्हारी उम्र का था तो मैंने दुकान में 50 रूपये की नौकरी की थी। फिर छः साल बाद उतनी ही बड़ी दुकान बना ली थी।'

नाती से रहा न गया । बोल पडा- 'नाना जी, अब वे जमाने लद गए। अब वैसी तिक़डम नहीं चलती। हर जगह कायदे के अनुसार हिसाब-किताब रखा जाता है।'

□ □ □

बस में सफर कर रही एक लड़की ने एक हाथ में किताबें पकड रखी थीं तथा दूसरे हाथ में बस का डंडा था।

कण्डक्टर- टिकट ले लो।

लडकी-देखते नहीं, मेरे हाथ खाली नहीं है।

कण्डक्टर- एक चीज मुझे दे दो।

लड़की - तो पकड लो बस का डंडा।

□ □ □

एक बच्चा रात को देर से घर गया। मां ने पूछा-'कहां थे अब तक' 'जी मैं फिल्म देखने गया था, मां का प्यार।'

मां ने कहा-'जाओ ऊपर बाप का गुस्सा भी देखो।'

काकुरो पहेली - 4062

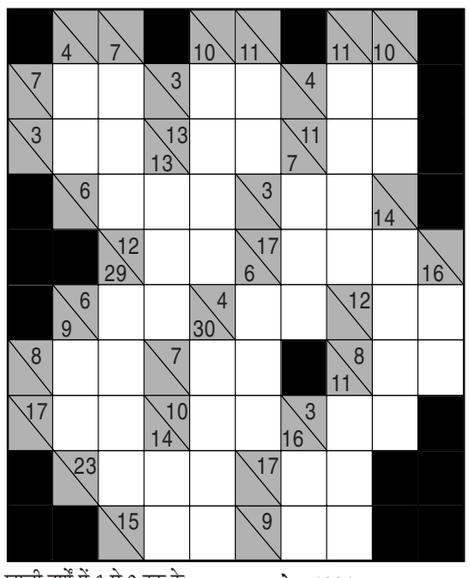

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

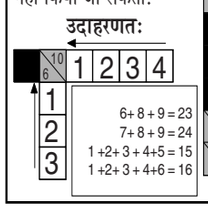

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4061 का हल

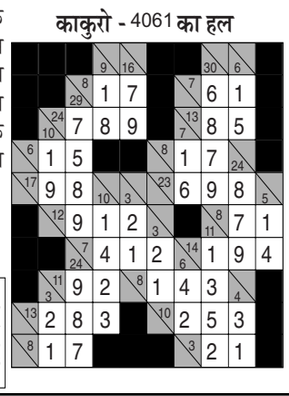

फिल्म वर्ग पहेली- 4062

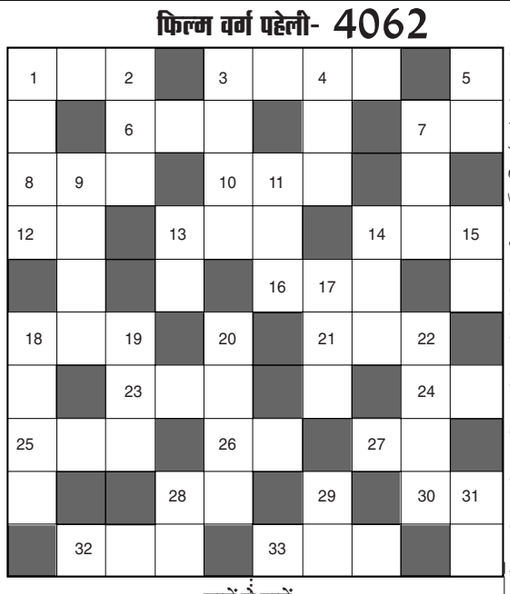

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4061

सूडोकु -4062

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4061 हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली -4062

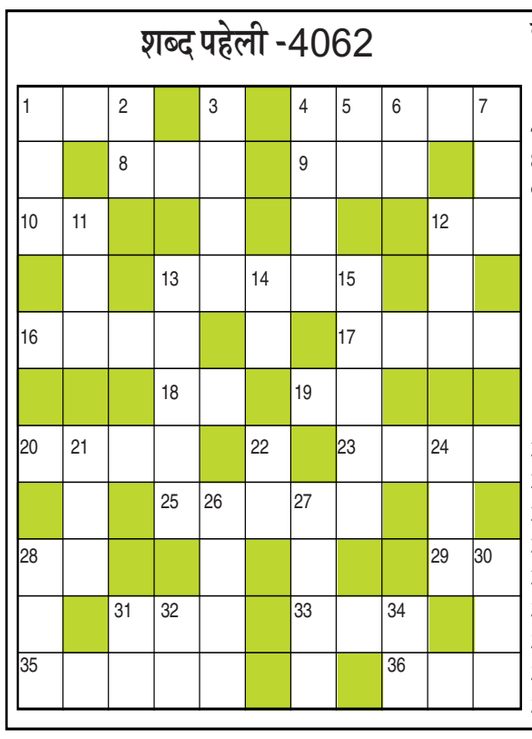

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -4061 का हल

राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द मिल सकते हैं 10 नए जज

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द ही 10 नए जज मिल सकते हैं। हाईकोर्ट कॉलेजियम ने जयपुर और जोधपुर के 10 अधिवक्ताओं के नाम सुप्रीम कोर्ट कालेजियम को भेजे हैं। इनमें जयपुर से एडवोकेट संदीप तनेजा, शीतल मिर्धा, आनंद शर्मा, अनुरुप सिंघी ओर बिपिन गुप्ता शामिल हैं। जोधपुर से एडवोकेट विनय जैन, बलजिंदर सिंह संधु, संदीप शाह, मुकेश राजपुरोहित और सुनील बेनीवाल शामिल हैं।

तनेजा को वर्तमान भाजपा सरकार ने अतिरिक्त महाधिवक्ता बनाया है जबकि शीतल मिर्धा पिछली कांग्रेस सरकार में अतिरिक्त महाधिवक्ता थीं। वहीं संदीप शाह और सुनील बेनीवाल भी पिछली कांग्रेस सरकार में अतिरिक्त महाधिक्ता रहे थे। जबकि जयपुर से आनंद शर्मा और जोधपुर में मुकेश राजपुरोहित केंद्र सरकार के एडवोकेट हैं। सूत्रों के अनुसार केंद्र सरकार ने इन नामों की आईबी रिपोर्ट मांग ली है और जल्द ही आईबी रिपोर्ट के साथ नाम सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के विचारार्थ भेजे जाएंगे।

जजों की कमी से जूझ रहा है हाईकोर्ट

राजस्थान हाईकोर्ट में जजों की कुल स्वीकृत संख्या 50 है लेकिन,वर्तमान में मात्र 32 जज ही कार्यरत हैं। जबकि हाईकोर्ट मुकदमों के अंबार से जूझ रहा है। राजस्थान हाईकोर्ट में तक 6,63,162 मुकदमे लंबित चल रहे हैं। इनमें से जोधपुर मुख्य पीठ में 2,77,795 और जयपुर बैंच में 3 85,367 मुकदमे लंबित चल रहे हैं।

कर्ज में डूबी मध्य प्रदेश सरकार संपत्तियों को बेचने की तैयारी में : जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश पर लगातार बढ़ रहे कर्ज के बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार संपत्तियों को बेचने के साथ किराये पर देने की तैयारी में है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने एक्स पर लिखा, 'एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। तीन लाख 73 हजार करोड़ रुपये के कर्ज में डूबी मध्य प्रदेश सरकार देश के दूसरे राज्यों में मौजूद राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों की संपत्ति बेचने और उसे किराए पर देने की तैयारी कर रही है। वित्त विभाग ने सभी विभागों को पत्र लिखकर जानकारी भी मांग ली है। पूछा जा रहा है कि किस राज्य में कितनी संपत्ति किस रूप में है, उसका मूल्य क्या है? अगर किसी प्रॉपर्टी का कोर्ट में केस चल रहा है, किसी तरह का विवाद है तो इसकी भी जानकारी दी जाए। उन्होंने आगे कहा है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परंपरा का पालन करना शुरू कर दिया है। कर्ज ले-लेकर जब कर्ज मिलना बंद हो गया तो प्रदेश की संपत्ति को बेचने का विकल्प खोज लिया गया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि इस कवायद का मकसद मध्य प्रदेश के बाहर मौजूद विभिन्न विभागों की संपत्ति का डेटा जुटाना है, ताकि उसे बेचकर या किराये पर देकर राशि जुटाई जा सके। संपत्ति के मौजूदा स्वरूप के साथ, उसके मूल्य की जानकारी भी मांगी गई है।

मोदी सरकार ने अपने एजेंडे में आधी आबादी को स्थान देकर बढ़ाया सम्मानः सीएम योगी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में भारत सरकार के एजेंडे में प्रभावी ढंग से देश की आधी आबादी को स्थान देकर उनका सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने देश में जिन चार जातियों पर चर्चा की थी। उनमें गरीब, अन्नदाता, नौजवान और महिलाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के खेल मैदान में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से आयोजित मातृशक्ति सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान कर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश में वर्ष 2014 के बाद बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से लेकर मातृ वंदन समेत अन्य अभियान चलाए गये हैं। केन्द्र सरकार ने नई संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित करके आधी आबादी को देश की विधायिका में प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है। इसके प्रति देश, प्रदेश और काशीवासी की आधी आबादी उनके प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए हृदय से स्वागत करती है।

रुद्रप्रयाग की सीमा से केदारनाथ धाम तक सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद

रुद्रप्रयाग। ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों को साफ-स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ जुटा हुआ है। खासतौर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी केदारनाथ धाम की स्वच्छता को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में शासन-प्रशासन से लेकर सरकार भी सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दे रही है। जिला पंचायत, नगर पालिका, नगर पंचायत एवं सुलभ इंटरनेशनल के सफाई कर्मचारी निरंतर सफाई अभियान चलाए हुए हैं जिससे देश-विदेश से यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु यहां से अच्छा संदेश लेकर जा रहे हैं। इस बार रुद्रप्रयाग की सीमा सिरोबगड़ से लेकर केदारनाथ धाम तक सफाई को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पिछली यात्रा के मुकाबले इस बार की यात्रा में साफ सफाई चाक-चौबंद नजर आ रही है, जिससे देश-विदेश से चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं में भी अच्छा संदेश जा रहा है। तीर्थयात्रियों का कहना है कि वे इस बार यात्रा मार्गों पर बेहतर साफ व्यवस्था देख रहे हैं जबकि गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ पैदल पर भी स्वच्छता बनी हुई है। गंदगी होने पर सफाई कर्मचारी तुरंत आकर गंदगी को हटा रहे हैं। राजस्थान से आये दिवाकर सिंह ने कहा कि केदारनाथ यात्रा मार्गों में सफाई व्यवस्था चाक चौबंद देखने को मिली।

बलरामपुर में सपा प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा का जनसंपर्क के दौरान विरोध, वीडियो वायरल

एजेंसी

बलरामपुर। श्रावस्ती लोकसभा सीट के इंडी गठबंधन प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा को जनसंपर्क के दौरान लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इस विरोध का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें लोग पांच वर्षों का हिसाब मांग रहे हैं।

सोशल मिडिया पर वायरल विडियो श्रावस्ती लोकसभा सीट के जमुनहा का है। यहां पर श्रावस्ती लोकसभा सीट से गठबंधन प्रत्याशी व वर्तमान सांसद राम शिरोमणि वर्मा समर्थकों के साथ जनसंपर्क करने पहुंचे थे। लोगों ने सड़क पर जलभराव दिखाते हुए उनसे पांच वर्ष के विकास का हिसाब मांगा। लोगों ने चुनाव जीतने के बाद पांच साल तक क्षेत्र में न आने व लोगों की समस्याओं को नजर अंदाज करने

का भी आरोप लगाया। इस पर सपा प्रत्याशी कोई जवाब दिए बगैर लोगों को समझाते हुए मुस्कुरा कर समर्थकों के साथ वहां से चले गए। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसको लेकर लोग तरह-तरह की अपनी प्रतिक्रिया भी देना शुरू कर दिए हैं।

बिहार के सीतामढ़ी में हिट एंड रन मामले में तीन की मौत, छह घायल

एजेंसी

सीतामढ़ी (बिहार)। बिहार के सीतामढ़ी जिले में रात हिट रन मामले में तीन लोगों की मौत हो गई और छह लोग जख्मी हो गए।

घटना नगर से करीब तीन किलोमीटर दूर सीतामढ़ी-बरियारपुर सड़क मार्ग पर स्थित मोहनपुर की है। मंगलवार रात करीब पौने ग्यारह बजे अनियंत्रित ट्रक ने टेंपो को बुरी तरह से रौंद दिया। हासते में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि छह अन्य लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए। सभी घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। स्थिति गंभीर होने के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ भी सकती है।घटना के बाद ट्रक चालक भागने

में सफल हो गया जबकि टेंपो के परखच्चे उड़ गए। बताया जाता है कि टेंपो सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन से बथनाहा थाना के रमनगरा गांव जा रही थी। सीतामढ़ी में ट्रेन से उतरे यात्री टेंपों पर सवार थे। इसमें नौ लोगों के सवार होने की बात कही जा रही है। घटना की सूचना पर पहुंची 112 एवं मेहसौल ओपी पुलिस ने जख्मी को अपने वाहन से सदर अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान नेपाल निवासी मो. समसूल, रीगा थाना क्षेत्र के फतहपुर निवासी नशो खान, रमनगरा निवासी रोजा अंसारी की पुत्री खजीदा खातून के रूप में की गई है। वहीं, अन्य जख्मी की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बाहर रेफर कर दिया गया है।इधर, सदर अस्पताल में सदर एसडीपीओ वन राम कृष्णा और एसडीएम संजीव कुमार मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में जुट गए।

एसडीपीओ 1 राम कृष्णा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच राहत और बचाव कार्य में जुट गई।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की जनसभा मडिहान के देवरीकला में 23 मई को

भारी वाहनों का प्रवेश मीरजापुर शहर में पूर्णतया प्रतिबंधित

एजेंसी

मीरजापुर। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की 23 मई को मडिहान के देवरीकला में प्रस्तावित जनसभा को देखते हुए 22 मई की सुबह छह बजे से 23 मई को रात 10 बजे तक रूट डायवर्जन किया गया है। इस दौरान भारी वाहनों का प्रवेश मीरजापुर शहर में पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही राजगढ़ तथा यादव चौराहा बरकछा के बीच भी भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। यातायात प्रभारी विपिन पांडेय ने बताया कि गोपीगंज से चील्ह तिराहा होते हुए मीरजापुर की तरफ आने वाले सभी भारी वाहन चील्ह तिराहे से वाया औराई, राजातलाब, टेगंरामोड़, नरायनपुर, चुनार की तरफ डायवर्ट

किए जाएंगे। औराई के रास्ते चील्ह तिराहा से मीरजापुर की तरफ प्रवेश करने वाले भारी वाहनों को टेढ़वा चौकी से वाया औराई राजातलाब, टेंगरा मोड़, नरायनपुर, चुनार की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

मांडा, जिगना होते हुए विंध्याचल के रास्ते मीरजापुर में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों को गैपुरा चौराहा से वाया विजयपुर लालगंज की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। लालगंज की तरफ से आने वाले भारी वाहन जो समोगरा बाईपास करनपुर चौकी से होते हुए बथुआ तिराहा की तरफ प्रवेश करते हैं, उन्हें समोगरा बाईपास से चुनार की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। इसी तरह राजगढ़, मड़िहान, बरकछा होते हुए मीरजापुर शहर में प्रवेश करने वाहनों को राजगढ़ चौराहा, थाना राजगढ़ से वाया सक्तेशगढ़ होते हुए दुर्गाजी मोड़ चुनार एनएच- 35 की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। वहां से वाया नरायनपुर, टेंगरा मोड़, राजातलाब होते हुए वाराणसी, भदोही, जौनपुर, प्रयागराज की तरफ वाहन जाएंगे। चुनार के रास्ते अघवार पड़री होते हुए शहर की तरफ आने वाले भारी वाहनों को अघवार से लालगंज की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। यह डायवर्जन 23 को रात 10 बजे तक लागू रहेगा। प्रतिबंध से एंबुलेंस, पुलिस, अग्निशमन, पेट्रोलियम व गैस वाहन, सवारी बस, हल्के चार व तीन पहिया वाहन मुक्त होंगे।

पीएम के संसदीय क्षेत्र में 25 मई को कांग्रेस के लिए रोड शो करेंगी प्रियंका गांधी

एजेंसी

वाराणसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा 25 मई को वाराणसी में पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के समर्थन में एक रोड शो करेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाई प्रोफाइल सीट वाराणसी से लगातार तीसरी बार सांसदी की दावेदारी कर रहे हैं। अजय राय ने बुधवार को कहा, 'हां, प्रियंका गांधी चुनाव प्रचार करेंगी और 25 मई को वाराणसी में रोड शो करेंगी।' राय यहां पिछले कुछ दिनों से जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में हैं। अपने भाई राहुल तथा पार्टी के दूसरे वरिष्ठ नेताओं की तरह वह भी विभिन्न राज्यों में चुनाव प्रचार कर रही हैं।उन्होंने राय बरेली में भी पिछले दिनों प्रचार किया था जहां से राहुल गांधी उम्मीदवार हैं। अमेठी में उन्होंने के.एल. शर्मा के लिए प्रचार किया।

वाराणसी में सातवें और अंतिम चरण में 1 जून को मतदान होना है।

सपा में शामिल हुए बाहुबली चंद्रभद्र सिंह, अखिलेश यादव से की मुलाकात

एजेंसी

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के बीच बाहुबली नेता और पूर्व विधायक चंद्रभद्र सिंह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। उन्होंने सपा में शामिल होने के बाद अखिलेश यादव से मुलाकात की है। दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें भी सामने आ गई हैं। चंद्रभद्र सिंह बीते कुछ दिनों के दौरान मेनका गांधी के निशाने पर रहे हैं। चंद्रभद्र सिंह बीते 2019 के लोकसभा चुनाव मेनका गांधी के खिलाफ उम्मीदवार थे। इसी चुनाव को याद करते हुए बीते दिनों बीजेपी सांसद ने कहा था कि पिछली बार मेरा मुकाबला एक आपराधिक छवि के प्रत्याशी से हुआ था। बता दें कि चंद्रभद्र सिंह इसौली से विधायक रह चुके है। उनके पिता इंद्रभद्र सिंह भी विधायक थे। सोनू सिंह ने वर्ष 2019 में सुल्तानपुर से बसपा के टिकट पर भाजपा प्रत्याशी मेनका गांधी के खिलाफ चुनाव भी लड़ा था। हालांकि करीब छह माह बाद ही बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोनू सिंह और उनके भाई मोनू सिंह को पार्टी से बर्खास्त कर दिया था। सपा के

राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी ने कहा कि चंद्रभद्र सिंह सोनू के आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। दरअसल, आगामी 25 मई को सुल्तानपुर में मतदान होना है। इससे पहले सोनू सिंह के सपा में शामिल होने के बाद माना जा रहा है कि इससे सपा प्रत्याशी को मदद मिलेगी। बता दें कि सोनू सिंह के खिलाफ वर्ष 1995 से 2022 तक सुल्तानपुर में 30 मुकदमे दर्ज रहे हैं।

बढ़ने वाली हैं एल्विश यादव की मुश्किलें, नोएडा पुलिस की चार्जशीट से ईडी लेगी जानकारी

एजेंसी

नोएडा। यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें अब जल्द ही बढ़ने वाली हैं। नोएडा पुलिस के बाद अब इस मामले की जांच ईडी कर रही है। ईडी की जांच अब तेज हो गई है।

इस मामले में नोएडा पुलिस ने 1200 पन्ने की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की है, जिसमें एल्विश समेत उसके 8 सहयोगियों पर लगे तमाम आरोपों को साबित करने की बात नोएडा पुलिस ने की है। ईडी अब इस केस से जुड़ी जानकारी नोएडा पुलिस से जुटाएगी और चार्जशीट में दर्ज अहम सबूतों के जरिए अपनी जांच को और आगे बढ़ाएगी।

नोएडा पुलिस ने इस मामले में एल्विश, विनय और ईश्वर के मोबाइल फोन की फॉरेंसिक लैब भेज चुकी है, जिसमें मौजूद कई राज जल्द ही बाहर आएंगे। जानकारी के मुताबिक, गुरुग्राम के होटल में एल्विश और विनय की पार्टनरशिप भी पाई गई है।

इस मामले में ईडी अब तक विनय यादव और ईश्वर से पूछताछ कर चुकी है। अब जल्द ही एल्विश यादव से पूछताछ की जाएगी। गौरतलब है कि यूट्यूबर एल्विश यादव समेत अन्य 8 सहयोगियों के खिलाफ नोएडा पुलिस ने कोर्ट में जो चार्जशीट दाखिल की है। उसमें उन तमाम आरोपों को साबित करने के लिए पुलिस ने सबूत होने की बात कही है। इन सबूतों में चाहे इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस हो, एफएसएल रिपोर्ट हो या फिर 24 गवाहों के दर्ज बयान हों, सबका जिक्र 1200 पन्ने की चार्जशीट में किया गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जिन तीन फोन को फॉरेंसिक लैब भेजा गया है, उनमें डिलीट वीडियो और चैट में रेव पार्टी और सांपों के जहर से जुड़े कई वीडियो और बातें शामिल थीं, जिनके रिकवर हो जाने से पुलिस की चार्जशीट को और भी बल मिलेगा। साथ ही, आरोपियों पर दर्ज किए गए वन्य जीव संरक्षण मामले को भी पुलिस पुख्ता कर सकेगी।

लखनऊ में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, गोली से बदमाश घायल, साथी फरार

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार तड़के दो बदमाशों और चिनहट पुलिस की मुठभेड़ हो गई। एक बदमाश के पैर में गोली लगी है, जबकि दूसरा मौके से फरार हो गया। चिनहट पुलिस के मुताबिक, घायल बदमाश की पहचान हिस्ट्रीशीटर नितिन कुंडी के रूप में हुई है। उसका साथी शेखर कौशल फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। बदमाश नितिन अपने साथी के साथ देवा रोड पर होने की जानकारी मिली थी। पुलिस ने घेराबंदी की तो वह बचने के लिए दयाल फार्म को ओर भागा। पुलिस ने उसे चारों तरफ से घेर लिया तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्यवाई में पुलिस ने गोली चलाई तो वह घायल हो गया। इसी बीच उसका साथी भाग निकला। पुलिस ने घायल को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया। उसके पास से कार, पिस्टल और गोलियां मिली।

चाल, चरित्र और चेहरा सारी दुनिया जानती, सौदों में कांग्रेस ने दलालियां ही खाईं : अनुराग ठाकुर

एजेंसी

हमीरपुर। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि कांग्रेस का चाल, चरित्र और चेहरा पूरी दुनिया जानती है। आजादी के बाद कांग्रेस ने रक्षा में जिस बड़े स्तर पर दलालियां खाई हैं, उससे कांग्रेस का मन अभी भी भर नहीं है। दलाली खाने की उसकी नीयत में कोई फर्क नहीं पड़ा है। तभी तो बेवजह के आरोप भाजपा पर इसके नेता लगाते रहते हैं।

अनुराग बड़सर और नादौन विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बड़सर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी इंद्रदत्त लखनपाल और स्वंय के लिए बोट मांगे। इस मौके पर पार्टी प्रत्याशी इंद्रदत्त लखनपाल, बड़सर के पूर्व विधायक बलदेव शर्मा, जिला परिषद सदस्य राजेश कुमार सहित काफी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

उन्होंने कांग्रेस पर जमकर हमला किया और कहा कि कांग्रेस के नेता सेना की सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाते हैं, वे देश को क्या ज्ञान बांट रहे हैं? कांग्रेस को बताना चाहिए। ठाकुर ने कहा कि जब भारत की सेना ढोकला में चीनी सेना को मुंहतोड़ जवाब दे रही थी, तो कांग्रेस नेता चीनियों के साथ बंद कमरे में गुफ्तगू कर रहे थे। कांग्रेस को बताना चाहिए कांग्रेस का चीन के साथ क्या समझौता हुआ है। उससे कितने करोड़ लिए हैं। ठाकुर ने कहा कांग्रेस के लोग चीन की पार्टियों से पैसा ऐंठ रहे हैं। राहुल गांधी ने चीन से क्या लिया है, इसको जग जाहिर करना समय की जरूरत है।

कांग्रेस पार्टी ने चीन से कितना पैसा लिया है और कौन से हस्ताक्षर बंद कमरे में किए हैं? इसको जनता के सामने राहुल गांधी को हर हाल में पेश करना चाहि। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने भारत की सीमाओं को चीन, पाकिस्तान, श्रीलंका, कच्चा थियु, आइलैंड को देने का काम किया है। इससे बड़ी शर्मनाक बात और क्या हो सकती है।

आपदा के समय केंद्र से हिमाचल को करोड़ों रुपए की सहायता की गई है। जिसके लिए हिमाचल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आपदा के समय हिमाचल प्रदेश को केंद्र की ओर से 1700 करोड़ रुपए दिए गए। नुक्सान आंकने के लिए दो हेलीकॉप्टर भेजे गए। 13-13 एनडीआरएफ की टीमें भेजी गईं। मनरेगा के द्वार खोले गए। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा बीस हजार मकान लोगों को वितरित किए गए हैं। उनका कहना था कि देश की जनता का मोह कांग्रेस से भंग हो चुका है।

हुड्डा को रोहतक का नहीं, सिर्फ अपने बेटे का विकास चाहिए : जेपी नड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के घर रोहतक में 'शक्ति प्रदर्शन' किया। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रोहतक लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अरविंद शर्मा के समर्थन में भव्य रोड शो निकाला और भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी तीखे हमले किए। नड्डा ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच रोड शो में उमड़े जनसैलाब ने बता दिया कि देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जनसमर्थन बता रहा 'एक बार फिर मोदी सरकार'। उन्होंने कहा कि इस बार 400 पार और देश में एक मजबूत सरकार। जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि हुड्डा को प्रदेश और रोहतक का नहीं, बल्कि सिर्फ अपने बेटे का विकास चाहिए। इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रोहतक के पावर हाउस से अंबेडकर चौक तक करीब दो किलोमीटर लंबा रोड शो निकाला। इस दौरान उनके साथ रथ पर भाजपा उम्मीदवार अरविंद शर्मा, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, अरविंद यादव और रणबीर ढाका मौजूद रहे।

रोहतक में भीषण गर्मी के बीच रोड शो के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का जगह-जगह फूल मालाओं और फूल बरसाकर स्वागत किया गया। रोड शो मॉडल टाउन, कोऑपरेटिव बैंक, अशोका चौक, सुभाष चौक, सोनीपत स्टैंड होते हुए डॉ. अंबेडकर चौक पर संपन्न हुआ। यहां नड्डा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। रोहतक में भीषण गर्मी के बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी और लोगों ने भाजपा प्रत्याशी अरविंद शर्मा के समर्थन में वोट देने का संकल्प लिया। जिले में 47 डिग्री तापमान के बीच भाजपा कार्यकर्ता और लोग सड़क पर लंबी-लंबी कतारों में खड़े देखे गए। रोड में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया।

उजनी बांध में तेज हवा और बारिश से पलटी नाव, 6 लोग डूबे

एजेंसी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में उजनी बांध में नाव पलटने से दो बच्चों समेत छह लोग डूब गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। और भूगांव गांव के बीच संचालित होती है। उन्होंने बताया कि मंगलवार शाम सात लोगों को ले जा रही नाव तेज हवाओं और बारिश के बाद पलट गई। उन्होंने बताया कि नाव पर सहायक

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना मंगलवार शाम को तेज हवाएं चलने और बारिश के बाद हुई। इंदापुर के तहसीलदार श्रीकांत पाटिल ने बताया कि डूबने वालों में तीन पुरुष, एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नाव सेवा कलाशी पुलिस निरीक्षक श्रेणी का एक अधिकारी भी सवार था जो नाव पलटने पर तैरकर सुरक्षित निकल आया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और स्थानीय प्रशासन की मदद से तलाश अभियान जारी है।

पुलिस और सुरक्षा बलों ने 10 नक्सलियों को गिरफ्तार कर अदालत में किया पेश

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के सुकमा जिले के जंगलों से पुलिस और सुरक्षा बलों ने एक हार्डकोर एवं इनामी नक्सली समेत 10 नक्सलियों को गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने आज बताया कि नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर रविवार को नक्सलियों के कोर क्षेत्र में रवाना हुए पुलिस जवानों और सुरक्षा बलों ने नक्सल अभियान के दौरान ग्राम दुलेड़ के जंगल के पास से नक्सलियों को गिरफ्तार किया। नक्सलियों को गिरफ्तार करने में जिला पुलिस बल, डीआरजी सुकमा एवं कोबरा बटालियन की 204वीं, 206वीं एवं 208वीं वाहिनी की विशेष भूमिका रही है। इसी के तहत पुलिस और सुरक्षा बलों को यह कामयाबी मिली है। नक्सलियों की लगातार उपस्थिति की सूचना मिलने पर जिला पुलिस बल, डीआरजी सुकमा एवं 204, 206, 208 कोबरा वाहिनी की संयुक्त पार्टी नक्सल विरोधी अभियान हेतु माओवादी के कोर एरिया ग्राम दुलेड़, बोट्टेतोंग, रासापल्ली, पीनाचंदा, ईरापल्ली, मेट्टामुड़ेम एवं आसपास क्षेत्र की ओर रवाना हुई थी।

कर्नाटक में मेरे नेतृत्व में सत्ता में आई कांग्रेस सरकार : शिवकुमार

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि उनके नेतृत्व में कर्नाटक में कांग्रेस सरकार सत्ता में आई। उपमुख्यमंत्री ने बेंगलुरु में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) द्वारा सम्मानित किए जाने के दौरान कहा कि कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में मेरे चार साल के कार्यकाल में, यह महत्वपूर्ण है कि पार्टी मेरे नेतृत्व में सत्ता में आई। उनके इस बयान से मुख्यमंत्री पद को लेकर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच मतभेद की बहस फिर से शुरू हो गई है।

शिवकुमार ने कहा कि हालांकि वह वर्तमान में केपीसीसी के अध्यक्ष हैं, लेकिन यह तय नहीं है कि वह इस पद पर कितने समय तक रहेंगे। जमीनी स्तर पर पार्टी के लिए काम नहीं करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं पर बरसते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग पार्टी के लिए वोट पाने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें कोई पद नहीं मांगना चाहिए। शिवकुमार ने समारोह के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, सबसे पहले, पार्टी को बूथ स्तर पर

संगठित करें। बूथ स्तर पर बढ़त सुनिश्चित करें और फिर नेतृत्व की भूमिकाएं मांगें। नहीं तो मौका नहीं मिलेगा। केवल सफेद कपड़े पहनना और सफेद कारों से घूमना, किसी भी पद की योग्यता नहीं है। व्यवस्थित करें या खाली करें। यदि आप असफल होते हैं, तो नया नेतृत्व तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के निर्देशानुसार, कनकपुरा के एक ग्रेनाइट पत्थर का उपयोग तमिलनाडु में उस स्थान पर किया गया है, जहां दिवंगत पीएम राजीव गांधी ने अपनी जान गंवाई थी। बेंगलुरु में, राजीव गांधी की प्रतिमा को बदल दिया गया है। इसका उद्घाटन एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 33वीं पुण्य तिथि के अवसर पर आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर विधान सौध में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया उस समय नाराज हो गए, जब उन्हें उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के आने तक इंतजार करने के लिए कहा गया। मुख्यमंत्री समय पर पहुंचे लेकिन शिवकुमार को देर हो गई। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव रजनीश गोयल को कार्यक्रम शुरू करने और शिवकुमार को बाद में शामिल होने देने का निर्देश दिया।

यह करें जब बच्चे दें पलटकर जवाब

कई बार बच्चे माता-पिता की बातों पर ठीक से जवाब नहीं देते हैं या फिर चिल्लाकर जवाब देते हैं। उनके ऐसे तौर-तरीकों से माता-पिता का आहत होना स्वाभाविक है लेकिन माता-पिता को ऐसे समय अपने बच्चों को समझना चाहिए। उनका दिल टटोलना चाहिए और उनके साथ मित्र की तरह पेश आना चाहिए। अगर बच्चों के उग्र व्यवहार को माता-पिता सही दिशा नहीं देते हैं तो बच्चे लगातार उसी तरह का व्यवहार दोहराते हैं। आइए जानें उन तरीकों को जिनके जरिए बच्चों के व्यवहार को संतुलित किया जा सकता है।

उसकी बात सुनें

जब भी बच्चा पलटकर जवाब दे तो माता-पिता को अपनी प्रतिक्रिया बहुत सावधानी से देना चाहिए क्योंकि यह बच्चे के साथ उनके संबंध को खराब कर सकती है। जब बच्चा गुस्से में है तब उसके प्रति अधिक उदार बनने की जरूरत है। ऐसे समय अगर आप सख्ती से पेश आएंगे तो बच्चे को लगेगा कि आप उसे कुछ भी बोलने की इजाजत नहीं दे रहे हैं। इसके बजाय उसके मन में जो भी बात है उसे निकल जाने दें।

अगर माता-पिता बच्चे से कहते हैं कि 'हम तुम्हारे माता-पिता हैं और तुम इस तरह से कैसे बात कर सकते हो?' तो यह बात बच्चे को और चिढ़ाने वाली ही होगी। अगर आप ऐसे समय बच्चे से कह सकें कि इस विषय पर आप उसके साथ बाद में बात करेंगे तो बेहतर होगा।

बच्चे की परेशानी जानें

बच्चे के चिढ़ने पर माता-पिता का गुस्सा करना जायज नहीं होगा बल्कि उन्हें बच्चे के चिढ़ने की वजह जानने की कोशिश करना चाहिए। हो सकता है कि बच्चा इसलिए गुस्सा कर रहा हो क्योंकि वह स्कूल में खुद को ठीक स्थितियों में नहीं पा रहा हो या फिर वह अपने दोस्तों के साथ ठीक तरह की स्थिति में न हो। स्कूल के होमवर्क का दबाव भी उसे चिढ़ा सकता है। जब भी वह पलटकर जवाब दे तो शांति के साथ उससे पूछिए कि आज उसके साथ क्या हुआ। वह बहुत सहजता के साथ आपके साथ बातचीत करेगा।

बातचीत से समझाएं

जब भी बच्चा तेज आवाज में आपको पलटकर जवाब दे तो उसे बहुत शांति के साथ समझाएं कि उसका इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं है। बच्चे अक्सर अपने दोस्तों को देखकर इस तरह का व्यवहार करना सीखते हैं और अगर उन्हें समझाया जाए कि इस तरह का व्यवहार के कारण उन्हें कोई पसंद नहीं करेगा तो वे इस तरह का व्यवहार दुबारा नहीं करेंगे।

वह आपसे ही सीखता है

अगर आप बच्चों को कुछ सिखाना चाहते हैं तो उसके लिए आपको खुद मॉडल बनना होगा। अगर माता-पिता आपस में ठीक से बातचीत नही करते हैं या उपयुक्त संबोधनों का उपयोग नहीं करते हैं या एकदूसरे से ऊंची आवाज में बात करते हैं तो बच्चे भी उन चीजों को सीखते हैं। इसलिए अगर बच्चे को उपयुक्त व्यवहार सिखाना है तो माता-पिता को अच्छा व्यवहार करना होगा।

उसकी तारीफ करें

जब भी बच्चे कोई अच्छा काम करते हैं तो उसकी तारीफ करने से न चूकें। ऐसा होने पर अगली बार वे उस तरह का व्यवहार करने को प्रेरित होंगे।

महंगाई भरे इस जमाने में आज घर के सारे सदस्य ही जॉब या बिजनेस में व्यस्त है। बहुत सारे पैरेंट्स ऐसे हैं जो नौकरी करते हैं। ऐसे में उनके सामने बच्चों की देखभाल करने की कड़ी चुनौती होती है। बच्चों को अकेला घर में छोड़ कर जाना आसान काम नहीं है। अगर बच्चा समझदार नहीं हैं तो ऐसी परिस्थिति में उसे अकेला छोड़कर काम पर जाना मां-बाप की बेवकूफी कहलाएगी लेकिन अगर काम पर जाना आपकी मजबूरी है चो कुछ बातों का ख्याल रखें तो आप बच्चे को बिना किसी परेशानी के घर पर छोड़कर जा सकते है।

ध्यान दें

बच्चे को घर पर अकेले छोड़कर जा रहे हैं!

1. बच्चे के पास कोई मोबाइल जरूर छोड़ें ताकि वह समय-समय पर आप से बात करता रहे और आप भी वक्त-वक्त पर उसकी खोज-खबर लेते रहें।
2. बच्चे को कुछ इमरजैंसी नंबर देकर जाएं ताकि कोई अनहोनी होने पर वह मदद बुला सके।
3. बच्चे को घर के किसी एक कोने या कमरे में बंद मत करें। वरना वह मुश्किल के समय में वहां से बाहर नहीं निकल पाएगा।

4. बच्चे को अपने सामने दरवाजा बंद करना और खोलना सिखाएं।
5. बच्चे के खाने-पीने की चीजें डाइनिंग टेबल पर ही रखकर जाएं ताकि भूख लगने कुछ खा सके।
6. उन्हें कोई न कोई क्रिएटिव काम देकर जाएं, जिससे उसका समय भी जल्दी बीत जाए और वह कुछ ऐसा नहीं करेगा जो उसके लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

बच्चों को सर्दी-खांसी से बचाने के घरेलू उपचार

र साल सैकड़ों नवजात एवं छोटे बच्चे, विशेष कर कमजोर इम्यून सिस्टम की कमजोरी के कारण, सर्दी-खांसी का शिकार होते हैं। बच्चे इन्फेक्टेड हवा या किसी इन्फेक्टेड व्यक्ति की समीपता के कारण, विभिन्न प्रकार के इन्फैक्शन फैलाने वाले जर्म के संपर्क में आ जाते हैं। बीमार बच्चे की देखरेख, माँ-बाप समान रूप से मुश्किल हो सकती है। अमेरिकन बाल-रोग अकादमी, छः वर्ष से कम आयु के बच्चों को सर्दी-खांसी की दवाईयां ना देने की सलाह देती है क्योंकि माना जाता है कि बच्चों के लिए दवाईयों के प्रयोग से घातक दुष्परिणाम हो सकते हैं। इस कंडीशन में प्राकृतिक तरीकों से ही उपचार करना श्रेष्ठ है। घरेलू उपचार बच्चों की सर्दी-खांसी में राहत पहुंचा कर उनके इम्यून सिस्टम को शक्तिशाली बनाते हैं।

बच्चों को सर्दी-खांसी में कारगर नौ टॉप ट्रीटमेंट:

1. स्पंज-स्नान

छोटे बच्चों का बुखार कम करने एवं शरीर के तापमान को ठीक करने हेतु, उन्हें दिन में दो से तीन बार ठन्डे पानी से अथवा स्पंज-स्नान करवाएं । स्पंज को कमरे के तापमान के बराबर-तापमान वाले पानी में भिगोकर उसका अतिरिक्त पानी निचोड़ लें । और फिर बच्चे के तापमान को कम करने के लिए उसके हाथ-पैर, कांख एवं उसके कमर से नीचे के हिस्से को पोंछे । एक अन्य विकल्प के तहत आप बच्चे के माथे पर गीली पट्टियां भी रख सकते हैं । गीली पट्टियों को कुछ-एक मिनटों के अंतराल पर बदलते रहें ।

2. नींबू

एक कढाई में चार-नींबू का रस, उनके छिलके और एक चम्मच अदरक की फांके लें । इसमें पानी डालें। इसे ढक कर 10 मिनट तक काढें । इस प्रकार तैयार पानी को अलग कर लें। अब इस तरल पेय में उतनी ही मात्रा में गर्म-पानी तथा स्वाद के लिए शहद मिलाएं। बच्चे को इस प्रकार तैयार गर्म नींबू-पानी दिन में दो-बार पीने को दें।

3. शहद

एक-वर्ष या फिर उससे कम आयु के बच्चों के लिए, जोकि सर्दी-खांसी से पीड़ति हों, शहद एक सुरक्षित उपचार है। दो चम्मच कच्चा शहद और एक चम्मच नींबू का रस मिला लें । हर, कुछ एक घंटों के अंतराल के बाद राहत दिलाने के लिए पिलायें । एक गिलास गर्म-दूध, शहद मिलाकर पीने से सूखी खांसी एवं सीने के दर्द में राहत मिलती है।

4. अदरक

छः कप पानी में, आधा कप बारीक कटे हुए अदरक की फांके और दालचीनी के दो छोटे टुकड़ों को 20 मिनट तक धीमी आंच पर पकायें। फिर इसे छानकर चीनी या शहद मिलाकर दिन में कई बार बच्चे को पीने के लिए दें । एक वर्ष से कम आयु के बच्चों को बराबर मात्रा में गर्म-पानी मिलाकर पिलायें।

5. सेब का सिरका

एक हिस्सा कच्चा, बिना छाना हुआ सेब का सिरका और दो हिस्से ठंडा पानी मिलाकर उसमें दो पट्टियां भिगोयें। फिर उन्हें निचोड़कर एक को माथे पर और एक को पेट पर रखें। दस- दस मिनट के बाद पट्टियां बदलते रहें। प्रक्रिया को बुखार कम होने तक दोहरायें।

6.ब्रेस्ट फीड

ब्रेस्ट फीड बच्चों के लिए अति महत्वपूर्ण है, खासकर जब वे बीमार हों। जोकि उन्हें संक्रमण से लड़ने और शीघ्र स्वस्थ होने में सहायता करते हैं। छः माह से कम आयु के शिशुओं को, सर्दी-खांसी से निजात दिलवाने के लिए, स्तनपान कराना चाहिए।

7. तरल पदार्थ

सुनिश्चित करें की आपके बच्चे को भरपूर तरल-पदार्थ मिलें। अन्यथा वह निर्जलीकरण का शिकार हो सकता है, जिससे समस्या अधिक गंभीर हो सकती है । शरीर में पानी का उचित स्तर, मल - निकास को पतला करके आपके बच्चे के शरीर से कीटाणुओं का निकास करने में और बंद-नाक,छाती जमने आदि की समस्या से बचाता है।

इस मॉडर्न जमाने में लैपटॉप, स्मार्ट फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ बच्चों का सारा दिन व्यस्त रहना तो आप सी बात है। यहां तक की रातभर भी इन सब में व्यस्त रहते हैं। इन सबका उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

हाल ही में एक शोध में यह बात सामने आई है कि जो बच्चे देर रात तक जागते हैं, वह मोटापे का शिकार हो जाते हैं। उनका वजन में ही बढ़ना शुरू हो जाता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया-बर्कले में काम करने वाले बाल-विशेषज्ञ लॉरेन असरनाउ की अध्यक्षता में यह शोध किया गया। इसके लिए 3,300 से भी अधिक किशोरों एवं

देर रात जगने वाले बच्चे हो जाते हैं इस बीमारी का शिकार!

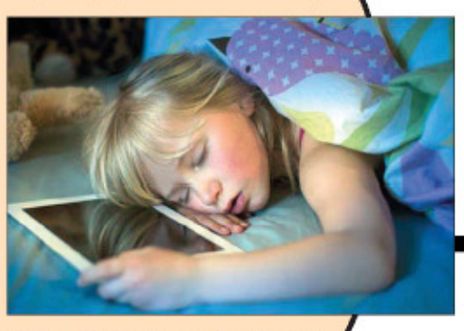

वयस्कों पर शोध किया गया।

शोध के दौरान किशोर अवस्था से लेकर उनके व्यस्क होने तक उनमें होने वाले शारीरिक बदलाव का बड़ी बारीकी से अध्ययन किया गया। ये सारे आकंडे भी जुटाए गए कि इस अवधि के दौरान उन्होंने कितने घंटे की नींद ली है। उन्होंने पाया कि रात्रि के दौरान जब उन्होंने नींद नहीं ली तो उनकी बॉडी मास इन्डेक्स 2.1 प्वॉइंट बढ़ गया। इसी तरह उनका मोटापा 5 साल में बढ़ता ही गया। अधिकांश किशोर रात में 9 घंटे की सामान्य नींद भी नहीं लेते हैं। इस कारण स्कूल में उन्हें जगे रहने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ जो किशोर समय के अनुसार सोते रहे उनका शरीर सुडौल बना रहा है।

बच्चे का वजन बढ़ाना है तो उन्हें खिलाएं ये आहार

अक्सर बच्चों को लेकर माता-पिता टेंशन में रहते हैं। बच्चों को पौष्टिक आहार न खाना, पढ़ाई और उनका जरूरत से ज्यादा मोटा और पतला होना भी उन्हें परेशान करता है। डब्लूएचओ ने भी हाल ही में घोषित किया है कि आजकल बच्चों का खानपान सही न होने की वजह से उनका वजन उम्र के हिसाब से सही नहीं होता है। बच्चों के सही वजन में भोजन सबसे ज्यादा सहायक होता है लेकिन आजकल के बच्चे खाने के मामले में बहुत नखरीले और अपनी मर्जी के मालिक होते है। ऐसे में बच्चों को क्या खिलाया जाएं कि वह स्वस्थ बने रहें और उनका वजन भी संतुलित रहे।

1. मलाई सहित दूध: अगर बच्चे का वजन कम है तो उसे मलाई वाला दूध पिलाएं। अगर उसे पीने में अच्छा नहीं लगता है तो शेक बनाकर दें ताकि उसके शरीर में मलाई पहुंच जाए।

2. घी और मक्खन: बच्चे को घी और मक्खन खिलाएं। इसे दाल में डालकर दें तो सबसे ज्यादा असर होगा।

3. सूप, सैंडविच, खीर और हलवा: ये चारों चीजें बच्चे के लिए फायदेमंद हैं। बस ध्यान रहें सारी चीजें सही मात्रा में ही बच्चों को दें।

4. आलू और अंडा: अंडा और आलू, दोनों में ताकत होती है। एक में प्रोटीन काफी ज्यादा होता है दूसरे में कार्बोहाईड्रेट। ऐसे में आप बच्चे को ये दोनों ही उबालकर खिला सकती हैं।

5. स्प्राउट: बच्चे को स्प्राउट खिलाएं, इससे उसका वजन सही होगा। अगर बच्चा बहुत छोटा है तो उसे दाल का पानी पिलाएं।

6. दिनचर्या सही रखें: बच्चे को स्वस्थ बनाना है तो उसकी दिनचर्या पर ध्यान दें। सही समय पर उसे आहार खिलाएं।

कुछ हटकर होनी चाहिए बर्थ डे पार्टी

ज्यादातर परिवारों में बच्चों का बर्थ डे मनाने से थोड़ा संकोच किया जाता है और परिवार वाले मिलकर ही बच्चे का जन्मदिन मना लेते है। वैसे तो हर माता-पिता चाहते है कि उनके बच्चे का जन्मदिन कुछ इस ढंग से मनाया जाएं ताकि बच्चा अपना जन्मदिन कभी भूल न सकें। बच्चों को सबसे ज्यादा खुशी तब मिलती है जब उसके बर्थ डे पर पार्टी का आयोजन किया जाए और उसके दोस्तों को निमंत्रण दिया जाए , इसलिए याद रहे बच्चों को बर्थ डे मनाने से बहुत खुशी मिलती है। वे अपने आपको किसी से कम नहीं समझते।

आमंत्रण पत्र

आप कम्प्यूटर से रंग-बिरंगे डिज़ाइन के आमंत्रण पत्र बना लें । अब बच्चे के बर्थ डे के आमंत्रण पत्र उन लोगों के घर भेजें, जिनके बच्चों को आप बुलाना चाहती हैं।

बर्थ डे की शॉपिंग

बर्थ डे से तीन दिन पहले बाज़ार जाएं और अपनी डायरी पर लिखे अनुसार शॉपिंग करें। बच्चे की खुशी के लिए आप केक का चयन बच्चे से पूछ कर भी कर सकती हैं।

स्कूल में बर्थ डे

अक्सर स्कूलों में बच्चों को बर्थ डे वाले दिन बर्थ डे ड्रैस डालने की इजाज़त होती है। आप इस दिन बच्चे को स्पेशल तैयार करें और खुशी से सामान देकर स्कूल भेजें। स्कूल में अध्यापक से इजाज़त लेकर सब बच्चों को गिफ्ट बांटना चाहिए।

घर में बर्थडे पार्टी

जिस कमरे में केक काटने वाले हैं उसे कुछ बढ़िया से सजाएं । उस में हैप्पी बर्थ डे का बैनर भी लगाएं और केक रखने के लिए टेबल भी सजाएं। केक से थोड़ा हट के चमकीली से भरे बड़े गुब्बारे को लटकाएं ताकि जब आप उसे फोड़ें तो उसकी सुनहर केक पर न गिरे।

बर्थ डे गेम्ज़

अपने बच्चे के बर्थडे पर आप बच्चों से छोटी-छोटी गेम्स करवा सकती हैं। आप कई किस्म के खेल सोच सकती हैं जैसे आप एक टैडी बीयर ले लें और एक गोल दायरे में बच्चों को बिठा लें । कोई अभिभावक पीठ करके म्यूजिक लगाए। जब तक म्यूजिक चलता रहे बच्चे उस टैडी बीयर को एक तरफ से एक-दूसरे के आगे दें। जहां पर म्यूजिक रुके आप देखें, जिस बच्चे के हाथ में टैडी बीयर है उस बच्चे को कुछ सुनाने को कहें। ऐसा करने से बच्चों को खूब आनन्द आएगा।

बर्थडे के पश्चात

आप चाहें तो डैकोरेशन का सारा सामान उतार कर ठीक-ठाक ढंग से रख लें। उसी में कुछ और डाल कर आप अगले बच्चे का बर्थडे भी मना सकते हैं।

मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंची पीवी सिंधु

एजेंसी

कुआलालंपुर। ब्रेक से वापसी करते हुए, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु ने मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। सिंधु ने बुधवार को महिला एकल के पहले दौर में स्कॉटलैंड की किर्स्टी गिल्मर पर सीधे गेम में जीत दर्ज की।

दुनिया की 15वें नंबर की सिंधु, जिन्होंने उबेर कप और थाईलैंड ओपन में भाग नहीं लिया था, ने 46 मिनट तक चले शुरुआती दौर के मैच में 22वें स्थान पर मौजूद गिल्मर पर 21-17, 21-16 से जीत दर्ज की। सिंधु की राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार की पदक विजेता गिल्मर पर यह तीसरी जीत थी।पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय, जिन्होंने आखिरी बार 2022 सिंगापुर ओपन में खिताब जीता था, उनका अगला मुकाबला कोरिया के सिम यू जिन से होगा। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु को इस साल की शुरुआत में घुटने की चोट से वापसी के बाद से लगातार कई हार का सामना करना पड़ा है। वह पेरिस ओलंपिक से पहले अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यहां अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रही हैं।

मिश्रित युगल में, दुनिया के 53वें नंबर के बी सुमित रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी भी हांगकांग के क्वालीफायर लुई चुन वाई और फू ची यान को 47 मिनट में 21-15 12-21 21-17 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गए। सुमित- सिक्की की जोड़ी का अगले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त मलेशिया के चेन तांग जी और तोह ई वेई से सामना होगा।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिपः सचिन खिलारी ने शॉट पुट एफ46 वर्ग में जीता स्वर्ण

एजेंसी

कोबे। भारत के सचिन सरजेराव खिलारी ने बुधवार को यहां विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में एशियाई रिकॉर्ड के साथ पुरुषों के शॉट पुट एफ46 वर्ग में अपने स्वर्ण पदक का बचाव किया। सचिन ने टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में भी स्वर्ण जीता था।

सचिन ने पिछले साल पेरिस में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान बनाए गए 16.21 मीटर के अपने एशियाई रिकॉर्ड को बेहतर करते हुए लोहे की गेंद को 16.30 मीटर की दूरी तक फेंका। भारत के पास अब 11 पदक हैं, जिनमें से पांच स्वर्ण हैं। इसी के साथ भारत ने पेरिस में 2023 संस्करण में अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ 10 (3 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य) को पीछे छोड़ दिया। अभी प्रतियोगिता के तीन दिन बाकी हैं और भारत के पास स्वर्ण सहित कुछ और पदक जीतने का मौका है। इससे पहले मंगलवार को मौजूदा पैरालिंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने अपने एफ64 भाला फेंक विश्व खिताब का बचाव किया था, जबकि थंगावेलु मरियप्पन और एकता भयान ने भी अपने-अपने स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते, जिससे भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप टूर में 2-0 से जीत दर्ज की

चेन्नई। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने नीदरलैंड के ब्रेडा में नीदरलैंड के क्लब ब्रेडेज़ हॉकी वेरेनिगिंग पुश (बी. एच. वी. पुश) पर 2-0 की जीत के साथ अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की।हिना बानो और कनिका सिवाच ने भारत की जीत सुनिश्चित करने के लिए स्कोरशीट पर अपना नाम अंकित किया।

दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर के जरिए मौके मिलने के बावजूद पहला क्वार्टर गोलरहित रहा।जबकि भारत बढ़त लेने और अपने अभियान को सकारात्मक रूप से शुरू करने के लिए उत्सुक था, शुरुआती गोल उनसे दूर हो गया।इसी तरह, भारत दूसरे क्वार्टर में भी तीन पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में असमर्थ रहा।अंततः तीसरे क्वार्टर में गतिरोध टूटा, जब भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पेनल्टी कॉर्नर पर बानो ने गोल किया, जिससे स्कोर 1-0 हो गया।बी. एच. वी. पुश ने आक्रामक रूप से बराबरी का प्रयास किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर में अपने तीन पेनल्टी कॉर्नर में से किसी को भी परिवर्तित करने में असमर्थता के कारण वे पिछड़ते रहे।चौथे और अंतिम क्वार्टर में, भारत ने डच क्लब के खिलाफ जीत हासिल की, क्योंकि सिवाच ने नेट पर गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। भारतीय रक्षात्मक इकाई ने मैच के अंतिम मिनटों में अपनी क्लीन शीट बरकरार रखी और जीत सुनिश्चित की।भारतीय जूनियर महिला टीम अपना अगला मैच 22 मई को ब्रेडा में बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

तीरंदाजी विश्व कप चरण 2: महिला टीम फाइनल में, पुरुष कांस्य पदक से चूके

एजेंसी

येचियोन। दुनिया की नंबर एक भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम बुधवार को यहां विश्व कप चरण 2 के फाइनल में पहुंच गई। हालांकि विश्व की नंबर 1 पुरुष कंपाउंड टीम, उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और कांस्य पदक से चूक गई।

ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी की महिला तिकड़ी, जिन्होंने पिछले महीने शंघाई स्टेज 1 चरण में स्वर्ण पदक जीता था, ने सेमीफाइनल में विश्व के चौथे नंबर की टीम यूएसए को 233-229 से हराया। भारतीय टीम अब शनिवार को स्वर्ण पदक मुकाबले में दुनिया में सातवें नंबर पर काबिज तुर्की से भिड़ेगी। दूसरे सेमीफाइनल में तुर्की ने शीर्ष वरीय और स्थानीय प्रबल दावेदार दक्षिण कोरिया को 234-233 से हराया।भारतीय महिला टीम के लिए यह कुल मिलाकर आसान सफर था, जिसे क्वालीफाइंग दौर में दूसरे स्थान पर रहने के बाद अंतिम 16 में बाई मिली थी। उन्होंने अंतिम आठ में इटली को 236-234 से हराया था।प्रियांश, प्रथमेश फुगे और अनुभवी अभिषेक वर्मा की पुरुष टीम, जो मंगलवार को क्वालीफाइंग दौर में चौथे स्थान पर

खिसक गई थी, शूट-ऑफ में निचली रैंकिंग वाली ऑस्ट्रेलिया से 133-133 (10-10*) से हार गई। ऑस्ट्रेलियाई टीम, जो विश्व रैंकिंग में 21वें स्थान पर है, ने 59 के स्कोर से शुरुआत करके भारतीय तिकड़ी को आश्चर्यचकित कर दिया और भारत के मुकाबले केवल एक अंक कम हासिल किया। बेली वाइल्डमैन, ब्रैंडन हावेस और जोनाथन मिल्ने की ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और दूसरे राउंड के बाद एक अंक की कमी पर काबू पा लिया, जिससे नियमन चार समाप्त होने के बाद स्कोर 233 हो गया।

आगामी शूट-ऑफ में दोनों टीमें 30-30 से आगे थीं, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कांस्य पदक हासिल करने के लिए दो एक्स (केंद्र के करीब तीर) मारकर भारतीय टीम को पछाड़ दिया। अपने अभियान की शुरुआत निचली रैंकिंग वाले वियतनाम पर 235-212 की आसान जीत के साथ करने के बाद, भारत ने डेनमार्क और शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका को शूट-ऑफ में पराजित किया।

स्पेन की स्टार फुटबॉलर एलेक्सिया पुटेलस ने बार्सिलोना के साथ नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

मैड्रिड। स्टार स्पेनिश महिला फुटबॉलर एलेक्सिया पुटेलस ने जून 2026 तक एफ सी बार्सिलोना के साथ एक नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें एक और वर्ष के लिए विस्तार का विकल्प भी शामिल है। क्लब ने मंगलवार को उक्त जानकारी दी। बार्सिलोना के लिए 424 मैचों में 189 गोल करने और स्पेन की राष्ट्रीय महिला टीम के लिए 114 मैचों में 30 गोल करने के बाद 30 वर्षीय पुटेलस को सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलरों में से एक माना जाता है।

उनके प्रदर्शन को वैश्विक स्तर पर तब पहचान मिली जब उन्हें 2021 और 2022 में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में बैलन डी%ओर से सम्मानित किया गया।

घुटने की चोट के कारण 2023 में पुटेलस की उपस्थिति सीमित हो गई और उन्होंने महिला विश्व कप में स्पेन की जीत में केवल एक छोटी भूमिका निभाई, और लीगा एफ में केवल आठ मैच खेले। पिछले शनिवार को कोपा डे ला रीना के फाइनल में जब बार्सिलोना ने रियल

सोसिदाद को 8-0 से हराया, तो वह एक विकल्प के रूप में दिखाई दीं, उस जीत के साथ ही उन्होंने अब अपने क्लब के साथ 29 ट्रॉफियां जीत ली हैं। बार्सिलोना महिला चैंपियंस लीग के फाइनल में ओलंपिक लियोनिस से खेलेगा, जो शनिवार को एथलेटिक बिलबाओ के सैन मैम्स स्टेडियम में खेला जाएगा।

अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के लिए ड्वेन ब्रावो को गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने वेस्टइंडीज के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो को आगामी टी20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त किया है। एसीबी ने कहा कि ब्रावो कैरेबियाई दौरे से पहले तैयारी शिविर के दौरान टीम में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

अफगानिस्तान पहले ही सेंट किट्स और नेविस पहुंच चुका है और टीम के आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 की तैयारियों के तहत 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू करने की उम्मीद है, जिसकी देखरेख ब्रावो सहित कोचिंग स्टाफ द्वारा की जाएगी। ब्रावो ने वेस्टइंडीज के लिए 295 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें 6423 रन बनाए और 363 विकेट लिए। उनके नाम पर 100 प्रथम श्रेणी, 227 लिस्ट ए और 573 टी20 कैप भी हैं। ब्रावो वर्तमान में टी20 क्रिकेट में अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिनके नाम प्रारूप में 625 विकेट हैं। उन्होंने इस फॉर्मेट में करीब 7000 रन भी बनाए हैं। शानदार खेल करियर के अलावा, ब्रावो के पास कोचिंग विशेषज्ञता भी है। वह वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच हैं।

टेनिस ब्रांड एंबेसडर के रूप में सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क से जुड़ी रहेंगी सानिया मिर्जा

एजेंसी

मुंबई। भारतीय दिग्गज खिलाड़ी सानिया मिर्जा प्रमुख खेल प्रसारक-सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ टेनिस ब्रांड एंबेसडर के रूप में जुड़ी रहेंगी। सानिया सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के प्रमुख स्टूडियो शो- एक्स्ट्रा सर्व- में एक्सपर्ट पैनलिस्ट के रूप में रोलां गैरों के लाइव कवरेज के दौरान दिखाई देंगी।

सानिया इतिहास की सबसे सफल भारतीय टेनिस खिलाड़ियों में से एक हैं। इनके नाम छह ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। उन्हें भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित किया जा चुका है। वह सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर रोलां गैरों के लिए अपनी एक्सपर्ट राय और गहन विश्लेषण साझा करती नजर आएंगी। सानिया के साथ, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क में ओलंपियन और भारत के पूर्व नंबर-1 और एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सोमदेव देववर्मन और डेविस कप खिलाड़ी पूरव राजा रोलां गैरों के एक्सपर्ट पैनल में शामिल होंगे। टेनिस में सबसे कठिन सतह पर खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट का 26 मई 2024 को सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर चार भाषाओं अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में प्रसारण किया जाएगा। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया के राजेश कौल, मुख्य राजस्व अधिकारी (वितरण और अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा प्रमुख - खेल व्यापार) ने कहा, हम सानिया के साथ साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए बेहद खुश हैं, जो सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर टेनिस एंबेसडर के रूप में खेल के बारे में अपनी अमूल्य विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि साझा करना जारी रखेंगी। यह साझेदारी हमें अपने रुख को बनाए रखने में मदद करेगी क्योंकि सोनी नेटवर्क्स सही मायने में भारत में टेनिस का घर है। यह सबसे महत्वपूर्ण टेनिस टूर्नामेंटों का प्रसारण बेजोड़ एक्सपर्ट एनालिसिस के साथ करता है।

सानिया ने कहा, ग्रैंड स्लैम में अविस्मरणीय यादों से भरे एक साल के बाद, मैं ब्रांड एंबेसडर और एक्सपर्ट पैनलिस्ट के रूप में सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ बने रहने के लिए उत्साहित हूं।

आगामी रोलां गैरों ख़ास होगा, क्योंकि विश्व टेनिस महान खिलाड़ियों के एक नए युग की शुरुआत कर रहा है। मैं फैन्स को खेल के करीब लाने और भारत में टेनिस को वह पहचान दिलाने के सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के मिशन का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं, जिसका वह हकदार है।

पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 टीम से तेज गेंदबाज हसन अली को रिलीज किया

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने बुधवार को लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले तेज गेंदबाज हसन अली को अपनी टीम से रिलीज कर दिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि चूंकि वरिष्ठ तेज गेंदबाज हारिस राउफ ने मैच फिटनेस हासिल कर ली है, इसलिए हसन को इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए रिहा कर दिया गया है। हसन को शुरुआत में आयरलैंड जाने वाली 18 सदस्यीय टीम में चुना गया था और अब वह हारिस के कवर के रूप में इंग्लैंड में हैं जो फरवरी से कमर की समस्या से उबर रहे हैं।हसन ने आयरलैंड में एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हिस्सा लिया था लेकिन काफी रन लुटाए।

इंग्लैंड के खिलाड़ी विश्व टी20 कप के लिए यूएसए और वेस्टइंडीज जाएंगे। पाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश है जिसने अपनी 15 सदस्यीय विश्व कप टीम की घोषणा नहीं की है।

इंग्लैंड में मौजूद बल्लेबाज आगा अली सलमान और इरफान नियाजी को मेगा इवेंट के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में नामित किए जाने की उम्मीद है। पाकिस्तान और इंग्लैंड श्रृंखला विश्व कप से पहले दोनों टीमों के लिए आखिरी टी20 प्रतिबद्धता है।

विश्व पैरा एथलेटिक : सुमित, मरियप्पन ने स्वर्ण जीता; भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर

एजेंसी

कोबे। भारत के सुमित अंतिल ने जापान के कोबे में विश्व पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप में पुरुषों की एफ64 भाला फेंक स्पर्धा में 69.50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। दूसरी ओर, मरियप्पन थंगावेलु ने पुरुषों की ऊंची कूद टी63 फाइनल में 1.88 मीटर से अधिक की दूरी पार करके चैंपियनशिप रिकॉर्ड तोड़ दिया और भारत के लिए टूर्नामेंट का चौथा स्वर्ण जीता।

अक्टूबर 2023 में 73.29 मीटर के विश्व रिकॉर्ड प्रयास के साथ हांग्जो एशियाई पैरा गेम्स भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अंतिल पुरुषों की भाला (एफ64) में वर्तमान विश्व रिकॉर्ड धारक हैं। उन्होंने हमवतन संदीप के साथ पोडियम साझा किया,

जिन्होंने कांस्य पदक हासिल किया, जबकि श्रीलंका के डुलान कोडिथुवाक्कू ने रजत पदक हासिल किया। थंगावेलु ने यूएसए के एज्रा फ्रेच और सैम ग्रेवे को पीछे छोड़ दिया जो क्रमशः रजत और कांस्य जीतने के लिए केवल 1.85 मीटर और 1.82 मीटर की छलांग लगाने में सक्षम थे।इससे पहले दिन में, एकता भयान ने महिलाओं के एफ51 क्लब थ्रो में सीज़न के सर्वश्रेष्ठ 20.12 मीटर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि साथी भारतीय कशिश लाकड़ा ने 14.56 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता।

टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में भारत ने रिकॉर्ड 10 पदक जीते, और वर्तमान इस संस्करण में चार स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य के साथ उस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

वर्तमान में, भारत चीन (15 स्वर्ण, 13 रजत, 13 कांस्य) और ब्राजील (14 स्वर्ण, 6 रजत, 5 कांस्य) के बाद तीसरे स्थान पर है।

इंग्लैंड ने यूरो 2024 के लिए घोषित की टीम, रैशफोर्ड, हेंडरसन बाहर

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के मैनेजर गैरेथ साउथगेट ने अपनी प्री-यूरो 2024 प्रोविजनल टीम की घोषणा की। थ्री लायंस टूर्नामेंट से पहले क्रमशः 3 जून और 7 जून को बोस्निया और हर्जेगोविना और आइसलैंड के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलेंगे।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के फॉरवर्ड मार्कस रैशफोर्ड और अजाक्स के मिडफील्डर जॉर्डन हेंडरसन को साउथगेट द्वारा घोषित 33 सदस्यीय टीम से बाहर कर दिया गया।

रैशफोर्ड के बाहर होने पर इंग्लैंड के मैनेजर ने एक बयान में कहा, मुझे लगता है कि पिच के उस क्षेत्र में अन्य खिलाड़ियों का सीज़न बेहतर रहा है। हेंडरसन के बारे में उन्होंने कहा, निर्णायक कारक वह चोट थी

जो उन्हें पिछले शिविर में लगी थी। वह पाँच सप्ताह मैदान से बाहर रहे और अपेक्षित तीव्रता हासिल नहीं कर पाए हैं।

इसके अतिरिक्त, क्रिस्टल पैलेस के एडम व्हार्टन, लिवरपूल की जोड़ी कर्टिस जोन्स और जेरेल क्वांसा को अपना पहला इंग्लैंड कॉल-अप प्राप्त हुआ। इंग्लैंड यूरो कप टूर्नामेंट में ग्रुप सी में सर्बिया, स्लोवेनिया और डेनमार्क के साथ है। थ्री लायंस अपने अभियान की शुरुआत 16 जून को गेल्सेंकिर्चेन में सर्बिया के खिलाफ करेंगे।

इंग्लैंड की टीम पिछले संस्करण में उपविजेता रही थी, जहां फाइनल में इटली के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था।

यूरो 2024 के लिए इंग्लैंड की अस्थायी टीम

गोलकीपरः डीन हेंडरसन, जॉर्डन पिकफोर्ड, आरोन रैम्सडेल, जेम्स ट्रैफर्ड।

डिफेंडर्सः जेराड बार्नथवेट, लुईस डंक, जो गोमेज़, मार्क गुही, एज़री कोन्ज़ा, हैरी मैगुइरे, जेरेल क्वांसाह, ल्यूक शॉ, जॉन स्टोन्स, कीरन ट्रिप्पियर, काइल वॉकर।

मिडफील्डरः ट्रेंट अलेक्जेंडर अर्नोल्ड, कॉनर गैलाघेर, कर्टिस जोन्स, कोबी मैनू, डेक्लान राइस, एडम व्हार्टन।

फॉरवर्डः जूड बेलिंगहैम, जारोड बोवेन, एबेरेची एज़े, फिल फोडेन, एंथोनी गॉर्डन, जैक ग्रीलिश, हैरी केन, जेम्स मैडिसन, कोल पामर, बुकायो साका, इवान टोनी, ओली वॉटकिंस।

थाईलैंड ओपन जीत के बाद पुरुष युगल विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे सात्विक-चिराग

एजेंसी

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मंगलवार को थाईलैंड ओपन में अपनी जीत के बाद पुरुष युगल विश्व रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया।

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर में हार के बाद भारतीय जोड़ी तीसरे नंबर पर खिसक गई थी और फिर सात्विक की चोट के कारण चीन में एशिया चैंपियनशिप में विपक्षी टीम को वॉकओवर दे दिया गया था।उन्होंने रविवार को थाईलैंड ओपन में जोरदार वापसी करते हुए चीन के चेन बो यांग और लियू यी पर सीधे गेम में जीत के साथ सीजन का अपना दूसरा खिताब जीता।

जारी बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में, वे 99670 अंकों के साथ दो पायदान चढ़कर पांच सप्ताह के बाद फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। डबल ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु महिला एकल रैंकिंग में एक स्थान गिरकर 15वें नंबर पर आ गईं, जबकि एचएस प्रणय ने अपनी नंबर 9 रैंकिंग बरकरार रखी और पुरुष एकल के शीर्ष -10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं।लक्ष्य सेन तीन स्थान गिरकर 14वें नंबर पर खिसक गए। किदांबी श्रीकांत (26वें), प्रियांशु राजावत (33वें) एक-एक स्थान नीचे खिसक गए, जबकि किरण जॉर्ज 36वें नंबर पर खिसक गए। महिला युगल में तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा 19वें नंबर पर सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली भारतीय हैं। राष्ट्रमंडल

खेलों की कांस्य पदक विजेता ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी एक स्थान गिरकर विश्व में 29वें स्थान पर खिसक गई है। मिश्रित युगल में, सतीश कुमार करुणाकरन और आद्या वरियाथ तीन स्थान ऊपर चढ़कर विश्व में 39वें स्थान पर पहुंच गए और शीर्ष 50 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं।

क्वॉलीफायर-1 मुकाबले में केकेआर ने हैदराबाद को आठ विकेट से हराया, फाइनल में पहुंची टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम क्वालिफायर-1 मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद वेंकटेश अय्यर और कप्तान श्रेयस अय्यर के नाबाद अर्धशतकों के दम पर यह मुकाबला जीता है। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल त्रिपाठी के 55 रनों की मदद से 19.3 ओवर में 159 रन बनाए थे लेकिन केकेआर ने श्रेयस के 24 गेंदों पर पांच चौकों और चार छक्के की मदद से नाबाद 58 रन और वेंकटेश अय्यर के 28 गेंदों पर पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 51 रनों की पारी के दम पर 13.4 ओवर में दो विकेट पर 164 रन बनाकर मकाबला जीत लिया। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद को 19.3 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट कर दिया। हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था लेकिन स्टार्क ने शुरुआती झटके देकर उसकी पारी लड़खड़ा दी। हैदराबाद की टीम इन झटकों से उबर नहीं सकी लेकिन राहुल त्रिपाठी के अर्धशतक और अंत में कमिंस की तेज पारी से टीम 150 रन का आंकड़ा पार करने में सफल

रही। केकेआर के लिए मिचेल स्टार्क ने तीन विकेट झटके। टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे महंगे बिकने वाले स्टार्क का मौजूदा सीजन में प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था, लेकिन उन्होंने क्वालिफायर-1 जैसे महत्वपूर्ण मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया कि उनकी क्षमता क्या है। स्टार्क ने पहले ट्रेविस हेड को पहले ही ओवर में खाता खोले बिना आउट कर हैदराबाद को बड़ा झटका दिया। इसके बाद उन्होंने नीतीश रेड्डी और शाहबाज अहमद को भी पवेलियन भेजा। स्टार्क के अलावा केकेआर के लिए स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने दो विकेट लिए। दिलचस्प बात यह है कि इस मैच में केकेआर के हर गेंदबाज ने सफलता हासिल की और हैदराबाद को बड़ा स्कोर बनाने से रोकने में सफल रहे।

इससे पहले, पावरप्ले में चार विकेट गंवाने के बाद हैदराबाद के लिए राहुल त्रिपाठी ने हेनरिच क्लासेन के साथ मिलकर पारी को संभाला और सिर्फ 29 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया।

राहुल हालांकि 35 गेंदों पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाकर रन आउट हुए। उनके अलावा क्लासेन ने 21 गेंदों पर 32 रन और कमिंस ने 24 गेंदों पर 30 रन का योगदान दिया। हैदराबाद टीम के सिर्फ चार बल्लेबाज ही दहाई अंक तक पहुंच सके।

अनुष्का शर्मा

की राह पर कटरीना कैफ, लंदन में पहले बच्चे को देंगी जन्म?

कटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी की चर्चा काफी दिनों से चल रही है. मगर विक्की कौशल और कटरीना ने इस बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं दी है. इस बीच कटरीना कैफ और विक्की कौशल का लंदन से एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें फैंस ने उनके बेबी बंप को नोटिस कर लिया. अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कटरीना प्रेग्नेंट हैं और उनका पहला बच्चा भारत में नहीं बल्कि लंदन में होगा.टाइम्स नाउ ने एक सोर्स के हवाले से दावा किया है कि कटरीना कैफ लंदन में ही बच्चे को जन्म देंगी, इसलिए विक्की कौशल भी वहीं हैं. पिछले कुछ वक्त से कई सितारों ने अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखना शुरू कर दिया है. विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने भी ऐसा ही किया था. अनुष्का ने अपने बेटे अकाय को भी लंदन में ही जन्म दिया था.

प्रेग्नेंसी की खबरों को तब और बल मिला जब कटरीना और विक्की का लंदन में टहलने-घूमने का एक वीडियो वायरल हुआ. वायरल वीडियो में दोनों एक साथ नज़र आ रहे हैं. मौसम ठंडा होने की वजह से दोनों ने गर्म कपड़े पहने हुए हैं. वीडियो में कटरीना संभल-संभल कर भी चलती दिखाई दे रही हैं.कुछ दिनों पहले जब कटरीना कैफ ने विक्की कौशल का जन्मदिन मनाया था तब उन्होंने इंस्टाग्राम पर विक्की की कुछ तस्वीरें शेयर की थीं. इसमें गौर करने वाली बात ये थी कि पोस्ट के साथ उन्होंने तीन हार्ट इमोजी और तीन केक इमोजी लगाई थी. इससे भी नए मेहमान के आने की अटकलें लगाई गई थीं.

कब हुई थी शादी ?

कटरीना कैफ और विक्की कौशल ने 9 दिसंबर 2021 को शादी की थी. दोनों की शादी राजस्थान के सवाई माधोपुर के सिक्स सेंसेस फोर्ट बरवाड़ा में बेहद धूमधाम से हुई थी. शादी में कटरीना और विक्की कौशल के परिवार के अलावा कई करीबी दोस्त भी शामिल हुए थे. शादी में बॉलीवुड से भी कई मेहमान पहुंचे थे. शादी के करीब तीन महीने बाद 19 मार्च 2022 को दोनों ने अपनी शादी को कानूनी तौर पर रजिस्टर भी करवाया था.

'मैदान' फ्लॉप होने के बाद अजय देवगन के सामने एक और मुसीबत, बॉक्स ऑफिस पर एक साथ भिड़ेंगी ये तीन फिल्में!

अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' तो फ्लॉप रही. लेकिन उनके पास इस साल कई फिल्में हैं. अब वो जल्द ही 'औरों में कहां दम था' में नजर आएंगे. इस फिल्म में उनके साथ लीड रोल में तबू नजर आएंगी. ये फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. अब 'मैदान' की तरह अजय की फिल्म उलझने वाली है. क्योंकि जान्हवी कपूर की फिल्म 'उलझ' भी ठीक उसी दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी. यही नहीं इस बार दो फिल्में नहीं तीन फिल्में बॉक्स ऑफिस पर एक साथ टकराने वाली हैं.तीसरी फिल्म लक्ष्य ललवानी की 'किल' है. इसे करण जौहर बना रहे हैं और निर्देशन निखिल नागेश भट्ट कर रहे हैं. उनकी फिल्म भी अजय और जान्हवी की फिल्म के साथ 5 जुलाई को ही रिलीज होगी. अजय और तबू की 'औरों में कहां दम था' को नीरज पांडे डायरेक्ट कर रहे हैं. शुरुआत में इस फिल्म को 26 अप्रैल को रिलीज करने की बात कही गई थी, फिर इसे आगे बढ़ा दिया गया था.

जान्हवी कपूर की फिल्म

जान्हवी की 'उलझ' की बात करें तो इस फिल्म को सुधांशु सरिया ने डायरेक्ट किया है. इसे जंगली पिक्चर्स के बैनर तले बनाया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में जान्हवी कपूर एक आईएफएस ऑफिसर बनती नजर आएंगी. इससे पहले उन्हें इस तरह के रोल में नहीं देखा गया है. वहीं इससे पहले जान्हवी कपूर की राजकुमार राव के साथ 'मिस्टर एंड मिसेज माही' 31 मई को रिलीज होने जा रही है. इस फिल्म में वो एक खिलाड़ी की भूमिका निभा रही हैं.अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' तो फ्लॉप रही. लेकिन उनके पास इस साल कई फिल्में हैं. अब वो जल्द ही 'औरों में कहां दम था' में नजर आएंगे. इस फिल्म में उनके साथ लीड रोल में तबू नजर आएंगी. ये फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. अब 'मैदान' की तरह अजय की फिल्म उलझने वाली है. क्योंकि जान्हवी कपूर की फिल्म 'उलझ' भी ठीक उसी दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी. यही नहीं इस बार दो फिल्में नहीं तीन फिल्में बॉक्स ऑफिस पर एक साथ टकराने वाली हैं.तीसरी फिल्म लक्ष्य ललवानी की 'किल' है. इसे करण जौहर बना रहे हैं और निर्देशन निखिल नागेश भट्ट कर रहे हैं.

क्या रणवीर सिंह ने सच में 'हनुमान' वाले डायरेक्टर की फिल्म छोड़ दी?

रणवीर सिंह. अपने एनर्जेटिक अंदाज और दमदार अभिनय से सबका दिल जीतते रहे हैं. इस वक्त उनके खाते में कई बड़ी फिल्में हैं. हाल ही में उन्होंने 'सिंघम अगेन' की शूटिंग खत्म की है. पिक्चर में वो पुलिस वाले बनकर अजय देवगन और दीपिका पादुकोण का साथ देंगे. इसके अलावा उनके पास 'डॉन 3' और 'शक्तिमान' जैसी मेगा बजट फिल्में भी हैं. पर इन दो बड़ी फिल्मों के अलावा वो जिस पिक्चर को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, वो है- 'हनुमान' वाले डायरेक्टर प्रशांत वर्मा की 'राक्षस'. फिल्म का नाम हाल ही में अनाउंस किया गया था. पर बीती 20 मई को खबर आई कि रणवीर सिंह फिल्म छोड़ चुके हैं. इसी बीच पिक्चर को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ गया है.प्रशांत वर्मा साल की शुरुआत से ही चर्चा में हैं. वजह है तेजा सज्जा की 'हनुमान'. 40 करोड़ में बनी उनकी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई गुना ज्यादा पैसे छाप लिए. वहीं, यह इस साल की पहली ब्लॉकबस्टर फिल्म भी बनी. हालांकि, इसका सीक्वल 'जय हनुमान' बनाने से पहले वो रणवीर सिंह के साथ पिक्चर करने जा रहे हैं.

शूटिंग कर वापस लौटे, फिर फिल्म छोड़ दी

हाल ही में हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट सामने आई. इससे पता लगा कि, रणवीर सिंह ने प्रशांत वर्मा की पिक्चर को बीच में नहीं छोड़ा है. यह बिल्कुल झूठ है कि क्क (प्रशांत सिनेमैटिक यूनिवर्स) की अपकमिंग फिल्म से क्रिएटिव डिफरेंस के चलते रणवीर सिंह अलग हो गए हैं. इसी बीच शूटिंग को लेकर बहुत बड़ी जानकारी दी गई. उन्होंने बताया कि, हनुमान जयंती पर हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी गई है. (21 मई) को भी सुबह 4 बजे तक प्रशांत वर्मा ने फिल्म की शूटिंग की है.

इसके अलावा जानकारी मिल रही है कि, रणवीर सिंह भी फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग पूरी कर चुके हैं. हालांकि, फिल्म को लेकर अबतक कोई भी ऑफिशियल ऐलान नहीं किया गया है. इसपर अभी वक्त भी लग सकता है. इसी बीच बॉलीवुड हंगामा की भी एक रिपोर्ट सामने आ गई. इसके मुताबिक, रणवीर सिंह फिल्म की काफी शूटिंग कर चुके थे. कुछ प्रोमो तक शूट किए जा चुके थे.

'मैं एक्शन से पहले रिएक्शन के बारे में नहीं सोचती', कंट्रोवर्सी पर बोलीं 'भाभी जी घर पर हैं' फेम

शिल्पा शिंदे

शिल्पा शिंदे ने सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 11' में अपना कमाल दिखाया था. इस शो में हिना खान, विकास गुप्ता जैसे कई बड़े चेहरे शामिल थे. लेकिन इन सभी सेलिब्रिटीज को पीछे छोड़ते हुए शिल्पा ने 'बिग बॉस 11' की ट्रॉफी अपने नाम की थी. सलमान खान के शो के बाद शिल्पा 'झलक दिखला जा' में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुई थीं. लेकिन इस शो में वो कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थीं. 'झलक..' से बाहर होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए जजों को अनफेयर जजिंग' के लिए खूब खरी-खोटी सुनाई थी. क्या उनके इस बेबाक स्वाभाव के कारण उन्हें पछतावा होता है? पूछे जाने पर टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की खास बातचीत में शिल्पा ने कहा कि मैं एक्शन से पहले रिएक्शन के बारे में नहीं सोचती.अपने स्वाभाव के कारण अक्सर कंट्रोवर्सी में फंसने वाली शिल्पा ने कहा,कई लोग एक्शन से पहले रिएक्शन के बारे में सोचते हैं. और फिर उन्हें जो कहना है, वो बातें वे खुलकर कह नहीं पाते. मैं कल के बारे में नहीं सोचती. मैं बोलूंगी तो आगे क्या होगा? कैसे होगा? इस बारे में सोचकर वक्त जाया करना मुझे पसंद नहीं है. जो मुझे सही लगता है, वो मैं उस समय ही बोल देती हूं. और इस बात का मुझे कोई पछतावा भी नहीं है. इस दौरान शिल्पा ने 'झलक दिखला जा' के बाद ब्रेक लेने की वजह भी बताई.

शिल्पा को पसंद है चैलेंजेस

शिल्पा बोलीं, दरअसल मैंने कर्जत में प्रॉपर्टी ली है. वहां मैंने खुद का फार्म हाउस बनाया है. अब मैंने वहां और जगह खरीदी है. इस जगह पर मैं एक ईको फ्रेंडली रिसॉर्ट बना रही हूं. उस काम में ही मैं बहुत व्यस्त थी. लेकिन अब मुझे और पैसे भी कमाने हैं. और इसलिए मैं ये शो कर रही हूं. 'खतरों के खिलाड़ी' जैसा शो करने का मौका जिंदगी में दोबारा नहीं आ सकता. ऐसी चीजें आप पैसे खर्च करके भी नहीं कर सकते. और मुझे तो यहां पैसे दिए जा रहे हैं. साथ ही मेरे लिए ये एक चैलेंजिंग शो है. और मुझे चैलेंजेस पसंद हैं.